राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 11
अंक : 265
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 07 अप्रैल 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

नई दिल्ली से प्रकाशित

मुख्य अपडेट
पेज 3 नकल माफिया व बलिया प्रशासन के सांठ-गांठ की पोल खोलने वाले पत्रकारों की तत्काल रिहायी की उठी मांग
पेज 5 ध्वजारोहण कर सीएम योगी ने किया उप्र में भाजपा के स्थापना दिवस समारोह का आगाज
पेज 7 लोको ने भारत के पहले आधिकारिक तौर पर समर्थित पोकेमॉन यूनाइट टूर्नामेंट की घोषणा की

रमजान में स्पेशल ब्रेक पर यूटर्न

दिल्ली जल बोर्ड ने मुस्लिम कर्मचारियों के दो घंटे की छुट्टी के आदेश को वापस लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड ने मंगलवार (5 अप्रैल) को उस आदेश को वापस ले लिया, जिसमें रमजान के दौरान रोजा रख रहे सभी मुस्लिम कर्मचारियों को हर दिन दो घंटे का ब्रेक दिया गया था।

बोर्ड ने रमजान के दौरान मुस्लिम कर्मचारियों को 2 मई तक शाम 4 बजे तक ऑफिस आने की इजाजत दी थी। बीजेपी के विरोध के बाद बोर्ड ने सर्कुलर जारी कर अपने फैसले पर यूटर्न ले लिया है।

बोर्ड ने 2 मई तक दिया था शॉर्ट लीव

इससे पहले दिल्ली जल बोर्ड ने कहा कि मुस्लिम कर्मचारी रमजान के दौरान 2 मई तक शॉर्ट लीव (दो घंटे की छुट्टी) ले सकेंगे।

इस दौरान वे अपना काम तय सीमा के भीतर पूरा कर लें, ताकि कार्यालय का काम प्रभावित न हो।

बोर्ड के मुताबिक, मुस्लिम कर्मचारियों को 3 अप्रैल से 2 मई तक शाम 6 बजे की बजाय सिर्फ शाम 4 बजे तक ऑफिस आने की इजाजत दी गई थी।

बीजेपी के विरोध के बाद बदला फैसला

जल बोर्ड के फैसले पर एनडीएमसी उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने आपत्ति जताई है। उन्होंने पूरे मामले को एनडीएमसी के अध्यक्ष और नगरपालिका के सामने रखा और बोर्ड के आदेश को फौरन वापस लेने का अनुरोध किया।

सतीश उपाध्याय ने कहा, मैं इस तरह के आदेश के बारे में कभी नहीं जानता था और जैसे ही इस बारे में मुझे पता चला मैंने इस तरह के नॉन सेक्युलर आदेश का विरोध किया।

चंडीगढ़ पर तेज हुआ घमासान

हरियाणा के प्रस्ताव पर पंजाब का जवाब; वित्तमंत्री हरपाल चीमा बोले- जो चाहे लड़ाई लड़नी पड़े, राजधानी लेकर रहेंगे

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा के बीच चंडीगढ़ पर घमासान तेज हो गया है। हरियाणा विधानसभा में पास किए प्रस्ताव पर पंजाब सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि किसी भी राज्य की राजधानी पेरेंट स्टेट के पास जानी होती है। यहां पंजाब ही पेरेंट स्टेट है और चंडीगढ़ पंजाब का हक है। हमें जो चाहे लड़ाई लड़नी पड़े लेकिन चंडीगढ़ लेकर रहेंगे। चीमा ने कहा कि पंजाब के गांव उजाड़कर चंडीगढ़ बसाया गया। इसीलिए हमें 60 प्रतिशत हक मिला था।

हरियाणा विधानसभा ने कल प्रस्ताव पास कर चंडीगढ़ पर अपना हक जताया था। इससे पहले पंजाब विधानसभा ने 1 अप्रैल को विधानसभा का स्पेशल सेशन बुलाकर प्रस्ताव पास किया था। जिसमें पंजाब सरकार ने चंडीगढ़ पूर्ण रूप से पंजाब को देने के लिए कहा था। इसके बाद से दोनों राज्यों के बीच चंडीगढ़ को लेकर टकराव की स्थिति बनी हुई है।

चंडीगढ़ में केंद्रीय नियमों से शुरू हुआ विवाद

चंडीगढ़ को लेकर विवाद की शुरूआत कर्मचारियों पर केंद्रीय नियम लागू करने से हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के चंडीगढ़ दौरे के बाद यह नियम लागू किए गए। जिसके बाद पंजाब भड़क गया और पंजाब विधानसभा में चंडीगढ़ पर हक का प्रस्ताव पास कर दिया। जिसके बाद हरियाणा में भी प्रस्ताव पास हो गया है।

हरियाणा ने एसवायएल निर्माण कर पानी भी मांगा

पंजाब से एक कदम आगे बढ़ते हुए हरियाणा ने चंडीगढ़ के साथ भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड और सतलुज-यमुना लिंक नहर का भी मुद्दा उठा दिया। हरियाणा ने कहा कि स्ङ्करुनहर का निर्माण कर पंजाब हमें पानी दे। हरियाणा ने दरियाओं के पानी पर हक बताया।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने उनके दावे को ठीक माना है लेकिन पंजाब ने इसके खिलाफ कानून बना दिया। इसके अलावा हरियाणा ने हिंदी भाषी इलाके भी हरियाणा को देने के लिए कहा।

परिवारवादी राजनीति लोकतंत्र की दुश्मन : मोदी

तीन-चार पीढ़ियों ने खुद को खपाकर भाजपा को यशस्वी पार्टी बनाया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परिवारवादी राजनीति की आलोचना करते हुए कहा है कि परिवारवादी राजनीति लोकतंत्र की दुश्मन है और इसे बढ़ावा देने वाले दलों ने हमेशा वोट बैंक की राजनीति की है।

मोदी ने बुधवार को आभासी माध्यम से यहाँ भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं, मंत्रियों, सांसदों और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश में दशकों तक कुछ राजनीतिक दलों ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की। कुछ लोगों को ही वायदे करो, ज्यादातर लोगों को तरसाकर रखो, भेदभाव-भ्रष्टाचार ये सब वोटबैंक की राजनीति का साइड इफेक्ट था।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस वोटबैंक की राजनीति को ना सिर्फ टक्कर दी है, बल्कि देशवासियों को इसके बारे में सतर्क करके इसके नुकसान को समझाने में भी सफल रही है। उन्होंने कहा कि तीन-चार पीढ़ियों ने खुद को खपाकर भाजपा को यशस्वी पार्टी बनाया है। भाजपा एक भारत, श्रेष्ठ भारत के मंत्र पर चल रही है। 4 राज्यों में भाजपा की डबल इंजन सरकार लौटी है।

मोदी ने कहा कि इस बार का भाजपा स्थापना दिवस तीन कारणों से अहम है। पहला कारण इस समय हम देश की आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं।

दूसरा कारण तेजी से बदलती हुई वैश्विक परिस्थितियां भी हैं। तीसरा भारत के लिए नए अवसर लगातार आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याण योजनाएं लाभार्थी तक पहुंच रही हैं।

कोरोना काल में देश ने बड़ा लक्ष्य हासिल किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार का प्रयासभेदभाव की सारी गुंजाइश को खत्म करना, तुष्टिकरण की आशंकाओं को समाप्त करना, स्वार्थ के आधार पर लाभ पहुंचाने की प्रवृत्ति को खत्म करना और समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंचे, ये सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा हमारी सरकार राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए काम कर रही है। आज देश के पास नीतियाँ भी हैं, नियत भी है। देश के पास निर्णयशक्ति भी है, और निश्चयशक्ति भी है।

अमरनाथ यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी, 11 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा की इच्छा रहने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। कोरोना महामारी के चलते पिछले दो साल से बाधित बाबा बर्फानी की यह यात्रा 30 जून से शुरू होने वाली है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन 11 अप्रैल से शुरू होगी। एजेंसी के मुताबिक, कोरोना महामारी के कारण अमरनाथ यात्रा पिछले दो साल से बाधित थी। लेकिन अब सरकार के निर्देश पर अमरनाथ यात्रा आगामी 30 जून से शुरू होने जा रही है। श्राइन बोर्ड के अनुसार, 11 अप्रैल से यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएंगे। बोर्ड का कहना है कि एक दिन में 20 हजार लोगों का रजिस्ट्रेशन हो सकेगा। यही नहीं बोर्ड द्वारा निर्धारित काउंटरों के जरिए ही बाबा बर्फानी की यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन किया जा सकेगा।

तय समय से पहले खत्म होगा संसद का बजट सत्र

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र गुरुवार को समाप्त होने जा रहा है। तय समय से एक दिन पहले ही संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी जाएगी। पहले जारी किए गए शेड्यूल के मुताबिक 8 अप्रैल को दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित की जानी थी। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि लंच के बाद दोनों सदनों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया जाएगा।

बता दें कि इससे पहले के पांच संसद सत्र भी तय समय से पहले ही समाप्त किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, इस सत्र में जिन विधेयकों को

पारित किया जाना था, उन पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की सहमति बन गई है। ये बिल पास किए जा चुके हैं। अब कोई बड़ा संसदीय अजेंडा नहिं बचा है इसलिए समय से पहले ही को खत्म किया जा रहा है।

वहीं विपक्ष का आरोप है कि सत्र को इसलिए जल्दी खत्म किया जा रहा है ताकि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि का मुद्दा न उठाया जा सके। इसी मुद्दे की वजह से राज्यसभा में हंगामा होता था। बता दें कि दोनों सदनों में महत्वपूर्ण वित्त विधेयक और अन्य विधेयक पारित हो गए हैं। आज दोनों सदनों में क्रिमिनल आइडेंटिफिकेशन अमेंडमेंट बिल भी पास हो गया। इसके अलावा संसद के दोनों सदनों में दिल्ली नगर निगम संशोधन विधेयक 2022 भी पास हो गया है। बता दें कि साल 2020 में कोरोना की वजह से सदन की कार्यवाही समय से पहले ही खत्म कर दी गई थी।

यूपी को 1 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने की तैयारी

अर्थव्यवस्था को विस्तार देने के लिए सभी सेक्टर्स का संतुलित विकास जरूरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर बनाने के लिए तेजी से कोशिश करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा है कि अर्थव्यवस्था को विस्तार देने के लिए विभिन्न सेक्टरों का संतुलित विकास किया जाए। निर्धारित लक्ष्यों के लिए टाइमलाइन बनाकर तय समय में कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी दिए हैं।

सीएम ने बुधवार की शाम अपने सरकारी आवास पर हुई एक बैठक में 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाए जाने को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंथन किया।

बैठक में सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप उत्तर

प्रदेश को 01 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लिए तेजी से कार्य किया जाए। वर्ष 2017 के बाद हमारा राज्य पूंजी निवेश के लिए उत्तर-प्रदेश सबसे हॉट डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। इस दिशा में और सक्रियता से कार्य किया जाए। सीएम ने कहा कि पूंजी निवेश में वृद्धि तथा 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लिए अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक योजनाएं बनाई जाए।

जीएसडीपी के आधार पर यूपी देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 5 वर्षों के कार्यकाल के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। इन उपलब्धियों से बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए अब और अधिक परिश्रम से प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस' की रैंकिंग में देश में द्वितीय स्थान पर है। जीएसडीपी के आधार पर उत्तर प्रदेश, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

देश में 24 घंटों के दौरान कोरोना से 71 की मौत

पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के एक हजार 86 नये मरीज सामने आये

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस से पिछले 24 घंटों के दौरान 71 मरीजों ने जान गंवाई है। इसके साथ ही देश में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 5,21,487 हो गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 185 करोड़ चार लाख 11 हजार 569 कोविड टीके दिये जा चुके हैं।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के एक हजार 86 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश के विभिन्न अस्पताल में उपचार करवा रहे कोरोना रोगियों की संख्या 11 हजार 871 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.03 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.23 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में एक हजार 198 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 24 लाख 97 हजार 567 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.76 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में चार लाख 81 हजार 374 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 79 करोड़ 20 लाख 27 हजार 142 कोविड परीक्षण किए हैं। देश में इस समय कोविड-19 से होने वाली मौतों की दर 1.21 प्रतिशत है।

केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में छह की वृद्धि होने के बाद इनकी संख्या 3345 हो गयी। वहीं, 282 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6462811 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 68196 हो गया है। कर्नाटक में सक्रिय मामले 32 घटकर 1510 हो गए हैं। इस दौरान 61 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 3904162 हो गई है।

कोविड टीकाकरण में 180.04 करोड़ टीके लगे

नयी दिल्ली। देशभर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 185.04 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 185 करोड़ चार लाख 11 हजार 569 कोविड टीके दिये जा चुके हैं।

देश में मिला 'एक्स ई' कोरोना का पहला मरीज

नयी दिल्ली। देश में बुधवार को कोरोना वायरस के नये रुप %एक्स ई% से संक्रमित पहला व्यक्ति सामने आया। केंद्रीय स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सूत्रों ने यहां बताया कि यह संक्रमित व्यक्ति दक्षिण अफ्रीका से मुंबई आया है। इसका नमूना एकत्र किया गया और जांच में यह %एक्स ई% से संक्रमित पाया गया है। यह रोगी 50 वर्ष की एक महिला है और दक्षिण अफ्रीका की नागरिक है। यह महिला 10 फरवरी को भारत पहुंची थी और 27 फरवरी को जांच के लिए उसका नमूना लिया गया। सूत्रों ने कहा कि महिला को अलग-अलग रखा गया है और इसका इलाज चल रहा है। गौरतलब है कि कोरोना महामारी के दौरान कोरोना का नया रूप एक्स ई सामने आया है। इसके ज्यादातर मरीज ब्रिटेन और हांगकांग में सामने आ रहे हैं। चीन के कुछ शहरों में भी इसका असर दिख रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कोरोना वायरस का एक्स ई रूप अन्य रूपों से ज्यादा घातक हो सकता है। जानकारों का कहना है कि अभी इस एक्स ई के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। वायरस का रूप बदलना एक सामान्य प्रक्रिया है। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन कोविड मानकों का पालन सख्ती से किया जाना चाहिए।

कैलाश मानसरोवर

जल्द पूरा होगा उत्तराखंड से यात्रा करने का सपना

कैलाश मानसरोवर सड़क के लिए 650 करोड़ रुपये मंजूर करेगा केंद्र

नई दिल्ली। नेपाल या चीन के बजाय उत्तराखंड के रास्ते कैलाश मानसरोवर की यात्रा को सक्षम बनाने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही 650 करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजान को मंजूरी देगा।

केंद्र सरकार भारत-चीन सीमा संपर्क सड़क के अंतिम खंड के लिए काम शुरू करने के लिए तैयार है जो कैलाश मानसरोवर को जोड़ने की सुविधा प्रदान करेगी। उत्तराखंड से यह लिंक रोड वाहनों को तीर्थ स्थल से सिर्फ 75 किमी दूर तक ड्राइव करने की अनुमति देगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार परियोजना पर काम में तेजी लाने के

लिए लगी हुई है। केंद्र मशीनीकृत निर्माण लाने के लिए एलएंडटी से लेकर टाटा समूह की टॉप कंस्ट्रक्शन कंपनियों और ठेकेदारों को शामिल करने की तैयारी कर रहा है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने पहले ही शीर्ष फर्मों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम पूरा कर लिया गया है।

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने अस्कोट से भारत-चीन सीमा तक पूरे 150 किलोमीटर लिंक का रोड फॉर्मेशन पूरा कर लिया है। रोड फॉर्मेशन में भौगोलिक और भूभाग की चुनौतियों के अलावा उसकी शेप को तय करना शामिल है जिस पर सड़क बनेगी। इस चुनौतीपूर्ण कार्य को बीआरओ ने दुर्गम हिमालयी इलाके में सफलतापूर्वक पूरा किया।

सूत्रों के हवाले से लिखा है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय अस्कोट से सीमा तक की आखिरी 80 किलोमीटर सड़क को पक्का करने के लिए फंड मंजूर करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा, इस मामले में सबसे कठिन हिस्सा रोड फॉर्मेशन था। अब रोड फॉर्मेशन के साथ, रोड बनना शुरू हो जाएगा। केंद्र द्वारा जल्द ही इसकी मंजूरी दी जाएगी। हम पूरे दो लेन सड़क राजमार्ग को 2-3 साल के भीतर पूरा करने की उम्मीद करते हैं।

एक बार पूरी सड़क बन जाने के बाद उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से भारत चीन सीमा तक 5-6 घंटे में पहुंचा जा सकता है।

अधिकारी ने कहा कि वहां से साइट पर पहुंचने में करीब दो घंटे का समय लगेगा। वर्तमान में दो से तीन हफ्ते में कैलाश मानसरोवर पहुंच सकते हैं। अभी के मार्ग सिक्किम या नेपाल के माध्यम से हैं।

जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं की जान पर कम हुआ खतरा, 5 सालों में 34 की गई जान

नई दिल्ली। हालिया वर्षों में जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यकों (हिन्दुओं) के खिलाफ हिंसा में कमी आई है। पिछले पांच वर्षों में 34 अल्पसंख्यकों की जान गई है। बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यसभा में जानकारी दी। सरकार के आंकड़े इसलिए भी चौंकाने वाले हैं क्योंकि उन्होंने अपने आंकड़ों में हिन्दुओं को दो कैटेगरी में बांटा- एक कश्मीरी पंडित और दूसरा अन्य हिन्दू।

इससे उलट पुलिस का कहना है कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा पूर्ववर्ती राज्य की जनसांख्यिकी को बदलने की कोशिश करने की आशंका एक कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं। कश्मीर घाटी के एक वरिष्ठ पुलिस

अधिकारी ने कहा हालिया हत्याओं की जांच से संकेत मिलता है कि विभिन्न क्षेत्रों में आशंकाएं हैं कि 2019 के बाद, केंद्र सरकार जनसांख्यिकी को बदलने की कोशिश कर रही है और आतंकवादी संगठन इस डर को हवा दे रहे हैं।

बुधवार को गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में पिछले पांच वर्षों में आतंकवादी-संबंधी घटनाओं में अल्पसंख्यक समुदायों के 34 लोगों की जान चली गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, पिछले साल, अल्पसंख्यक समुदायों के कम से कम 11 लोगों को आतंकवादियों ने निशाना बनाया था। इनमें से 9 हिंदू थे। उनके अनुसार, नौ मारे गए पांच में से पांच को श्रीनगर शहर के केंद्र में निशाना बनाया गया, जिससे सुरक्षा बलों में हड़कंप मच गया।

दिलचस्प बात यह है कि बुधवार को राज्यसभा में गृह मंत्रालय द्वारा पेश किए गए आंकड़ों ने हिंदुओं को दो श्रेणियों में विभाजित किया - कश्मीरी पंडित और अन्य हिंदू। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, अनंतनाग, श्रीनगर, कुलगाम और पुलवामा में 14 हिंदू मारे गए हैं। उनमें से चार कश्मीरी पंडित थे।

शार्ट न्यूज

ट्यूलिप गार्डन के बाहर विस्फोट , टेम्पो चालक घायल

श्रीनगर। केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में ट्यूलिप गार्डन के बाहर बुधवार को अपराह्न विस्फोट होने से एक टैम्पो चालक घायल हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विस्फोट से ट्यूलिप गार्डन के बाहर खड़ा टेम्पो का चालक घायल हो गया है जिसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। उन्होंने बताया कि विस्फोट का कारण अभी पता नहीं चला है। विस्फोट के बाद ट्यूलिप गार्डन में आये पर्यटकों में अफरातफरी मच गयी।

कश्मीर में बस की चपेट में आने से बच्चे की मौत

श्रीनगर। दक्षिणी कश्मीर में अनंतनाग जिले के दाऊदपोरा ब्राह इलाके में बुधवार को स्कूल बस की चपेट में आने से एक बच्चे की मौत हो गयी। यातायात अधिकारियों ने बताया कि स्कूल बस दीथू इलाके से अनंतनाग की ओर जा रही थी तभी सड़क पार करते समय पांच साल का बच्चा बस की चपेट में आ गया। बच्चे की पहचान खुल चोहर निवासी बिलाल अहमद भट के पुत्र तमीम बिलाल के रूप में की गयी है। चश्मदीदों ने बताया कि बच्चे की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने इस मामला दर्ज कर लिया है।

पूनियां ने झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में पन्ना प्रमुख की ली जिम्मेदारी

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस पर आज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के करणी विहार मण्डल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुये और बूथ नंबर 329 के पन्ना प्रमुख की जिम्मेदारी ली। डॉ. पूनियां ने उनके जनसंवाद केंद्र पर आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश मंत्री महेंद्र यादव, जयपुर देहात उत्तर जिला अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, पूर्व मेयर शील धाबाई, करणी विहार मंडल अध्यक्ष अनुभव शर्मा आदि की मौजूदगी में झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 329 के पन्ना प्रमुख की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर उन्होंने कहा भाजपा के 42वें स्थापना दिवस पर मुझे जयपुर शहर के बूथ संख्या 329 में एक पन्ने का प्रमुख बनने का गौरव प्राप्त हुआ। मेरा प्रयत्न रहेगा कि मेरे इस पन्ने के मतदाता विचार और व्यवहार से पार्टी का अनुसरण करेंगे। आशा है आप भी अपने बूथ पर ऐसा ही प्रयास करेंगे। डॉ. पूनियां भाजपा जयपुर शहर के करणी विहार मंडल के बाद गोकुलपुरा मण्डल द्वारा आयोजित पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम में भी शामिल हुये। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में भाजपा का लगभग 11 लाख पन्ना प्रमुख बनाने लक्ष्य है। इसे लेकर सभी जिलों में कार्यक्रम आयोजित हुये। डॉ. पूनियां के साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, विधायक, पंचायतीराज-निकाय के जनप्रतिनिधि, जिला, बूथ, मंडल के पदाधिकारी भी पन्ना प्रमुख की जिम्मेदारी निभायेंगे।

राजस्थान में बुधवार को कोरोना के नौ नये मामले सामने आए

जयपुर। राजस्थान में कोरोना के नये मामलों में उतार चढाव के बीच आज वृद्धि के साथ इसके नौ नये मामले सामने आए। चिकित्सा विभाग के अनुसार पिछले चौबीस घंटों में नये मामलों में चार की बढ़ोत्तरी हुई। नये मामलों में जोधपुर जिले में पांच एवं जयपुर जिले में तीन तथा धौलपुर में एक नया मामला सामने आया जबकि 30 जिलों में एक भी नया मामला सामने नहीं आया। नये मामलों के बाद राज्य में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर अब तक 12 लाख 83 हजार 56 हो गई। प्रदेश में 22 मरीजों के और स्वस्थ होने से अब तक 12 लाख 73 हजार 396 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और सक्रिय मरीजों की संख्या भी गिरकर 108 पर आ गई। इनमें सर्वाधिक 56 सक्रिय मरीज जयपुर जिले में है एवं जोधपुर जिले में 23, बीकानेर में छह, अजमेर, अलवर एवं उदयपुर में चार-चार, बारां, चित्तौड़गढ़, हनुमानगढ़ एवं कोटा में दो-दो तथा धौलपुर, झालावाड़ एवं राजसमंद में एक-एक सक्रिय मरीज हैं जबकि 20 जिलों में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं है। प्रदेश में कोरोना से अब तक 9552 लोगों की मौत हो चुकी हैं। राज्य में कोरोना जांच के लिए अब तक एक करोड़ 95 लाख 45 हजार 949 नमूने लिए गए हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने मार्च में 51 अनाधिकृत दलालों को किया गिरफ्तार

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे ने गत मार्च महीने में रेल में यात्रा करने के अनाधिकृत रूप से टिकट बनाने वाले 51 दलालों को गिरफ्तार किया हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने आज यह जानकारी देते हुए बताया कि रेल टिकट दलालों को पकड़ने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत इन दलालों को पकड़ा। उन्होंने बताया कि इन दलालों से 12 लाख रुपए के 973 टिकट बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि इस तरह के दलालों को पकड़ने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और खासकर गर्मियों की छुट्टियों एवं सीजन में इस तरह के अभियान चला कर इनको पकड़ा जा रहा है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि अधिकृत एजेंट, अधिकृत वेबसाइट एवं बुकिंग काउंटर से ही टिकट खरीदें और इन दलालों के झांसे में नहीं आये।

बक्सर जेल में छापा, आपत्तिजनक सामान बरामद

बक्सर। बिहार में बक्सर केंद्रीय कारा में बुधवार को जिला प्रशासन ने छापेमारी कर कई आपत्तिजनक सामान बरामद किया। जेल सूत्रों ने यहां बताया कि जिलाधिकारी अमन समीर और पुलिस अधीक्षक नीरज सिंह टीम के साथ जेल के अंदर पहुंचे और एक-एक वार्ड की जांच की। इस दौरान खैनी समेत अन्य आपत्तिजनक सामान मिले। करीब तीन घंटे तक चली छापेमारी में पुलिस ने सेंट्रल जेल के सभी वार्डों की तलाशी ली। समीर ने बताया कि जेल से कुछ वीडियो वायरल हुआ था। इसे को लेकर जेल में औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान खैनी-चुनौटी जैसी चीजें मिली हैं।अब यह पता लगाया जाएगा कि जेल के अंदर ये चीजें आखिर पहुंची कैसे। अधिकारियों ने कैदियों को शांतिपूर्वक जेल मैन्युअल का पालन करने का निर्देश भी दिया।

बिहार में चैती छठ पर्व के दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने लगायी आस्था की डुबकी

पटना। बिहार में सूर्योपासना के चार दिवसीय महापर्व चैती छठ के दूसरे दिन आज लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा एवं अन्य नदियों तथा तालाबों में स्नान किया। छठ के दूसरे दिन खरना करने की परंपरा रही है और इस दिन प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रत करने वाले छठ पूजा पूर्ण होने के बाद ही अन्न-जल ग्रहण करते हैं। महापर्व छठ के आज दूसरे दिन राजधानी पटना समेत राज्य के विभिन्न इलाकों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा नदी समेत अन्य नदियों और तालाबों में स्नान किया। गंगा नदी में आज सुबह स्नान करने के बाद व्रती समेत उनके परिवार के सदस्य गंगाजल लेकर अपने घर लौटे और पूजा की तैयारी में जुट गये हैं। छठ में खरना का अर्थ है शुद्धिकरण। यह शुद्धिकरण केवल तन न होकर बल्कि मन का भी होता है इसलिए खरना के दिन केवल रात में भोजन करके छठ के लिए तन तथा मन को व्रती शुद्ध करते हैं। ऐसी मान्यता है कि खरना के दिन यदि किसी भी तरह की आवाज हो तो व्रती खाना वहीं छोड़ देते हैं।

शिवराज कल कटनी जिला अस्पताल में तीन मंजिला सर्वसुविधायुक्त भवन निर्माण की रखेंगे आधारशिला

कटनी। मध्यप्रदेश के कटनी जिले में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कल शासकीय जिला अस्पताल में बनने वाले तीन मंजिला सर्वसुविधायुक्त भवन के निर्माण की आधार शिला रखेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री चौहान जिला अस्पताल में भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे और उसके बाद अंजुमन इस्लामिया स्कूल परिसर में सभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम स्थल में की जा रही तैयारी का आज विधायक संजय पाठक और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया सरकारों को आईना

जुमलेबाजी रह जाती हैं योजनाएं, ऐलान से पहले बजट की भी सोचें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी योजनाओं के ऐलान और उनके प्रभावी अमल में बड़ा अंतर होने को लेकर सरकारों को आईना दिखाया है। अदालत ने कहा कि सरकार को किसी भी योजना का ऐलान करने से पहले उसके वित्तीय प्रभावों के बारे में जरूर सोचना चाहिए। कोर्ट ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां एक अधिकार बना दिया गया है, लेकिन स्कूल कहां हैं?। जस्टिस यूयू ललित की अगुवाई वाली बेंच ने प्रताड़ित महिलाओं को कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। शीर्ष न्यायालय ने कहा, हम

आपको सलाह देंगे कि जब भी आप इस प्रकार की योजनाओं या विचारों के साथ आते हैं तो हमेशा वित्तीय प्रभाव को ध्यान में रखें। पीठ में न्यायमूर्ति एसआर भट और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा भी शामिल हैं। पीठ ने केंद्र की तरफ से पेश हुईं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी से कहा कि इसका उत्कृष्ट उदाहरण शिक्षा का अधिकार अधिनियम है। बेंच ने कहा, आपने एक अधिकार बनाया है। स्कूल कहां हैं? इसलिए, स्कूलों को नगर पालिकाओं, राज्य सरकारों आदि सहित विभिन्न प्राधिकरणों द्वारा स्थापित किया जाना है। उन्हें शिक्षक कहां मिलते हैं?

पीठ ने कहा कि कुछ राज्यों में 'शिक्षा मित्र' हैं और इन व्यक्तियों को नियमित भुगतान के बदले लगभग 5,000 रुपये दिए जाते हैं। इसने कहा कि जब अदालत राज्य से इसके बारे में पूछती है, तो वे कहते हैं कि बजट की कमी है।

पीठ ने कहा, आपको संपूर्णता में देखना होता है। अन्यथा, यह सिर्फ जुमलेबाजी ही बन जाती है। सुनवाई की शुरुआत में भाटी ने पीठ को बताया कि उन्होंने एक पत्र दिया है जिसमें अदालत के पहले निर्देश के अनुसार विवरण रखने के लिए कुछ समय मांगा गया है। शीर्ष अदालत ने फरवरी में केंद्र को एक हलफनामा दाखिल करने के लिए कहा था, जिसमें विभिन्न राज्यों द्वारा डीवी अधिनियम (घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005) के तहत प्रयासों का समर्थन करने के लिए केंद्रीय कार्यक्रमों / योजनाओं की प्रकृति के बारे में विवरण देना शामिल है।

इसमें वित्त पोषण की सीमा, वित्तीय सहायता को नियंत्रित करने की शर्तें और नियंत्रण तंत्र भी शामिल हैं। बुधवार को सुनवाई के दौरान भाटी ने पीठ को बताया कि काफी प्रगति हुई है। पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल से कहा कि वह विवरण देते हुए एक स्थिति रिपोर्ट दायर कर सकती हैं।

फंदे से लटका मिला तपन कांडू की हत्या के चश्मदीद गवाह का शव

पुरुलिया। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में पिछले महीने कांग्रेस निगम पार्षद तपन कांडू की हत्या के एक चश्मदीद गवाह का शव बुधवार को झालदा शहर में संदिग्ध हालत में फंदे से लटका मिला।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि निरंजन वैष्णव ने कथित तौर पर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। निरंजन 13 मार्च को उस समय श्री कांडू के साथ था, जब पुरुलिया जिले के झालदा शहर में उनकी गोली मारकर हत्या की गयी थी।

निरंजन का शव मिलने के बाद वैष्णव पारा गांव में दहशत फैल गयी। उसके दरवाजे पर जब बुधवार तड़के कई दस्तक देने के बाद भी कोई जवाब नहीं आया, तो एक पड़ोसी ने खिड़की से उसके घर में झांका, जहां निरंजन फंदे से लटका नजर आया। सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची जहां स्थानीय लोगों ने निरंजन के पास मिली चिट्ठी के कारण उनका विरोध भी किया। बाद में पुलिस ने उसका शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

निरंजन के शव के पास एक हस्तलिखित चिट्ठी मिली, जिस पर लिखा था कि वह उस पर डाले जा रहे भारी दबाव और स्थानीय पुलिस थाने से बार-बार तलब किये जाने से परेशान होकर आत्महत्या कर रहा है। चिट्ठी में लिखा था, मैंने जब से तपन की हत्या देखी है, मानसिक तनाव से गुजर रहा हूं। उनकी मृत्यु का नजारा बार-बार मेरी आंखों के सामने आ रहा है। पुलिस के बार-बार बुलाने के कारण मानसिक तनाव में बढ़ोतरी ही हुई है।

एचएएल का इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के साथ समझौता

बेंगलुरु। मेक इन इंडिया अभियान को मजबूती प्रदान करने की दिशा में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने भारत में नागरिक (यात्री) विमान को मल्टी मिशन टैंकर ट्रांसपोर्ट (एमएमटीटी) विमान में बदलने के लिए इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के साथ एक समझौता किया है। एचएएल के सीएमडी माधवन ने बताया कि समझौते के तहत एचएएल पूर्व-स्वामित्व वाले नागरिक विमानों को कार्गो और परिवहन क्षमताओं के साथ हवाई ईंधन भरने वाला विमान बनाएगा।

उन्होंने कहा कि यह कदम भारत के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को नई क्षमताओं के साथ-साथ लागत प्रभावी समाधान प्रदान करेगा। यह समझौता प्रमुख रक्षा प्लेटफार्मों के विकास, निर्माण और उत्पादन में एचएएल और आईएआई की विशेषज्ञता की सुविधा प्रदान करेगा।

गुजरात : देश की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में चोरी

12 दिन में 12.5 लाख का सामान किया साफ; आरोपी गिरफ्तार

नवसारी(गुजरात)। देश की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में चोरी का मामला सामने आया है। अहमदाबाद से मुंबई जाने वाली पहली बुलेट ट्रेन परियोजना में काम चल रहा है। जानकारी मिली है कि 12 दिनों में परियोजना से जुड़ा 12.5 लाख का सामान चोरी हुआ है। पुलिस ने मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए आरोपी गुजरात के नवसारी के नसीलपुर गांव से गिरफ्तार हुए है। दोनों की पहचान मोहम्मद मूसा रावत और इमरान शेख के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना पर काम के लिए सामग्री का स्टॉक किया गया था। 23 मार्च से इस प्रोजेक्ट के कार्यस्थल से लोहे की प्लेट, एंगल, रॉड, स्टील पॉप प्लेट, कप लॉक, स्टील चैनल की बड़े पैमाने पर चोरी हो गई थी। परियोजना स्थल पर काम कर रहे एक कर्मचारी ने एक टेंपो और कार में कुछ अज्ञात लोगों को देखा था। उन्होंने साइट से लोहे के चैनल और टीएमटी की छड़ें चुरा लीं और उन्हें टेंपो में लाद दिया। कर्मचारी को देखते ही वे टेंपो छोड़कर कार में सवार हो गए। इस घटना को लेकर नवसारी ग्रामीण थाने में शिकायत दर्ज करायी गयी थी। दी गई सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों लोगों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपित नसीलपुर गांव के रहने वाले हैं।

घटना के बारे में बात करते हुए नवसारी डीएसपी एसके राय ने कहा, दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य तीन की तलाश जारी है। टेंपो के साथ चोरी किए गए लोहे के एंगल और रॉड भी बरामद किए गए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि आरोपी अब तक पिछले 12 दिनों में 12.5 लाख रुपये मूल्य के लोहे के सामान की चोरी कर चुके हैं।

सीताराम येचुरी ने माकपा की 23वीं कांग्रेस का किया उद्घाटन

कन्नूर। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी ने बुधवार को बर्नासेरी के एक नयनार नगर में पार्टी की 23वीं कांग्रेस का उद्घाटन किया।

पोलित ब्यूरो के वरिष्ठ सदस्य एस रामचंद्रन पिल्लई ने पार्टी कांग्रेस का झंडा फहराया और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री मनिक सरकार ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा और मापका के पोलित ब्यूरो के 17 सदस्यों ने प्रतिनिधि सत्र को संबोधित किया। केरल के मुख्यमंत्री एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष पिनाराई विजयन ने लोगों का स्वागत किया।

ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के

महासचिव देवव्रत विश्वास, भाकपा (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के महासचिव मनोज भट्टाचार्य उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने पार्टी कांग्रेस को अपना अभिवादन भेजा।

इस कांग्रेस का समापन 10 अप्रैल को जवाहर स्टेडियम में एक सार्वजनिक समारोह में रेड वालंटियर मार्च के साथ होगा। इस दौरान श्री येचुरी ने भारत से क्राड से नाता तोड़कर अमेरिका से अपनी स्वतंत्रता दिखाने का आग्रह किया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ने के लिए व्यापक पैमाने पर राष्ट्रीय राजनीतिक एकता का आह्वान किया। उन्होंने कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों से कहा कि भारतीय गणराज्य के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक चरित्र पर स्पष्ट रुख अपनाएं।

श्री येचुरी ने कहा कि वाम एकता, मौजूदा राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने के लिए महत्वपूर्ण है और उन्होंने सभी वामपंथी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ताकतों से भाजपा को अलग-थलग करने के लिए एक साथ आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व का मुकाबला केवल धर्मनिरपेक्षता के माध्यम से ही किया जा सकता है। आर्थिक असमानता को लेकर श्री येचुरी ने कहा कि देश में शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों के पास देश की 57 प्रतिशत संपत्ति है, जबकि बाकी आधे लोगों के पास केवल 12 प्रतिशत संपत्ति है।उन्होंने मोदी सरकार पर फासीवादी एजेंडे को आगे बढ़ाने और संविधान के चार मूलभूत स्तंभों धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र, संघवाद, सामाजिक न्याय और आर्थिक संप्रभुता पर हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संसद, न्यायपालिका, चुनाव आयोग, सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय को भी कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा यह जरूरी है कि भाजपा अलग-थलग और पराजित हो।

मशरूम की मांग के हिसाब से उत्पादन बढ़ाने की जरूरत : दत्तात्रेय

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि राज्य सरकार बागवानी और सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रही है। मशरूम उत्पादन भी स्वरोजगार का अवसर है तथा मांग के हिसाब से इसका उत्पादन बहुत कम है। इसके अन्य उत्पाद बनाकर भी आय को बढ़ाया जा सकता है।

दत्तात्रेय ने आज यहां महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के क्षेत्रीय मशरूम अनुसंधान केन्द्र, मुरथल का दौरा किया। उन्होंने स्पोन लैब (मशरूम बीज लैब) का निरीक्षण किया और मशरूम का बीज को तैयार किये जाने की जानकारी भी ली।

उन्होंने रि-ट्रैकटेबल पोली हाउस में किसानों को दिखाने के लिए लगाई गई रंग बिरंगी शिमला मिर्च को भी देखा। उन्होंने कहा कि आज मशरूम ही नहीं, बल्कि मशरूम से बने उत्पाद भी बाजार में आ रहे हैं और ग्राहक इन्हें पसंद भी कर रहे हैं। इसलिए मशरूम के उत्पादन के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि गेहूं और धान की फसलों की बजाय किसानों को अपनी आय को दोगुना करने के लिए फल, फूल तथा सब्जियों की खेती पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय इस दिशा में तेजी से काम कर रहा है।

कर्मचारियों को निकालने के मामले में भगवती प्रोडक्ट लि0 को हाईकोर्ट से भी लगा झटका

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने पंतनगर के सिडकुल स्थित मै0 भगवती प्रोडक्ट लिमिटेड (माइक्रो मैक्स) से नौकरी से निकाले गये 302 कर्मचारियों की छंटनी को गलत ठहराते हुए कंपनी की अपील को खारिज कर दिया है।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। अदालत ने मंगलवार को दिए अपने फैसले में 302 कर्मचारियों की छंटनी को गलत ठहराते हुए कंपनी की अपील को खारिज कर दिया।

माइक्रो मैक्स कंपनी ने वर्ष 2018 में कर्मचारियों की छंटनी के नाम पर 302 कर्मचारियों को निकाल दिया था। कर्मचारी यूनियन की ओर से इस मामले को हल्द्वानी स्थित औद्योगिक विवाद अभिकरण में चुनौती दी गयी। यूनियन की ओर से कहा गया कि कर्मचारियों की छंटनी केन्द्रीय औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के विरूद्ध है। कंपनी की ओर से छंटनी के लिये नियमों का पालन नहीं किया गया। छंटनी से पूर्व सरकार की अनुमति नहीं ली गयी। हालांकि कंपनी की ओर से कहा गया कि उन पर राज्य औद्योगिक अधिनियम लागू होता है।

इसलिये छंटनी के लिये अनुमति की जरूरत नहीं है। अभिकरण ने छंटनी को गलत ठहराते हुए कर्मचारियों के पक्ष में फैसला दे दिया। इसके बाद कंपनी की ओर से वर्ष 2020 में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया और विशेष अपील दायर की गयी। कंपनी की ओर से कहा गया कि छंटनीशुदा कर्मचारियों में 144 ने मुआवजा भी ले लिया है। प्रतिवादी कर्मचारियों के अधिवक्ता एमसी पंत ने बताया कि अदालत ने मंगलवार को कंपनी के दावे को खारिज करते हुए याचिका निरस्त कर दी और अभिकरण के निर्णय पर मुहर लगा दी।

केन्द्र की बिना अनुमति भूमि का स्वरूप बदलने पर राज्य सरकार से जवाब तलब

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने केन्द्र सरकार की अनुमति के बिना देहरादून के सहस्त्रधारा में जल मग्न भूमि को बंजर घोषित कर उस पर निर्माण के मामले में राज्य सरकार के साथ ही देहरादून-मंसूरी विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा है।

अदालत ने देहरादून निवासी अजय नारायण शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के साथ ही देहरादून-मंसूरी विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि देहरादून के सहस्त्रधारा में खसरा नंबर 277 की जल मग्न भूमि को बंजर भूमि में बदल कर भारी भरकम निर्माण किया जा रहा है। इस कार्य के लिये केन्द्र सरकार की अनुमति भी नहीं ली गयी है।

केन्द्र सरकार की ओर से 1989 में जारी अधिसूचना में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भूमि का स्वरूप बदलने के लिये केन्द्र सरकार की अनुमति लिया जाना जरूरी है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि इस भूमि पर आईटी पार्क का निर्माण किया जा रहा है।

अदालत ने मामले को सुनने के बाद सभी पक्षकारों से जवाब पेश करने को कहा है।

हिमाचल की जनता तय करेगी आम आदमी पार्टी का भविष्य

शिमला। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि दिल्ली और पंजाब में सरकार बनाने के बाद आम आदमी पार्टी की नीतियों पर हिमाचल की जनता लगातार भरोसा जता रही है।

ज्ञातव्य है कि गुजरात के बाद अब हिमाचल के मंडी में रैली करके आम आदमी पार्टी ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। मंडी में आज की रैली में उमड़े जनसैलाब ने इस बात की तस्दीक कर दी कि आने वाला समय हिमाचल में आम आदमी का है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान दोपहर मंडी में रैली में पहुंचे । मंडी के न्यू विक्टोरिया पुल से आप की रैली शुरू हुई जहां पहले से हजारों लोग अपने नेता का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। आप की रैली में श्री केजरीवाल और श्री मान मंडी के बाजार से होते हुए सेरी मंच पहुंचे जहां रास्ते में लोगों ने अपने घरों, दुकानों से दोनों मुख्यमंत्रियों का भव्य स्वागत किया।

इस दौरान दोनों मुख्यमंत्री ने जनता का अभिवादन किया। सांस्कृतिक रूप से सम्पन्न हिमाचल के मंडी में यहां की संस्कृति भी आज की रैली में नजर आई

आप कार्यकर्ता और जनता अपने नेताओं के साथ ढोल नगाड़ों,पारंपरिक वाद्य यंत्र और पारंपरिक वेश भूषा के साथ अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान के स्वागत के लिए पहुंचे थे। गुजरात के बाद हिमाचल में भी आज की रैली में उमड़ी भीड़ से, अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान काफी उत्साहित और खुश नजर आए।

हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के गृह जिले मंडी के सेरी मंच से आम आदमी पार्टी ने आज अपना चुनावी शंखनाद कर दिया और जिस तरह से आज आम आदमी पार्टी की आंधी हिमाचल में चली उससे ये बात साफ हो गई। अब हिमाचल की जनता भी बेहतर विकल्प चाहती है।

सेरी मंच पर पहुंचकर श्री केजरीवाल ने कहा कि वो राजनीति करने नहीं बल्कि काम करने आए हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब में अपनी सरकारें बनाई हैं और इन दोनों राज्यों से भ्रष्टाचार को समाप्त किया है। पंजाब में तो 20 दिन के भीतर भगवंत मान की सरकार ने भ्रष्टाचार खत्म हो गया है। यदि लोगों को इसका यकीन नहीं है तो अपने पंजाब में रहने वाले रिश्तेदारों से पता कर सकते हैं। हिमाचल में आप सत्ता में आते ही भ्रष्टाचार को खत्म कर देगी और यहां पर सरकारी स्कूलों की दशा और दिशा दोनों को सुधार कर दिल्ली की तर्ज पर स्कूल बनाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हिमाचल की सत्ता की चाबी अब आम आदमी के हाथ में है। उन्होंने मंडी में भारी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं का आभार भी जताया और कहा कि हिमाचल की जनता ने दिल खुश कर दिया।

इस मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आम आदमी की ताकत बहुत बड़ी होती है। उन्होंने पंजाब में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस नेता नवजोत सिद्धू ,अकाली नेता विक्रमजीत सिंह मजीठिया का उल्लेख करते हुए कहा कि बड़े दिग्गजों को आम आदमी ने हराया है। पूर्व मुख्यमंत्री चरनजीत चन्नी को हराने वाले आप के उम्मीदवार मोबाइल रिपेयर की दुकान पर काम करते थे।

उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर हमलावर तेवर अपनाए और कहा कि अब हिमाचल में आम आदमी पार्टी का समय आने वाला है। जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है हिमाचल में भाजपा और कांग्रेस में बेचैनी बढ़ी है। इनके नेता कहते हैं कि यहां तीसरा विकल्प नहीं आ सकता लेकिन हिमाचल में आने वाला समय आम आदमी का है।

उन्होंने दावा किया कि हिमाचल में आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी और दिल्ली तथा पंजाब की तरह यहां पर विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। जब पंजाब में एक शिक्षक का बेटा मुख्यमंत्री बन सकता है तो यहां क्यों नहीं,उन्होंने कहा कि भगवान ने राजनीतिक गंदगी साफ करने के लिए झाड़ू भेजा है और उन्होंने पंजाब में इसकी शुरुआत कर दी और 20 दिनों के भीतर भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया। उन्होंने हिमाचल की जनता का आह्वान किया कि वे बुनियादी सुविधाओं के लिए आम आदमी की सरकार बनाएं। उन्होंने कहा कि जो भ्रष्टाचार करेगा और जनता का पैसा खायेगा वह सीधा जेल जाएगा।

गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर 24 अप्रैल को राज्य स्तरीय समारोह

एजेंसी

चंडीगढ़। हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में चल रहे देशव्यापी समारोहों की श्रृंखला में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 24 अप्रैल को पानीपत में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह के लिए आज सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार किए गए एक भक्ति गीत का विमोचन किया।

इस अवसर पर श्री खट्टर ने विभाग द्वारा डिजाइन किए गए हिंदी और पंजाबी दोनों भाषाओं में पोस्टर भी लॉन्च किए। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि मार्च 2021 से, श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व के उत्सव के उपलक्ष्य में देश में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम पहले ही शुरू हो चुके हैं।

कोरोना महामारी के कारण हरियाणा में अधिकांश कार्यक्रम नहीं हो पाए, लेकिन अब राज्य सरकार ने 24 अप्रैल को राज्य स्तरीय समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री संदीप सिंह और सांसद संजय भाटिया भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य स्तरीय समारोह के सफल आयोजन के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है।

इसके लिए श्री संदीप सिंह की अध्यक्षता में इवेंट मैनेजमेंट कमेटी का गठन किया गया है। गुरु तेग बहादुर की शिक्षाएं न केवल हमारे लिए एक दुर्लभ विरासत हैं बल्कि एक मजबूत और नैतिक रूप से प्रबुद्ध समाज के निर्माण के लिए सबसे महत्वपूर्ण नींवों में से एक हैं।

उन्होंने कहा कि प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 24 अप्रैल को पानीपत में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में हरियाणा, पंजाब के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से भी सिख श्रद्धालुओं के बड़ी संख्या में भाग लेने की उम्मीद है।

इस राज्य स्तरीय समारोह का उद्देश्य गुरु तेग बहादुर द्वारा प्रचारित सांप्रदायिक सद्भाव और भाईचारे के संदेश का प्रचार करना है। हरियाणा न केवल गुरु तेग बहादुर के साथ बल्कि सभी दस सिख गुरुओं के साथ एक विशेष बंधन साझा करता है।

शार्ट न्यूज

पुलिस ने एक गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार, कब्जे से 1 किलो 110 ग्राम गांजा बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने बुधवार को एक अभियुक्त लोकेश चौधरी पुत्र पप्पू चौधरी निवासी ग्राम गोपालगढ थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को ओम पब्लिक स्कूल के पास जेवर से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने 1 किलो 110 ग्राम गांजा बरामद किया है। अभियुक्त शातिर किस्म का गांजा तस्कर है।जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना सेक्टर 39 पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध असलहे के साथ किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने मंगलवार को एक अभियुक्त फराज पुत्र परवेज निवासी प्रेमनगर लोनी थाना लोनी जनपद गाजियाबाद वर्तमान पता भूरे का मकान फारूख बिरयानी वाली गली हिन्डन विहार थाना साहिबाबाद जिला गाजियाबाद को हाजीपुर अण्डर पास के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय दो कारतूस जिन्दा बरामद किए हैं। अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट के घर ईडी का छापा, सीए फ्लैट बंद करके फरार

ट्रांस हिंडन। गाजियाबाद में इंदिरापुरम के शिप्रा सनसिटी स्थित रिगलिया हाइट्स में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) टीम ने छापा मारा। छापामार की कार्रवाई सीए समर त्रेहान के घर की गई। हालांकि टीम के पहुंचने से पहले ही सीए फ्लैट बंद कर मौके से अपने परिवार संग भाग गया। टीम ने ताला तोड़कर फ्लैट में घुसकर जांच पड़ताल में जुटी है। स्थानीय लोगों के मुताबिक समीर त्रेहान सीए हैं। घर से कम करते थे। टीम द्वारा ब्लैक मनी को व्हाइट करने को लेकर कार्रवाई करने की चर्चा है। पिछले दिनों उन्होंने एक कंपनी की काली कमाई को व्हाइट किया था। इसकी जांच के दौरान ही ईडी को समीर की जानकारी मिली। अब समीर के फ्लैट पर छापा मारा।

दिल्ली में वजीराबाद इलाके में वाहन ने मारी टक्कर, हादसे में एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके में बुधवार को सुबह एक व्यक्ति को कथित तौर पर एक वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, क्योंकि पुलिस को उसके पास से कोई भी दस्तावेज नहीं मिले हैं। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने बताया कि सुबह सात बजकर 21 मिनट पर पीसीआर (पुलिस नियंत्रण कक्ष) पर आईटीआई धीरपुर के पास बुराड़ी फ्लाईओवर की ओर वजीराबाद में आउटर रिंग रोड पर एक वाहन द्वारा एक व्यक्ति को टक्कर मारने और व्यक्ति की मौत हो जाने की सूचना देने के लिए फोन आया था। व्यक्ति की उम्र 30 से 35 वर्ष प्रतीत होती है। पुलिस ने बताया कि आरोपी चालक अपने वाहन के साथ मौके से फरार हो गया। उन्होंने कहा, हमें मौके से व्यक्ति से संबंधित कोई भी दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो पाती। उसकी पहचान करने की कोशिश जारी है। उसके शव को पास के एक अस्पताल के मुर्दाघर में स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां पहचान होने के बाद उसका पोस्टमार्टम किया जाएगा और परिवार को हादसे की जानकारी दी जाएगी। अधिकारी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 279 और 304ए के तहत चालक के खिलाफ वजीराबाद थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त ने कहा, हम घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रहे हैं, ताकि आरोपी और चालक की पहचान की जा सके।%% उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है।

बादली एक्सटेंशन में एक मकान में लगी आग, सुरक्षित निकाले गए आठ लोग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के बादली एक्सटेंशन इलाके में बुधवार को एक मकान में आग लग गई,जिसके बाद आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दमकल विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली दमकल सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग लगने की सूचना सुबह पांच बजकर 50 मिनट पर मिली, जिसके बाद दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने कहा कि आठ लोगों को घर से सुरक्षित निकाला गया है, आग पर काबू पा लिया गया है और प्रशीतन अभियान चालू है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

तेज रफ्तार कार ने स्कूल जा रही 3 बच्चियों को कुचला, 1 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के पश्चिम विहार में बुधवार की सुबह तेज स्पीड आ रही कार ने स्कूल जा रही 3 लड़कियों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक लड़की लड़की की मौत हो गई है जबकि अन्य 2 लड़कियां भी बुरी तरह घायल हो गईं। हादसे में मारी गई लड़की का नाम मनीषा कुमारी (18) था। सड़क दुर्घटना की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। तुरंत कार्रवाई करते हुए मृतक मनीषा को संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, दो अन्य दो घायल लड़कियों कल्पना और संजना को चिकित्सा सहायता के लिए बालाजी अस्पताल ले जाया गया है। हमलावर वाहन को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है और वाहन का चालक फरार है। आरोपी चालक के साथ-साथ वाहन के मालिक का पता लगाने के लिए दो समर्पित टीमों का गठन किया गया है।

मेरठ रोड पर 3 दिन रहेगा रूट डायवर्जन, नवरात्र मेले को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने जारी किया प्लान

गाजियाबाद। नवरात्र में सीकरी स्थित देवी मंदिर पर लगने वाले मेले के मद्देनजर दिल्ली-मेरठ रोड पर तीन दिन तक भारी वाहनों का रूट डायवर्जन रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने इस संबंध में डायवर्जन प्लान जारी किया है। डायवर्जन प्लान सात अप्रैल की शाम 6 बजे से लागू हो जाएगा और नौ अप्रैल को कार्यक्रम की समाप्ति तक जारी रहेगा। एसपी ट्रैफिक रामानंद कुशवाहा ने बताया कि सीकरी में देवी मंदिर पर लगने वाले मेले के मद्देनजर श्रद्धालुओं का भारी संख्या में आगमन होता है। ट्रैफिक का दवाब बढ़ने के कारण जाम और सड़क हादसे की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में 7 से 9 अप्रैल तक दिल्ली-मेरठ रोड पर भारी वाहनों का रूट डायवर्ट करने का फैसला लिया गया है। एसपी ट्रैफिक ने बताया कि डायवर्जन सात अप्रैल की शाम 6 बजे से 9 अप्रैल को कार्यक्रम की समाप्ति तक लागू रहेगा। लोग वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें और किसी भी तरह की असुविधा होने पर गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस के हेल्पलाइन नंबर 9643322904 पर संपर्क करें। गाजियाबाद से मेरठ की ओर जाने वाले भारी वाहनों का आवागमन मोदीनगर होते हुए मेरठ की तरफ नहीं हो सकेगा। वाहन मुरादनगर में गंगनहर होते हुए जा सकेंगे। मेरठ से गाजियाबाद की तरफ आने वाले भारी वाहनों का आवागमन मोदीनगर होते हुए गाजियाबाद की तरफ नहीं हो सकेगा। मोहिउद्दीनपुर से हापुड़ होते हुएजा सकेंगे। भोजपुर की ओर से आने वाले भारी वाहनों का मोदीनगर में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

12 किलोमीटर नाव में बैठ केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने जानी यमुना की स्थिति

शेखावत बोले, 'आप' सरकार ने यमुना की स्वच्छता का वादा नहीं निभाया, लेकिन हम कायाकल्प के लिए कटिबद्ध

नई दिल्ली। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एकबार फिर दोहराया कि मोदी सरकार यमुनाजी को निर्मल और अवरिल बनाना चाहती है। शेखावत ने बुधवार को आईटीओ यमुना छठ घाट से ओखला बोट क्लब तक 12 किलोमीटर नाव में सफर कर ओखला क्षेत्र में नदी की स्थिति स्थल निरीक्षण के माध्यम से जानी। ओखला एसटीपी निर्माण की प्रगति का आकलन किया। शेखावत ने कहा कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने यमुनाजी की स्वच्छता का वादा नहीं निभाया, लेकिन हम कायाकल्प के लिए कटिबद्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस दिसंबर तक कई काम पूरे करने का लक्ष्य है। अगले वर्ष दिल्लीवासियों को जल की गुणवत्ता में वृद्धि स्पष्ट रूप से दिखाई देगी।

केंद्रीय मंत्री ने यमुना एक्शन प्लान-तीन के तहत ओखला में निर्माणाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौराकर बताया कि मां गंगा की तरह यमुनाजी को भी निर्मल और अविरल बनाना हमारी प्राथमिकता है। आने वाले दिनों में जनता निश्चित रूप से छठ पूजा के दौरान इस बदलाव को अपने सामने महसूस करेगी। ओखला एसटीपी निर्माण के लिए नमामि गंगे मिशन के तहत केंद्र सरकार 85 फीसदी, जबकि दिल्ली सरकार 15 फीसदी राशि उपलब्ध करा रही है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक जी. अशोक कुमार भी केंद्रीय मंत्री शेखावत के साथ रहे।

केंद्रीय मदद से चल रहीं 11 परियोजनाएं

यमुना नदी के संरक्षण के लिए दिल्ली में नमामि गंगे मिशन के तहत 2009 करोड़ रुपए की लागत से 1268 एमएलडी सीवेज के उपचार के लिए कुल 11 परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिसके तहत कोरोनेशन पिलर, कोंडली, ओखला और रिठाला एसटीपी का निर्माण हो रहा है। कोरोनेशन पिलर एसटीपी का कार्य पूरा हो चुका है। अन्य परियोजनाओं को आगामी दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है।

एशिया का सबसे बड़ा एसटीपी

ओखला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण के बाद यह देश ही नहीं, एशिया का सबसे बड़ा एसटीपी प्लांट होगा। 665 करोड़ की लागत से तैयार होने वाला यह एसटीपी रोजाना 564 मिलियन लीटर पानी को ट्रीट करेगा। 12 एकड़ में फैले एसटीपी की मदद से डेढ़ सौ टन कचरे को सुखाने के लिए सोलर ड्राइंग तकनीकी की व्यवस्था होगी। एसटीपी के चालू होने के बाद यमुना में गिरने वाली गंदगी को रोका जा सकेगा।

अपग्रेड हो रहे पुराने एसटीपी

ओखला सीवेज ट्रीटमेंट कॉम्प्लेक्स में छह अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र फेस-I (136 एमएलडी), फेस- II (55 एमएलडी), फेस- III (205 एमएलडी), फेस- IV (168 एमएलडी), फेस- V (73 एमएलडी) और फेस -VI (136 एमएलडी) हैं। फेस- I, II, III और IV संयंत्रों का निर्माण वर्ष 1993 से पहले किया गया था, जो काफी पुराने हैं।

इसलिए इन्हें अपग्रेड कर उच्च मानकों के अनुरूप 564 एमएलडी की क्षमता का एक नया एसटीपी का निर्माण किया जा रहा है। एसटीपी में अपशिष्ट, स्काडा, बायोगैस से बिजली उत्पादन और कीचड़ प्रबंधन आदि के गुणवत्ता मानकों की ऑनलाइन निगरानी का प्रावधान होगा।

नकल माफिया व बलिया प्रशासन के सांठ-गांठ की पोल खोलने वाले पत्रकारों की तत्काल रिहायी की उठी मांग

गाजीपुर। यूपी बोर्ड परीक्षा में नकल माफियाओं व बलिया जिला प्रशासन के सांठ-गांठ को उजागर करने वाले पत्रकार अजित ओझा, दिग्विजय सिंह व मनोज गुप्ता के अपने समाचार पत्र में पेपर लीक होने की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

जिससे बौखलाये अधिकारियो ने अपने काले कारनामों पर पर्दा डालने के लिए पत्रकारों पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्यवाही पर जिले के पत्रकारो में गहरा आक्रोष व्याप्त है। इस प्रकरण पर गाजीपुर के पत्रकारो ने एकजुटता दिखाते हुए गाजीपुर पत्रकार एसोसिएशन भवन पर पत्रकारों की आकस्मिक बैठक बुलायी गयी। पत्रकारो ने बलिया प्रशासन के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया और अपने अपने विचार व्यक्त किये। इस कृत्य के विरोध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल को तत्काल निर्दोष पत्रकारों को बिना शर्त जेल से रिहा करने व जिलाधिकारी बलिया को निलम्बिन की मांगो से सम्बन्धित ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया। बैठक के उपरान्त सभी पत्रकारों ने गाजीपुर पत्रकार एसोसिएशन के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष विनोद पाण्डेय के नेतृत्व में जिलाधिकारी आवास पहुंच कर अपना मांग पर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह को सौपा। जिसपर जिलाधिकारी ने मांग पत्र को राज्यपाल व मुख्यमंत्री को भेज कर कार्यवाही का आश्वासन दिया। पत्रकारो ने कहा कि यदि हमारी मांगे पुरी नही हुई तो पत्रकार आन्दोलन तेज कर दिया जायेगा।

मांग पत्र सौपने वाले पत्रकारों में उपजा के अध्यक्ष उधम सिंह, वरिष्ठ पत्रकार अशोक श्रीवास्तव, अविनाश प्रधान, अनिल उपाध्याय, महासचिव चन्द्र कुमार तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज पाण्डेय, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह, सह सचिव शिवप्रताप तिवारी, आयव्यय निरीक्षक राममनोज त्रिपाठी, राजेश सिंह, राधेश्याम पाण्डेय, प्रमोद सिन्हा, रामजनम कुशवाहा, आलोक त्रिपाठी, विनय कुमार सिंह, संजय सिंह, दुर्गविजय सिंह, सूर्यवीर सिंह, आसिफ अंसारी, अजय शंकर तिवारी, अजय राय बब्लू, विक्की, अरूण कुमार श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, विनोद खरवार, अखिलेश यादव, मनिष मिश्रा, आशुतोष त्रिपाठी, प्रदीप दुबे, शशिकान्त तिवारी, अनिल कश्यप, रविकान्त पाण्डेय, देवब्रत, विनोद गुप्ता, लक्ष्मी श्रीवास्तव, राजीव कुमार पाण्डेय, आरिफ वारसी,, गुडडू अंसारी, प्रदीप शर्मा, इकरार खां, रोहित पटवा, विनय यादव, अमरजीत राय, रजत श्रीवास्तव, डा. ए के राय, के एन शर्मा, ईश्वर चन्द्र आदि उपस्थित रहे।

कोरोना प्रोटोकॉल को लागू करने वालों को ज्यादा सख्ती से पालन करना चाहिए : हाई कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जारी प्रोटोकॉल का पालन उन्हें ज्यादा सख्ती से करना चाहिए, जिन पर इसे लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कोर्ट ने प्रोटोकॉल को लागू कराने वाले अधिकारियों/विभागों को इसे सख्ती से पालन करके समाज में उदाहरण पेश करना चाहिए। जस्टिस यशवंत वर्मा ने कहा है कि यह जरूरी है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी संभाल रहे लोगों सहित सभी को हर समय कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें। उन्होंने एक अधिवक्ता द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की है। याचिका में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जारी दिशा-निर्देशों का कथित रूप से उल्लंघन करने वाले और गृह मंत्रालय एवं दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के कई आदेशों के बावजूद समाज में (कोरोना) सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं कराने वाले दिल्ली पुलिस के ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि 9 अगस्त 2021 को तड़के सदर बाजार थाने में तैनात दो पुलिसकर्मी बिना मास्क और हेलमेट पहने सरकारी मोटरसाइकिल पर गश्त कर रहे थे। साथ ही कहा था कि इन पुलिस कर्मियों नेन सिर्फ उनके साथ बल्कि उनके रिश्तेदारों के साथ बदसलूकी की तथा अपशब्दों कहे। मामले में दिल्ली पुलिस ने न्यायालय को बताया कि इस घटना की जांच की गई और दोनों पुलिस कर्मियों को चेतावनी भी जारी की गई।

पार्टियों में ड्रग तस्करी करते थे दो भाई, दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने दिल्ली-एनसीआर में आयोजित होने वाली पार्टियों में ड्रग्स सप्लाई करने वाले दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान करण खन्ना और सिद्धांत खन्ना के रूप में हुई है। वर्ष 2019 में इनके खिलाफ अपराध शाखा ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। इस मामले में दोनों भाई फरार चल रहे थे। अपराध शाखा के डीसीपी रोहित मीणा के अनुसार अपराध शाखा की टीम फरार चल रहे बदमाशों को लेकर काम कर रही थी। पता चला कि आरोपित छतरपुर इलाके में छिपे हुए हैं। इस जानकारी पर एसीपी संतोष कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर मंगेश त्यागी, एसआई रोबिन त्यागी और एएसआई सचिन कुमार की टीम ने छतरपुर स्थित जेवीटीएस गार्डेन में छापा मारा। यहां से पुलिस ने सिद्धांत खन्ना और करण खन्ना को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपित सिद्धांत खन्ना ने पुलिस को बताया कि उसका जन्म देहरादून में हुआ था। वह 9वीं कक्षा तक पढ़ा है। उसके पिता बार और रेस्तरां चलाते थे। वह जब छह साल का था तो उसका परिवार दिल्ली आ गया। 2012 में उसके पिता का देहांत हो गया था। इसकी वजह से उनका कारोबार बंद हो गया। मनाली घूमने के दौरान उसकी मुलाकात राजेश उर्फ डॉक्टर से हुई थी, जो उसे चरस सप्लाई करने लगा।

दिल्ली में शराब पर मिल रही छूट से गुरुग्राम का कारोबार 60 फीसदी प्रभावित

गुरुग्राम। दिल्ली में शराब पर 25 फीसदी तक की छूट का सीधा असर गुरुग्राम के कारोबारियों पर पड़ा है। दिल्ली में जारी छूट के कारण गुरुग्राम में 60 फीसदी शराब बिक्री प्रभावित हो गई है। इससे हरियाणा के आबकारी विभाग के अधिकारियों और शराब कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है। दिल्ली में छूट का सीधा असर आबकारी विभाग की सालाना आय पर पड़ेगा।

दूसरी ओर, करोड़ों रुपयों में शराब की दुकान लेने वाले गुरुग्राम के कारोबारी नुकसान से बचने के लिए सस्ती दरों पर शराब बेच रहे हैं। जबकि नियम के अनुसार तय रेट से कम दामों में शराब नहीं बेची जा सकती। बता दें कि दिल्ली में शनिवार से शराब पर 25 फीसदी छूट का ऑफर दिया जा रहा है। इससे पहले दिल्ली सरकार ने इसी साल 28 फरवरी को शराब की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ के चलते छूट ऑफर पर रोक लगा दी थी, लेकिन अब एक बार फिर शराब पर छूट शुरू करने से दिल्ली के लोग गुरुग्राम में शराब खरीदने के लिए नहीं आ रहे हैं। इस कारण गुरुग्राम में शराब का कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

बिना मुनाफे के बेच रहे हैं शराब

गुरुग्राम में एक स्टोर मालिक ने बताया कि उन्हें दिल्ली की दुकानों पर छूट के बोर्ड देखकर ग्राहकों के कॉल और मैसेज आ रहे हैं। दिल्ली में छूट पर प्रतिबंध लगाने के बाद उन्होंने भी मार्च से छूट पर रोक लगा दी थी, लेकिन जब से दिल्ली ने फिर से छूट की पेशकश दी जा रही है तो मजबूरन उन्हें भी दाम घटाने पड़ रहे हैं।

अब ग्राहकों को लुभाने के लिए बिना मुनाफे के ही शराब देनी पड़ रही है। अगर स्टॉक नहीं लिया तो आबकारी विभाग की तरफ से लाखों रुपयों की पैनल्टी लगा दी जाएगी। स्टॉक निकालने के लिए बिना मुनाफा ही बेच रहे हैं।

एल-1 का बैनर लगाकर लुभा रहे ग्राहकों को

दिल्ली में शराब पर छूट मिलने के बाद भारी दिक्कतों से गुजर रहे शराब कारोबारी ठेकों के बाहर एल-1 के बोर्ड या बैनर लगा कर ग्राहकों को लुभा रहे हैं। जबकि, नियमानुसार ठेकों के बाहर इस तरह से बैनर लगाने की अनुमति नहीं होती है। जहां एल-1 होता है उसी जगह पर यह बोर्ड लगाए जा सकते हैं। ऐसे में विभाग की तरफ से इन पर भी कार्रवाई करनी शुरू कर दी है।

गुरुग्राम आबकारी विभाग के आयुक्त डॉ. अनिरुद्ध शर्मा ने बताया कि दिल्ली में शराब पर छूट से गुरुग्राम में करीब 60 फीसदी कारोबार प्रभावित हो रहा है। गुरुग्राम में किसी तरह की छूट ठेकेदार नहीं दे सकते हैं। तय दामों के हिसाब से ही ठेकेदार शराब बेच सकते हैं। दुकानों के बाहर एल-1 के बोर्ड लगाना गलत है ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद : पेट्रोल पंप कर्मचारियों से लूट का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 28 मार्च को पेट्रोल पंप कर्मचारियों से दिनदहाड़े 23 लाख लूटने वाले 50 हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने बुधवार तड़के मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान दोनों पैरों में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। उसके कब्जे से लूट की रकम के सात लाख रुपये, पिस्टल और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार बदमाश का भाई भी घटना में शामिल था। उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि दो दिन पहले संगम विहार निवासी बदमाश मुकेश को गिरफ्तार कर पुलिस ने घटना का खुलासा किया था। उसके कब्जे से 10 लाख रुपये भी बरामद हुए थे। वारदात में राजीव गार्डन लोनी निवासी सुंदर व उसका भाई नंदू भी शामिल था, जो कि मुकेश से मुठभेड़ के दौरान फरार हो गए थे।

फरार होने के चलते सुंदर पर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। बुधवार तड़के मसूरी में चितौड़ा मार्ग पर पुलिस और बदमाशों का आमना-सामना हो गया। खुद को घिरा देख बदमाशों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाईं। दोनों पैरों में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया, जिसकी पहचान सुंदर के रूप में हुई। उसके कब्जे से सात लाख रुपये, पिस्टल व बाइक बरामद हुई है।

अंतरिम जमानत पर रिहा चल रहा था सुंदर

एसपी ग्रामीण डॉ. ईरज राजा ने बताया कि सुंदर के खिलाफ दिल्ली और गाजियाबाद में 16 मुकदमे दर्ज हैं। उसे दिल्ली में एक लूट के मामले में सात साल की सजा हो चुकी है। कोराना काल में बंदियों को पैरोल तथा अंतरिम जमानत पर छोड़ा गया था। मंडोली जेल में बंद सुंदर को भी अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था।

जेल से बाहर आकर वह आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने लगा था। पंपकर्मियों से लूट के बाद वह जमानत तुड़वाकर जेल जाने की फिराक में लग गया था।

दूषित पानी पीने से 30 बच्चे समेत 50 से ज्यादा लोग बीमार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एनएच-24 स्थित लैंडक्राफ्ट गोल्फलिंक सोसाइटी में बुधवार को दूषित पानी पीने से 30 बच्चे समेत 50 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। इन्हें उल्टी-दस्त समेत को बुखार आ गया। मौके पर पहुंची डॉक्टर की टीम जांच कर रही है। लोगों का कहना है कि सोसाइटी में आपूर्ति होने वाले पानी की गुणवत्ता खराब होने की वजह से बच्चे बीमार हुए हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी ने सोसाइटी के पानी की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। वहां पर बच्चों के स्वास्थ्य के लिए शिविर लगाकर जांच की जा रही है। डॉक्टर्स की टीम बच्चों की जांच कर रही है। सोसाइटी निवासी पीपी करनवाल ने बताया कि मंगलवार देर रात से बच्चे बीमार होने शुरू हो गए थे।

प्लास्टिक से बने स्ट्रा, प्लेट, कप समेत 19 उत्पादों पर जुलाई से लगेगी पाबंदी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में जुलाई से प्लास्टिक से बनी 19 चीजों (उत्पादों) पर पाबंदी रहेगी। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने एकल उपयोग प्लास्टिक से बनी इन वस्तुओं की लिस्ट जारी की है। इनके उपयोग, वितरण, स्टोरेज, बिक्री आदि पर एक जुलाई से रोक रहेगी।

देशभर में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण में इजाफा हो रहा है। प्लास्टिक की वस्तुएं जैविक तौर पर जल्दी अपगठित नहीं होती हैं और लंबे समय तक पर्यावरण में बनी रहती हैं। इनके जलाने से भी बेहद हानिकारक गैस निकलती है।

इन सब नुकसान को देखते हुए भारत सरकार ने एक जुलाई से एकल उपयोग प्लास्टिक पर पाबंदी की घोषणा की है। राजधानी दिल्ली में भी इसे लेकर अधिसूचना जारी की जा चुकी है और एकल उपयोग प्लास्टिक की वस्तुएं बनाने, उनकी बिक्री करने, उपयोग करने, स्टोरेज करने आदि पर रोक की घोषणा की जा चुकी है।

अब दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने इस पर एक कदम आगे बढ़ाते हुए ऐसी उन्नीस वस्तुओं की सूची जारी की है, जिन पर एक जुलाई से पूरी तरह पाबंदी लागू होनी है। ये ऐसी वस्तुएं हैं, जिनका रोजमर्रा के जीवन में बहुत ही ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। इसके चलते प्लास्टिक प्रदूषण में इनकी हिस्सेदारी भी बहुत ज्यादा है। समिति द्वारा उन्नीस वस्तुओं की विशेषीकृत सूची जारी किए जाने से इन पर लगने वाली पाबंदी को ज्यादा आसानी से लागू किया जा सकेगा।

यह सूची जारी

प्लास्टिक स्टिक वाले ईयर बड, गुब्बारे में लगी प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक, आइसक्रीम स्टिक, सजावट में इस्तेमाल होने वाले पोलिस्ट्रीन (थर्माकोल), प्लेट, कप, गिलास, फोर्क, चम्मच, चाकू, स्ट्रा, ट्रे, मिठाई के डिब्बों पर लपेटी जाने वाली प्लास्टिक, इन्वीटेशन कार्ड, सिगरेट के पैकेट, 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पीवीसी के बैनर और स्टरर आदि पर प्रतिबंध रहेगा।

सालाना 35 लाख टन कचरा

देश में हर साल 35 लाख टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। पिछले पांच वर्षों में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक अपशिष्ट का उत्पादन दोगुने से भी ज्यादा हो चुका है।

इसमें से बहुत सारा प्लास्टिक ऐसा है जिसे रिसाइकिल के बाद दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है। लेकिन, एकल उपयोग प्लास्टिक को दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है, इसलिए ये पर्यावरण के लिए समस्या बन जाते हैं।

डीटीसी की एसी बस में लगी भीषण आग, चपेट में दो दुकानें भी आई

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के महिपालपुर इलाके में बुधवार दोपहर चलती डीटीसी बस में अचानक आग लग गई। चालक ने तुरंत बस से कूदकर अपनी जान बचाई। हादसे के दौरान बस में कोई सवारी नहीं थी। आग की तेज लपटों ने सड़क किनारे स्थित एक चाय व एक कूलर की दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। किसी के हताहत होन की सूचना नहीं है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गाजीपुर डिपो की डीटीसी की रूट नंबर-534 की एसी बस बुधवार दोपहर 2:20 बजे एयरपोर्ट की तरफ जा रही थी। उसमें कोई सवारी नहीं थीं। तभी अचानक बस में अचानक आग लग गई। चालक कूदकर बाहर आ गया। थोड़ी ही देर में आगे पूरे बस में फैल गई और बस तेज लपटों ने दो दुकानों को चपेट में ले लिया। आसपास इलाके में धुंआ भर गया। आसपास के लोगों ने पुलिस व अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

दमकल की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग को काबू करने में जुट गई।

3:40 बजे आग पर काबू पाया जा सका। प्राथमिक जांच में बस में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आ रही है। वहीं चाय की दुकान में रखा सीलेंडर भी फट गया। कूलर की दुकान में लाखों का नुकसान हुआ। फिलहाल पुलिस केस दर्ज कर पूरे मामले की जांच कर रही है।

संपादकीय

मोदी के भरोसे आखिर कब तक आगे बढ़ेगी भाजपा? हर चुनाव क्या मोदी ही जितवाएंगे?

हाल ही में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभाव से ही आगे बढ़ रही है। चुनावी नतीजों से पता चलता है कि भाजपा में आज भी किसी भी क्षेत्रीय नेता का कद इतना बड़ा नहीं है कि वह अपने बूते पार्टी को जिता कर भाजपा की सरकार बनवा सके। उत्तर प्रदेश में कई दशकों बाद लगातार दूसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर बहुत से लोग इसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चमत्कार बता रहे हैं। लोगों का मानना है कि योगी आदित्यनाथ के प्रभाव के चलते ही उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 37 वर्षों बाद किसी पार्टी की लगातार दूसरी बार सरकार बन पाई है। मगर ऐसा सोचने वाले लोग सही तरीके से राजनीति का विश्लेषण नहीं कर पा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर जैसे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पूर्व पंजाब को छोड़कर चारों प्रांतों में भाजपा की सरकार थी। लगातार पांच साल सत्ता में रहने के कारण भाजपा को सत्ता विरोधी लहर से नुकसान होने के कयास लगाए जा रहे थे। ऐसे में सभी प्रदेशों में फिर से एक बार सरकार बनाना भाजपा के समक्ष एक बड़ी चुनौती थी। उत्तर प्रदेश को लेकर तो सभी राजनीतिक समीक्षकों का मानना था कि इस चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत से दूर रहेगी। अधिकांश विश्लेषकों व पत्रकारों का भी मानना था कि वहां पर अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी गठबंधन की सरकार बनेगी। ऐसा होता दिख भी रहा था क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ ब्राह्मण समाज में खासी नाराजगी व्याप्त हो रही थी। किसान आंदोलन के चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट मतदाता भी भाजपा से बहुत नाराज हो रहे थे।

किसान आंदोलन का मुख्य केंद्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश होने के कारण नरेश टिकैत जैसे किसान नेता जाटों को लगातार भाजपा के खिलाफ भड़का रहे थे। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक भी संवैधानिक पद पर होने के उपरान्त भी लगातार भाजपा पर हमलावर हो रहे थे। जिससे भाजपा बचाव की मुद्रा में थी। विरोधी दलों के नेताओं द्वारा योगी पर जातिवाद की राजनीति करने का आरोप लगाने के कारण मुख्यमंत्री की छवि भी खराब हो रही थी। यदि उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े राज्य में भाजपा की हार हो जाती तो उसका असर आगे कई प्रदेशों के विधानसभा चुनाव व 2024 के लोकसभा चुनाव में भी निश्चित ही पड़ता।

परिस्थितियों को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता विरोधी लहर को समाप्त करने के लिए खुद मैदान में उतरे और पूरे चुनाव की कमान अपने हाथ में ले ली। मोदी के साथ गृह मंत्री अमित शाह पूरी तरह से सक्रिय हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां सभी चुनावी राज्यों में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां कीं वहीं अमित शाह ग्राउंड लेवल पर पार्टी को एकजुट करने में लग गए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई गांव में तो मतदाताओं की नाराजगी दूर करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने घर-घर जाकर वोट मांगकर पार्टी प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी व गृह मंत्री अमित शाह की मेहनत रंग लाने लगी व पार्टी से नाराज मतदाता धीरे-धीरे फिर से भाजपा खेमे में नजर आने लगे थे। चुनावी नतीजे आने पर भाजपा एक बार फिर अपने चारों प्रदेशों में सरकार बनाने में सफल रही। हालांकि उत्तराखंड में भाजपा के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनाव हार गए थे। मगर भाजपा वहां फिर से बहुमत में आ गई। पूर्वोत्तर के मणिपुर जैसे प्रदेश में भी पहली बार भाजपा ने 32 सीटें जीतकर अपने दम पर सरकार बना ली। गोवा में भी पार्टी ने पहली बार सबसे अधिक 20 सीटें जीतीं और आराम से अपनी सरकार बना ली। भाजपा ने चारों ही प्रदेशों में अपने मुख्यमंत्रियों को बरकरार रखा। उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी के खटीमा से चुनाव हार जाने के बाद भी उन्हीं को मुख्यमंत्री बनाया गया। क्योंकि पार्टी का मानना था कि कम समय में ही मुख्यमंत्री धामी ने पार्टी की गुटबाजी को दूर कर पूरी एकजुटता से चुनाव लड़ा था।

भारत की आर्थिक विकास दर के बारे में सही अनुमान नहीं लगा पा रही हैं वैश्विक एजेंसियां

प्रह्लाद सबनानी

अभी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) ने वर्ष 2022 के लिए भारत की अनुमानित आर्थिक विकास दर को दो प्रतिशत से घटाते हुए 6.7 प्रतिशत के स्थान पर अब 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। भारत की अनुमानित आर्थिक विकास दर में कमी के लिए यूक्रेन और रूस के बीच वर्तमान में चल रहे युद्ध को मुख्य कारण बताया गया है। हालांकि वैश्विक आर्थिक विकास के अनुमान को भी वर्ष 2022 के लिए 3.6 प्रतिशत से घटा कर 2.6 प्रतिशत कर दिया गया है एवं विकासशील देशों के लिए आर्थिक वृद्धि दर कुछ अधिक कम रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जहां रूस वर्ष 2022 में एक गहरी मंदी का अनुभव करेगा, वहीं पश्चिमी यूरोप और मध्य, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों की विकास दर में भारी कमी की आशंका जताई गई है।

विशेष रूप से भारत के संदर्भ में यह कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हो रही भारी वृद्धि के चलते भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार प्रतिबंधों, खाद्य मुद्रास्फीति, कई देशों की सख्त नीतियों और वित्तीय अस्थिरता की भी चुनौती भारत की आर्थिक विकास दर को प्रभावित कर सकती है। उक्त कारणों का हवाला देते हुए संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भारत की अनुमानित विकास दर को कम किया गया है। उक्त प्रतिवेदन में यह भी बताया गया है कि दक्षिण और पश्चिमी एशिया की कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं को ऊर्जा की मांग और कीमतों में तेजी से वृद्धि से कुछ लाभ हो सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर को भी तीन प्रतिशत से घटाकर 2.4 प्रतिशत कर दिया गया है। चीन की आर्थिक विकास दर के अनुमानों को भी 5.7 प्रतिशत से घटाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया गया है। रूस के लिए तो वर्ष 2022 में एक गहरी मंदी की आशंका व्यक्त की गई है जिससे रूस की आर्थिक विकास दर 2.3 प्रतिशत से घटकर -7.3 प्रतिशत रह जाने की सम्भावना जताई गई है।

संयुक्त राष्ट्र के वर्ष 2022 के लिए भारत के संदर्भ में उक्त अनुमानों के ठीक विपरीत भारत की आर्थिक विकास दर लगातार तेजी से आगे बढ़ती जा रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत की आर्थिक विकास दर में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि रहने का अनुमान लगाया गया है हालांकि जनवरी 2022 में जारी अपने पहले अग्रिम अनुमानों में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर रहने का अनुमान लगाया गया था। केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमानों के अनुसार भी भारत की आर्थिक विकास दर वित्तीय वर्ष 2021-22 में 9 प्रतिशत के आसपास रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7 से 8 प्रतिशत की बीच रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है।

अंतरराष्ट्रीय संगठनों से वर्ष 2022 के लिए भारत की अनुमानित आर्थिक विकास दर के अनुमान लगाने के संदर्भ में कहीं न कहीं चूक हो रही है क्योंकि वास्तविक धरातल पर भारत के आर्थिक विकास की कहानी कुछ और ही स्थिति दर्शा रही है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत से वस्तुओं के निर्यात में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है और 41,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निर्यात रहे हैं जो निर्धारित लक्ष्य से भी 5 प्रतिशत अधिक रहे हैं। मार्च 2022 माह में वस्तुओं के निर्यात 4,038 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे हैं जबकि यह मार्च 2021 माह में 3,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे थे।

मुफ्तखोरी की राजनीति गंभीर आर्थिक संकट को न्यौता

ललित गर्ग

भारत की राजनीति में खैरात बांटने एवं मुफ्त की सुविधाओं की घोषणाएं करके मतदाताओं को ठगने एवं लुभाने की कुचेष्टाओं में सभी राजनीतिक दल लगे हैं। महज राजनीतिक लाभ एवं वोट बैंक को प्रभावित करने के उद्देश्य से मुफ्तखोरी को बढ़ावा देना सरकारों के आर्थिक असंतुलन के साथ ही आत्मघाती उपक्रम है। केंद्र सरकार को उन राज्यों को चेताना चाहिए जो कर्ज चुकाने की क्षमता खोते चले जाने के बाद भी मुफ्त की योजनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे उत्पन्न गंभीर आर्थिक संकट को नजरअंदाज करना राजनीतिक अपरिवक्वता का द्योतक है, वही अवसरवादी एवं स्वार्थ की राजनीति को पनपाने का जरिया है। इस तरह की मुफ्त की संस्कृति एवं जनधन को खैरात में बांटने से किस तरह किसी देश में राजनीतिक संकट खड़ा करने के साथ कानून एवं व्यवस्था के लिए भी चुनौती बन सकता है, इसका ताजा उदाहरण है श्रीलंका। वहां की स्थितियां जिस तेजी से बिगड़ रही हैं, वे भारत के लिए भी चिंता का विषय बन गई हैं।

भारत में यह कैसा लोकतांत्रिक ढ़ांचा बन रहा है जिसमें पार्टियां अपनी सीमा से कहीं आगे बढ़कर लोक-लुभावन वादे करने लगी हैं, उसे किसी भी तरह से जनहित में नहीं कहा जा सकता। बेहिसाब लोक-लुभावन घोषणाएं, अपने आर्थिक संसाधनों से परे जाकर और पूरे न हो सकने वाले आश्वासन पार्टियों को तात्कालिक लाभ तो जरूर पहुंचा सकते हैं, पर इससे देश के दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक हालात पर प्रतिकूल असर पड़ने की भी आशंका है। प्रश्न है कि राजनीतिक पार्टियां एवं राजनेता सत्ता के नशे में डूबकर इतने आक्रामक कैसे हो सकते है? यह स्थिति चिन्ताजनक है। इसी तरह की स्थितियों से श्रीलंका में आर्थिक हालात बिगडने और महंगाई के बेलगाम हो जाने के कारण एक ओर जहां जनता का असंतोष बढ़ता जा रहा है, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक अस्थिरता भी गहराती जा रही है। करीब-करीब हर जरूरी वस्तु के आसमान छूते दामों से नाराज श्रीलंका की जनता सड़कों पर उतर रही है और वहां के राष्ट्रपति को यह समझ नहीं आ रहा है कि वे करें तो क्या करें?

श्रीलंका के बेकाबू होते हालात भारत के लिये एक सबक है, क्योंकि पिछले कुछ दौर से भारत में हर दल में मुफ्त बांटने की संस्कृति का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है। लोकतंत्र में इस तरह की बेतूकी एवं अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं आश्वासन राजनीति को दूषित करते हैं, जो न केवल घातक है बल्कि एक बड़ी विसंगति का द्योतक हैं। किसी भी सत्तारूढ पार्टी को जनता की मेहनत की कमाई को लुटाने के लिये नहीं, बल्कि उसका जनहित में उपयोग करने के लिये जिम्मेदारी दी जाती है। इस जिम्मेदारी का सम्यक् निर्वहन करके ही कोई भी सत्तारूढ पार्टी या उसके नेता सत्ता के काबिल बने रह सकते हैं। श्रीलंका की आर्थिक स्थिति जिन कारणों से बिगड़ी, उनमें चीन से कठोर शर्तों पर लिया गया कर्ज तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा वे लोकलुभावन नीतियां भी उत्तरदायी हैं, जो आर्थिक नियमों को धता बताती थीं। कर्ज के बढने और विदेशी मुद्रा भंडार खाली होते जाने के बाद भी इन नीतियों को आगे बढ़ाकर श्रीलंका ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम किया। यह ठीक है कि भारत श्रीलंका के हालात पर नजर रखे हुए है, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं। इसी के साथ ही उन कारणों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है, जिनके चलते श्रीलंका गहरे संकट में धंस गया। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक की तो कई अफसरों ने यह कहा कि कुछ राज्यों की ओर से मुफ्त वस्तुएं और सुविधाएं देने का जो काम किया जा रहा है, वह उन्हें श्रीलंका जैसी स्थिति में ले जा सकता है। इन अफसरों की मानें तो कर्ज में डूबे राज्य मुफ्तखोरी वाली योजनाएं चलाकर अर्थव्यवस्था का बेड़ा गर्क कर रहे हैं।

प्रश्न है कि क्या सार्वजनिक संसाधन किसी को बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध कराए जाने चाहिए? क्या जनधन को चाहे जैसे खर्च करने का सरकारों को अधिकार है? तब, जब सरकारें आर्थिक रूप से आरामदेह स्थिति में न हों। यह प्रवृत्ति राजनीतिक लाभ से प्रेरित तो है ही, सांस्थानिक विफलता को भी ढकती है, और इसे किसी एक पार्टी या सरकार तक सीमित नहीं रखा जा सकता। केजरीवाल सरकार कैंपेन चलाकर आम आदमी की गाढ़ी कमाई के करोड़ों रुपये सरकार की तथाकथित योजनाओं को बताने में खर्च कर दिये हैं कि किस तरह उन्होंने दिल्ली को चमका दिया है। किस तरह मुक्त पानी-बिजली देने के नाम पर सरकारी खजाना खाली कर रहे हैं। जबकि दिल्ली के हालात किसी से छिपे हुए नहीं है। इस तरह का बड़बोलेपन एवं मुफ्त की संस्कृति को पढ़े-लिखे बेरोजगारों ने अपना अपमान समझा। कई बार सरकारों के पास इतने संसाधन नहीं होते कि वे अपने लोगों के अभाव, भूख, बेरोजगारी जैसी विपदाओं से बचा सकें। लेकिन जब उनके पास इन मूलभूत जनसमस्याओं के निदान के लिये धन नहीं होता है तो वे मुफ्त में सुविधाएं कैसे बांटते है? क्यों करोड़ो-अरबो रूपये अपने प्रचार-प्रसार में खर्च करते हैं?

अर्थव्यवस्था और राज्य की माली हालत को ताक पर रखकर लगभग सभी पार्टियों व सरकारों ने गहने, लैपटॉप, टीवी, स्मार्टफोन से लेकर चावल, दूध, घी तक बांटा है या बांटने का वादा किया है। यह मुफ्तखोरी की पराकाष्ठा है। मुफ्त दवा, मुफ्त जाँच, लगभग मुफ्त राशन, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त विवाह, मुफ्त जमीन के पट्टे, मुफ्त मकान बनाने के पैसे, बच्चा पैदा करने पर पैसे, बच्चा पैदा नहीं (नसबंदी) करने पर पैसे, स्कूल में खाना मुफ्त, मुफ्त जैसी बिजली 200 रुपए महीना, मुफ्त तीर्थ यात्रा। जन्म से लेकर मृत्यु तक सब मुफ्त। मुफ्त बाँटने की होड़ मची है, फिर कोई काम क्यों करेगा? मुफ्त बांटने की संस्कृति से देश का विकास कैसे होगा? कैसे सरकारों का आर्थिक संतुलन बनेगा? पिछले दस सालों से लेकर आगे बीस सालों में एक ऐसी पूरी पीढ़ी तैयार हो रही है या हमारे नेता बना रहे हैं, जो पूर्णतया मुफ्त खोर होगी। अगर आप उनको काम करने को कहेंगे तो वे गाली देकर कहेंगे, कि सरकार क्या कर रही है?

विडम्बना एवं विसंगति की हदें पार हो रही है। ये मुफ्त एवं खैरात कोई भी पार्टी अपने फंड से नहीं देती। टैक्स दाताओं का पैसा इस्तेमाल करती है। हम 'नागरिक नहीं परजीवी' तैयार कर रहे हैं। देश का टैक्स दाता अल्पसंख्यक वर्ग मुफ्त खोर बहुसंख्यक समाज को कब तक पालेगा? जब ये आर्थिक समीकरण फैल होगा तब ये मुफ्त खोर पीढ़ी बीस तीस साल की हो चुकी होगी।

जिसने जीवन में कभी मेहनत की रोटी नहीं खाई होगी, वह हमेशा मुफ्त की खायेगा। नहीं मिलने पर, ये पीढ़ी नक्सली बन जाएगी, उग्रवादी बन जाएगी, पर काम नहीं कर पाएगी। यह कैसा समाज निर्मित कर रहे हैं? यह कैसी विसंगतिपूर्ण राजनीति है? राजनीति छोड़कर, गम्भीरता से चिंतन करने की जरूरत है।

वर्तमान दौर की सत्ता लालसा की चिंगारी इतनी प्रस्फुटित हो चुकी है, सत्ता के रसोस्वादन के लिए जनता और व्यवस्था को पंगु बनाने की राजनीति चल रही है। राजनीतिक दलों की बही-खाते से सामाजिक सुधार, रोजगार, नये उद्यमों का सृजन, खेती को प्रोत्साहन, ग्रामीण जीवन के पुनरुत्थान की प्राथमिक जिम्मेवारियां नदारद हो चुकी है, बिना मेहंदी लगे ही हाथ पीले करने की फिराक में सभी राजनीतिक दल जुट चुके हैं। जनता को मुफ्तखोरी की लत से बचाने की जगह उसकी गिरफ्त में कर अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने में लगे हैं। लोकतंत्र में लोगों को नकारा, आलसी, लोभी, अकर्मण्य, लुंज बनाना ही क्या राजनीतिक कर्त्ता-धर्त्ताओं की मिसाल है? अपना हित एवं स्वार्थ-साधना ही सर्वव्यापी हो चला है ?इन स्थितियों के कारण श्रीलंका जैसे हालात विभिन्न राज्यों में बनने की आहट सुनाई देने लगी है।

बेरोजगारी, व्यापार-व्यवसाय की टूटती सांसें एवं किसानों की समस्याओं को भी हल करने में ईमानदारी बरतने की बजाय सरकारें इसी तरह के लोक-लुभावन कदमों के जरिए उन्हें बहलाती रही हैं। ऐसी नीतियों पर अब गंभीरता से गौर करने की जरूरत है। अपने राज्य की स्त्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हरेक सरकार का अहम दायित्व है, लेकिन उनकी मुकम्मल सुरक्षा मेट्रो या बस में मुफ्त यात्रा की सुविधा में नहीं, बल्कि अन्य सुरक्षा उपायों के साथ टिकट खरीदकर उसमें सफर करने की आर्थिक हैसियत हासिल कराने में है। हकीकत में मुफ्त तरीकों से हम एक ऐसे समाज को जन्म देंगे जो उत्पादक नहीं बनकर आश्रित और अकर्मण्य होगा और इसका सीधा असर देश की पारिस्थितिकी और प्रगति, दोनों पर पड़ेगा। सवाल यह खड़ा होता है कि इस अनैतिक राजनीति का हम कब तक साथ देते रहेंगे? इस पर अंकुश लगाने का पहला दायित्व तो हम जनता पर ही है।

परिवारवाद कैसे देश को डुबा देता है, इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बन गया है श्रीलंका

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

राजपक्षे-परिवार श्रीलंका का राज-परिवार बन गया। श्रीलंका में आर्थिक संकट इतना भीषण हो गया है कि पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दे दिया। सबसे बड़ी बात यह कि जिन चार मंत्रियों को फिर नियुक्त किया गया, उनमें वित्त मंत्री बसील राजपक्षे नहीं हैं।

भारत के दो पड़ोसी देशों, पाकिस्तान और श्रीलंका में अस्थिरता के बादल छा गए हैं। पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय का फैसला जो भी हो और श्रीलंका की राजपक्षे भाइयों की सरकार रहे या चली जाए, हमारे इन दो पड़ोसी देशों की राजनीति गहरी अस्थिरता के दौर में प्रवेश कर गई है। जहां तक श्रीलंका का प्रश्न है, वहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य तीन मंत्री एक ही राजपक्षे परिवार के सदस्य हैं। ऐसी पारिवारिक सरकार शायद दुनिया में अभी तक कभी नहीं बनी है। जब सर्वोच्च पदों पर इतने भाई और भतीजे बैठे हों तो वह सरकार किसी तानाशाह से कम नहीं हो सकती।

राजपक्षे-परिवार श्रीलंका का राज-परिवार बन गया। श्रीलंका में आर्थिक संकट इतना भीषण हो गया है कि पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दे दिया। सबसे बड़ी बात यह कि जिन चार मंत्रियों को फिर नियुक्त किया गया, उनमें वित्त मंत्री बसील राजपक्षे नहीं हैं। वित्त मंत्री के खिलाफ सारे देश में जबर्दस्त रोष फैला हुआ है, क्योंकि मंहगाई आसमान छूने लगी है। चावल 500 रु. किलो, चीनी 300 रु. किलो और दूध पाउडर 1600 रु. किलो बिक रहा है। बाजार सूनसान हो गए हैं। ग्राहकों के पास पैसे नहीं हैं। रोजमर्रा पेट भरने के लिए हर परिवार को ढाई-तीन हजार रु. चाहिए। लोग भूखे मर रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अगले दो-तीन दिन में सरे-आम लूट-पाट की खबरें भी श्रीलंका से आने लगें। पेट्रोल, डीजल और गैस का अकाल पड़ गया है, क्योंकि उन्हें खरीदने के लिए सरकार के पास डॉलर नहीं हैं। लोग अपनी जान बचाने के लिए भाग-भागकर भारत आ रहे हैं। श्रीलंका के रिजर्व बैंक के गवर्नर अजीत निवार्ड कबराल ने भी इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के तीन बड़े आधार हैं। पर्यटन, विदेशों से आने वाला श्रीलंकाइयों का पैसा और वस्त्र-निर्यात। महामारी के दौरान ये तीनों अधोगति को प्राप्त हो गए। 12 बिलियन डॉलर का विदेशी कर्ज चढ़ गया। उसकी किस्तें चुकाने के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है।

चाय के निर्यात की आमदनी घट गई, क्योंकि रासायनिक खाद पर प्रतिबंध के कारण चाय समेत सारी खेती लंगड़ा गई। श्रीलंका को पहली बार चावल का आयात करना पड़ा। 2019 में बनी इस राजपक्षे सरकार ने अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लालच में तरह-तरह के टैक्स घटा दिए और मुफ्त अनाज बांटना शुरू कर दिया। सारा देश विदेशी कर्जे में डूब गया। गांव-गांव और शहर-शहर में लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। घबराई हुई सरकार ने विरोधी दलों से अनुरोध किया कि सब मिलकर संयुक्त सरकार बनाएं लेकिन वे तैयार नहीं हैं। राजपक्षे सरकार ने पहले आपातकाल घोषित किया, संचारतंत्र पर कई पाबंदियां लगाईं और अब उसे कर्फ्यू भी थोपना पड़ा और बाद में आपातकाल हटा दिया।

वरिष्ठ कवि रामदरश मिश्र को सरस्वती सम्मान

वरिष्ठ कवि और लेखक रामदरश मिश्र को वर्ष 2021 का सरस्वती सम्मान देने की घोषणा की गई है। उन्हें यह सम्मान उनके कविता संग्रह मैं तो यहां हूं के लिए प्रदान किया जाएगा। केके बिरला फाउंडेशन द्वारा दिया जाने वाला साहित्य का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार किसी भी भारतीय भाषा के लिए दिया जाता है। इस बार यह सम्मान हिंदी की पुस्तक को मिला है।

रामदरश मिश्र समर्थ कवि के साथ प्रतिष्ठित उपन्यासकार भी हैं। उनका जन्म डुमरी गांव, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में 14 अगस्त 1924 को हुआ था। उनकी कविताओं में गांव के दृश्य अक्सर दिखाई देते हैं। ग्रामीण सौंदर्य से सराबोर उनकी कविताओं में प्रकृति की अलग झलक दिखाई पड़ती है। मिश्र जी का पहला कविता संग्रह पथ के गीत था।

उनकी अन्य पुस्तकों में बैरंग-बेनाम चिट्ठियां, पक गयी है धूप, कंधे पर सूरज, दिन एक नदी बन गया, जुलूस कहां जा रहा है, आग कुछ नहीं बोलती, बारिश में भीगते बच्चे और हंसी ओठ पर आंखें नम हैं, (गजल संग्रह) आदि हैं।

उन्होंने कई ललित निबंध लिखे जो, कितने बजे हैं?, बबूल और कैक्टस में संकलित हैं।

वह करें तो तुष्टीकरण और यह करें तो सद्भाव ?

निर्मल रानी

भारतीय जनता पार्टी के लोग हमेशा ही पिछली ग़ैर भाजपाई सरकारों पर अल्पसंख्यकों ख़ासकर मुस्लिमों का तुष्टीकरण करने का आरोप लगाते रहे हैं। और इसी दुष्प्रचार की बदौलत देश के बहुसंख्य हिन्दू समाज को अपने पक्ष में गोलबंद करने का काम भाजपा दशकों से करती रही है। मिसाल के तौर यदि यू पी ए सरकार के दौर में हज पर जाने वाले यात्रियों को सब्सिडी दी जाती थी तो उसे यह तुष्टिकरण बताते थे। कोई राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री यदि ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की अजमेर शरीफ़ स्थित दरगाह अथवा किसी अन्य पीर फ़क़ीर की दरगाह पर सद्भावना के तहत अपनी ओर से मज़ार पर चढ़ाने के लिये चादर भेजता था तो वह भी इनकी परिभाषा के अनुसार तुष्टीकरण था। मदरसों को प्रोत्साहित करने हेतु बनने वाली योजनाएं तुष्टीकरण यहाँ तक कि रमज़ान के दिनों में यदि कहीं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या कोई मंत्री रोज़ा इफ़्तार का आयोजन करता था तो उसे भी तुष्टीकरण ही बताया जाता था। यह और बात है कि इसी तथाकथित तुष्टीकरण काल के दौरान ही जस्टिस राजेंद्र सच्चर की अल्पसंख्यकों की स्थिति के बारे में आई रिपोर्ट भारतीय मुसलमानों की आर्थिक, सामाजिक व शैक्षिक स्थिति का जो खुलासा करती है वह मुस्लिम तुष्टीकरण जैसे आरोपों से बिलकुल विपरीत थी। बहरहाल तुष्टीकरण के आरोपों की इसी नाव पर सवार होकर भाजपा ने 2014 में केंद्र की सत्ता संभाली। बहुसंख्यकवाद की राजनीति कर देश के बहुसंख्यक हिन्दुओं को यह जताने का प्रयास किया कि मोदी सरकार हिन्दू हितों का सम्मान व ध्यान रखने वाली एक ऐसी सरकार है जिसमें अब मुस्लिम तुष्टीकरण की कोई गुंजाइश नहीं है। केंद्र की मोदी सरकार का ऐसा ही एक निर्णय था जनवरी 2018 में मुसलमानों को हज यात्रा के लिए दी जाने वाली सब्सिडी ख़त्म करने का फ़ैसला लिया जाना। हालांकि सरकार द्वारा हज के अतिरिक्त दूसरी धार्मिक यात्राओं जैसे कैलाश मानसरोवर व ननकाना साहिब गुरुद्वारा की यात्रा के लिए भी सरकार की ओर से सब्सिडी दी जाती रही है। जबकि मुसलमानों की ओर से किसी भी नेता, दल अथवा संगठन ने हज यात्रा के लिये सब्सिडी दिये जाने की मांग कभी नहीं की। बल्कि ठीक इसके विपरीत मुसलमानों का एक बड़ा तबक़ा, अनेक मुस्लिम धार्मिक संस्थाएं तथा मुस्लिम हितों की बात करने वाले असदुद्दीन ओवैसी जैसे सांसद भी हज सब्सिडी को ख़त्म करने की मांग करते रहे। इन्हीं हालात में साल 2012 में ही सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र को वर्ष 2022 तक चरणबद्ध तरीक़े से हज सब्सिडी ख़त्म करने का निर्देश भी दिया था। परन्तु मोदी सरकार ने 2018 में ही हज सब्सिडी समाप्त कर इसे मुस्लिम अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण समाप्त करने के अपने एजेंडे के रूप में दर्शाया। उस समय सरकार की ओर से यह भी बताया गया कि हज सब्सिडी समाप्त करने के सरकार के फ़ैसले से 700 करोड़ रुपये बचेंगे और ये पैसे अल्पसंख्यकों की शिक्षा विशेषकर मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा पर ख़र्च किये जायेंगे।

इसी तरह देश में रमज़ान महीने में नेताओं द्वारा इफ़्तार पार्टी दिये जाने की काफ़ी पुरानी परंपरा है। देश में हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई भाईचारे तहत यह सिलसिला प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बंटवारे के कुछ समय बाद ही शुरू किया था। उस समय कांग्रेस के तत्कालीन पार्टी कार्यालय 7 जंतर मंतर पर पंडित नेहरू इफ़्तार पार्टी दिया करते थे। हालांकि 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद इफ़्तार पार्टी का यह सिलसिला कुछ वर्षों तक थम गया था । परन्तु 1971 के भारत-पाकिस्तान-बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तान की ऐतिहासिक पराजय के पश्चात् तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1972 में दिल्ली में एक बहुत बड़ा ईद मिलन समारोह आयोजित किया था। इसमें जयप्रकाश नारायण सहित पूरे देश के पक्ष विपक्ष के अनेक बड़े नेता व राजदूत शरीक हुए थे। इंदिरा गाँधी के शासनकाल में इफ़्तार पार्टी ही नहीं बल्कि होली-दीवाली मिलन, गुरु पर्व मिलन, क्रिसमस मिलन भी आयोजित होता रहा। देश में साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने ग़रज़ से पूरे राष्ट्रपति भवन व प्रधानमंत्री निवास से लेकर देश के अनेक केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री के आवास व अनेक पार्टी मुख्यालयों पर इफ़्तार पार्टियां हुआ करती थीं। परन्तु 25 जुलाई, 2017 को जब रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली उसी समय उन्होंने यह निर्णय लिया कि -राष्ट्रपति भवन एक सार्वजनिक इमारत है, यहां सरकार या कर दाताओं के पैसों से किसी भी धार्मिक त्योहार का आयोजन नहीं होगा। और राष्ट्रपति के इस फ़ैसले के साथ ही राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता के बाद से चली आ रही इफ़्तार पार्टी की परंपरा समाप्त हो गयी। इससे पूर्व 2017 में ही राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के कार्यकाल में क्रिसमस पर होने वाली कैरोल सिंगिंग का आयोजन भी रद्द कर दिया गया था। इसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री निवास में न तो कभी इफ़्तार पार्टी की मेज़बानी की और न ही किसी इफ़्तार पार्टी में शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी को देखकर उनकी पार्टी के अनेक नेता, मंत्री मुख्यमंत्रियों ने इफ़्तार पार्टियों से दूरी बनाना शुरू कर दिया। इन सब बातों का एक ही सन्देश था कि भाजपा मुस्लिम तुष्टीकरण का कोई काम नहीं करती ।

परन्तु पिछली सरकारों पर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाने वाली भाजपा सरकार तथा भाजपा के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा मुसलमानों के संदर्भ में किये जाने वाले कई फ़ैसले आश्चर्यचकित करने वाले हैं। इसमें स्कूल ड्रॉप-आउट बच्चों को ब्रिज कोर्स करवा कर मेनस्ट्रीम एजुकेशन में लाया जाना, मदरसों को मुख्यधारा में लाने के लिए वहां हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित और विज्ञान की शिक्षा दिया जाना, अल्पसंख्यक वर्ग के पांच करोड़ छात्रों को अगले पांच साल में छात्रवृत्तियां दिये जाने की घोषणा करना तथा अल्पसंख्यकों के शैक्षिक संस्थानों में आधारभूत संरचना को मज़बूत किये जाने जैसी घोषणायें महत्वपूर्ण हैं। इनके अतिरिक्त सामुदायिक भवन इत्यादि खोलने के लिए शत प्रतिशत फ़ंडिंग की व्यवस्था किए जाने की भी सरकार की योजना है। सरकार द्वारा हज के कोटे में भी वृद्धि गयी है।

इसी तरह रोज़ा इफ़्तार को मुस्लिम तुष्टीकरण बताने वाले लोगों विशेषकर आर एस एस द्वारा इन दिनों चल रहे रमज़ान के दिनों में देश के इतिहास में पहली बार इफ़्तार पा की कई छोटी बड़ी दावतें देने की घोषणा की गयी है।

जानकारों का मानना है कि मुसलामानों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए संघ ने यह योजना बनाई है।

है फैलाना पंख !

फतह अभी है बाकी ।
बढ़ रही है भूख ।।
करना अब उपयोग ।
थोड़ा जो रसूख ।।
है फैलाना पंख ।
उड़ने की अब बारी ।।
कदम है बढ़ाया ।
आगे की तैयारी ।।
दौड़-भाग का खेल ।
लंबा चलने वाला ।।
है हमने अब ठान लिया ।
करने को उजाला ।।
कर ली है प्रतिज्ञा ।
है लाना बदलाव ।।
दवा हम लगाएंगे ।
जो बना है घाव ।।

कृष्णेन्द्र राय

शार्ट न्यूज

गोरखनाथ मंदिर पर हमले के आरोपी मुर्तज़ा से लखनऊ में होगी आज पूछताछ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर के सुरक्षाकर्मियों पर कातिलाना हमला करने के आरोपी मुर्तजा अब्बासी को आतंक निरोधक दस्ता (एटीएस) पूछताछ के लिये बुधवार को लखनऊ लेकर आया है। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में हुए इस हमले को आतंकी गतिविधि मानने की आशंका के मद्देनजर एटीएस इसके मुख्य आरोपी मुर्तजा से हर एंगिल से पूछताछ करने के मकसद से लखनऊ लायी है। गौरतलब है कि योगी गोरखनाथ मंदिर के महंत भी हैं। सूत्रों ने बताया कि सुबह लगभग 10ः30 बजे मुर्तजा को लखनऊ स्थित एटीएस के मुख्यालय लाया गया। जहां उससे आज इस हमले के तार कहां कहां से जुड़े होने के बारे में पूछताछ की जायेगी। गत रविवार को हुए इस हमले के बाद पुलिस ने मुर्तजा को गोरखपुर की अदालत में पेश किया था। अदालत ने उसे पुलिस रिमांड पर रखने की अनुमति दी है। एटीएस और उप्र पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) को योगी ने इस हमले की जांच करने की संयुक्त जिम्मेदारी सौंपी थी। फिलहाल एटीएस मुर्तजा के विभिन्न ठिकानों पर उसे ले जाकर उससे पूछताछ कर रही है। एटीएस को ही अब इस मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है।

बस्ती के उपायुक्त, बिक्री कर चार दिन की ट्रांजिट रिमांड पर महाराष्ट्र पुलिस के सुपुर्द

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में तैनात उपायुक्त (बिक्री कर) आशुतोष मिश्रा को महाराष्ट्र पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को गिरफ्तार किया है। स्थानीय पुलिस की ओर से जारी बयान के अनुसार मिश्रा को महाराष्ट्र पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम और थाना कोतवाली के सहयोग से गिरफ्तार कर बस्ती की सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। महाराष्ट्र पुलिस ने अदालत से मिश्रा को एक गंभीर मामले में महाराष्ट्र स्थित न्यायालय में पेश करने के लिये चार दिन की ट्रांजिट रिमांड पर सौंपे जाने की मांग की थी। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मिश्रा को 4 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर महाराष्ट्र पुलिस को सौंपने का आदेश दिया है। पुलिस के बयान में उक्त गंभीर मामले का खुलासा नहीं किया गया है।

गाजीपुर में माहौल बिगाड़ने की कोशिश, राम कलश यात्रा में शामिल युवक मस्जिद में घुसे, छत पर चढ़कर भगवा झंडा लहराया

गाजीपुर। गाजीपुर में सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश का मामला सामने आया है। यहां रामकलश शोभायात्रा के दौरान कई युवक मस्जिद में घुस गए। एक युवक मस्जिद की छत पर चढ़ कर भगवा झंडा लहराने लगा। इस दौरान जय श्री राम के नारे भी लगाए गए। मस्जिद के अंदर घुसकर युवकों ने डांस भी किया। इसका वीडियो सामने आने पर पुलिस हरकत में आई और रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। मामला यहां के गहमर का है। यहां दो अप्रैल को हिंदू नववर्ष और नवरात्रि के मौके पर रामकलश यात्रा निकाली जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में दक्षिणी जामा मस्जिद कुबेर राय के पास यह यात्रा रुक गई। यात्रा में शामिल कुछ युवक मस्जिद में घुस गए। एक युवक मस्जिद के ऊपर चढ़कर भगवा झंडा लहराते हुए डांस करने लगा। इस दौरान जयश्रीराम के नारे भी लगाए गए। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने पूरे मामले का संज्ञान लिया और मंगलवार रात अज्ञात लोगों के खिलाफ माहौल खराब करने के आरोप में केस दर्ज कर लिया है। एसपी राम बदन सिंह ने बताया कि वीडियो के लोकेशन की पुष्टि की गई है। जानकारी करने पर ये बात सामने आई कि वीडियो गहमर गांव का है। इस वीडियो के संबंध में कोई शिकायत न मिलने पर गहमर के एसओ ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। वीडियो के आधार पर घटना में शामिल लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। वहीं, सपा के पूर्व मंत्री और जमानिया विधायक ओम प्रकाश सिंह और अन्य लोगों ने बैठक की और मामले को बेहद गंभीर बताया। बैठक में मुहम्मदाबाद विधायक सुहैब अंसारी भी मौजूद रहे। सपा नेताओं ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है।

एकतरफा कार्रवाई से आहत था युवक, थाने के सामने खुद को मार ली गोली

बदायूं। यूपी के बदायूं में एक युवक ने पुलिस की कार्रवाई से परेशान होकर युवक ने आत्महत्या कर ली। युवक ने इस घटना को अंजाम थाने के सामने दिया। एकतरफ कार्रवाई से आहत युवक थाने के सामने पहुंचा और खुद को गोली से उड़ा लिया। गोली की आवाज सुनते ही थाने के पुलिसकर्मी बाहर आए तो उन्हें खून से लथपथ युवक पड़ा मिला। जब तक उसे अस्पताल ले जाया जाता था तब तक उसने दम तोड़ दिया। जिले के अलापुर थाने के सामने वार्ड संख्या तीन के रहने वाले सुमित गुप्ता का पिछले दिनों कस्बे के ही दबंग किस्म के लोगों से झगड़ा हो गया था। दोनों ओर से थाने में रिपोर्ट लिखाई गई थी, लेकिन पुलिस एक तरफा कार्रवाई पर ही आमादा थी। परिवार वालों का आरोप था कि पुलिस को तहरीर देने के बाद भी उसने कोई कार्रवाई नहीं की गई। बुधवार को सुमित पुलिस की एक तरफा कार्रवाई से परेशान होकर थाने के सामने पहुंच गया। देखते ही देखते सुमित ने तमंचा निकालकर खुद को मार लिया। गोली की आवाज आते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में थाने से पुलिसकर्मी और क्षेत्र के अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए। खून से सने मिले युवक को देखकर सनसनी फैल गई। पुलिसकर्मियों ने उसे अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिवार वालों ने पुलिसकर्मियों पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर कार ने बाइक को मारी टक्कर, मां-बेटी की मौत

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर मथुरा के पास एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार मां-बेटी की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मंगलवार की रात करीब 12:30 बजे बुलंदशहर के वैर कस्बा निवासी अरुण कुमार अपनी पत्नी कुसुम और बेटी कुमकुम के साथ मोटरसाइकिल से नोएडा से आगरा जा रहे थे। सूत्रों ने बताया कि रास्ते में एक तेज रफ्तार कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में कुसुम और कुमकुम की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल अरुण को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस मामले में आवश्यक कार्यवाही की है।

मुजफ्फरनगर में कुट्टू का आटा खाकर एक ही परिवार के 7 लोग बीमार, मिलावट की आशंका

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फनगर में कुट्टू का आटा खाकर एक ही परिवार के सात लोग बीमार पड़ गए। आशंका है कि कुट्टू का आटा मिलावटी था। परिवार के लोग नवरात्रि का व्रत थे। कुट्टू के आटे को नवरात्रि व्रत रखने वालों के लिए सुपरफूड कहा जाता है। अधिकारियों ने बताया कि गढ़ीपुख्ता थाना क्षेत्र के भैंसवाल गांव में यह घटना हुई है। परिवार के लोगों ने मंगलवार की रात कुट्ट का मिलावटी आटा खाया था। बीमार पड़ने के बाद उन्हें आनन-फानन में नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि परिवार के लोगों ने दिन भर व्रत रहने के बाद रात को कुट्टू के आटे से बना भोजन किया था। कुछ देर बाद ही उन्हें पेट में दर्द शुरू हो गया और वे उल्टी करने लगे। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

बकाया भुगतान न होने से हमीरपुर की सहकारी समितियां बंद होने की कगार पर

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में प्रान्तीय सहकारी संघ (पीसीएफ) का करीब पांच करोड़ रुपये का सात साल से पड़ा बकाया भुगतान न होने के कारण जिले की सहकारी समितियां बंद होने की कगार पर आ गयी हैं।

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को पीसीएफ का यह भुगतान करना था। बीते सात सालों में भुगतान के लिये पीसीएफ ने कई बार एफसीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक बांदा को पत्र लिखा, मगर कोई सुनवाई नहीं हुयी। पीसीएफ के जिला प्रबंधक दिनेश कुशवाहा ने बुधवार को बताया कि सहकारी संघ, शासन से ब्याज पर पैसा लेकर गेहूं की खरीद करता है, क्योंकि सहकारी समितियों के ही सर्वाधिक क्रय केंद्र जिले में स्थापित होते है। शासन से जो बजट मिलता है उसी से बोरे, परिवहन व अन्य व्यवस्थाएं की जाती हैं। इससे जो लाभांश प्राप्त होता है, उसी से सहकारी समितियों के कर्मियों को वेतन दिया जाता है।

कुशवाहा ने बताया कि एफसीआई ने जिले के पीसीएफ का वर्ष 2014-15 का 14,26,866 रुपये परिवहन बिल का भुगतान नहीं किया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2016-17 के मंडी शुल्क का 11,90,646 रुपये, वित्तीय वर्ष 2021-22 का परिवहन बिल 9,49,219 रुपये और समितियों का कमीशन 7,80,934 रुपये का भुगतान अभी तक नही किया गया है।

उन्होंने बताया कि इन सभी मदों में पीसीएफ का अब तक का 4,96,75,145 रुपये का भुगतान न करने से विभाग की हालत दिनों दिन खराब होती जा रही है। पिछले साल हमीरपुर के जिलाधिकारी ने एफसीआई पर शिकंजा कस कर थोड़ा बहुत भुगतान करा दिया था।

कुशवाहा ने बताया कि इसके बाद से एफसीआई के बांदा के प्रबंधक को एक साल में कई बार पत्र लिखा जा चुका है, मगर इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सहकारिता के सहायक आयुक्त रामसागर चौरसिया ने बताया कि जिले मे वैसे भी सहकारी समितियों की हालत बेहद खस्ता है, क्योंकि सहकारी समितियों को उनके द्वारा किये गये व्यवसाय पर ही वेतन व अन्य सुविधायें दी जाती हैं।

चौरसिया ने कहा कि साल में गेहूं की खरीद करने पर सहकारिता को लाभांश मिलने का ज्यादा भरोसा रहता है मगर एफसीआई से कोई आर्थिक सहयोग न मिलने से सहकारिता का ढांचा गड़बड़ाता जा रहा है। पीसीएफ हमीरपुर का कहना है कि केंद्र सरकार से एफसीआई को समय से बजट भुगतान के लिये मिल जाता है। इसके बावजूद समितियों का बकाया भुगतान नहीं हो पा रहा है।

भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज मुदिया का कहना है कि विभाग में उन्होंने अभी कार्यभार संभाला है इसलिये वह इस बारे में तफ्तीश किये बिना कुछ नहीं बोल सकते हैं। मुदिया ने कहा कि इसकी शीघ्र ही समीक्षा की जायेगी और इसके आधार पर जो भी आर्थिक सहयोग संभव होगा, उसे किया जायेगा।

ध्वजारोहण कर सीएम योगी ने किया उप्र में भाजपा के स्थापना दिवस समारोह का आगाज

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 42वें स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को उत्तर प्रदेश में लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर धूमधाम से समारोह का आगाज किया गया।

राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश कार्यालय में ध्वजारोहण कर एक पखवाड़े तक चलने वाले आयोजन की शुरुआत की। सुबह नौ बजे आयोजित समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और योगी सरकार में दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक तथा संगठन मंत्री सुनील बंसल सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

इस अवसर पर योगी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की यात्रा देश और दुनिया के विश्लेष्कों के लिए कौतूहल का विषय है।

उन्होंने भाजपा के राष्ट्रवाद की विचारधारा का जिक्र करते हुए कहा कि इसका सबसे बड़ा उदाहरण डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे जिन्होंने कश्मीर के लिए बलिदान दिया था। योगी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के समाजसेवा और जनकल्याण के संकल्प का ही नतीजा है कि सदी की सबसे बड़ी महामारी के दौरान 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने का काम मोदी सरकार ने किया है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि समर्पण और देशभक्ति का भाव ही भाजपा की विशिष्टता है जो किसी दूसरे दल में देखने को नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि इस विशिष्टता के कारण ही भाजपा दुनिया का सबसे मजबूत संगठनात्मक इकाई के रुप में उभरा है।

भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रदेश भर में पार्टी कार्यकर्ताओं के घर पर भाजपा का ध्वज फहराया जा रहा है। साथ ही सभी ब्लॉक में पार्टी कार्यकर्ता पदयात्रायें निकाल रहे हैं। इसके साथ ही देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का डिजिटल माध्यम से संबोधन भी सुना। इधर प्रदेश कार्यालय में योगी और उनकी सरकार के मंत्रियों तथा भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी प्रधानमंत्री मोदी के सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुए संबोधन को सुना।

स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी की ओर से 07 से 20 अप्रैल तक पूरे देश में 'सामाजिक न्याय पखवाड़ा' मनाने का निर्णय किया गया है। इसका मकसद निर्धन, वंचित, शोषित, दलित व पिछड़े वर्ग के सशक्तिकरण हेतु भाजपा की प्रतिबद्धता को प्रकट कर पार्टी को नई ऊर्जा प्रदान करना है।

गोरखपुर में मुर्तजा के आतंक के बाद अब बरेली में हैंड ग्रेनेड मिलने से हड़कंप

एजेंसी

बरेली। उत्तर प्रदेश में बुधवार को एक बार फिर पुलिस, एटीएस, एसटीएफ और तमाम खुफिया एजेंसियां हाई अलर्ट मोड में आ गईं। रविवार की देर शाम जहां गोरखपुर में मुर्तजा ने पीएसी जवानों पर हमला करके आतंक फैलाने की कोशिश की थी वहीं बुधवार को बरेली में हाईवे के किनारे हैंड ग्रेनेड मिलने से हड़कंप मच गया है। नाले की खुदाई के दौरान मिले इस हैंड ग्रेनेड पर सबसे पहले एक मजदूर की नज़र पड़ी। उसकी सूचना पर मौके पर जिले के तमाम बड़े अफसर थोड़ी ही देर में पहुंच गए। बम स्क्वायड को भी मौके पर बुला लिया गया। आनन-फानन में पूरे इलाके की घेराबंदी कर पुलिस जांच में जुट गई। बरेली के सुभाष नगर थाना क्षेत्र के कारगेना इलाके में यह हैंडग्रेनेड मिला है। शहर के पॉश इलाके में शुमार इस इलाके में बदायूं रोड हाईवे पर करगैना चौकी के पास नाले की खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान जेसीबी चलाते समय हैंड ग्रेनेड बाहर आ गया। एक मजदूर की नज़र हैंड ग्रेनेड पर पड़ी। इसके बाद वहां काम रोक दिया गया। मामले की जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए थोड़ी देर में ही मौके पर जिले के तमाम बड़े अधिकारी पहुंच गए। एहतियातन आसपास के ट्रैफिक को भी रोक दिया गया। पुलिस ने बम स्क्वायड को भी मौके पर बुला लिया। एसएसपी रोहित सिंह साजवान ने मामले की जांच का आदेश दिया है। फिलहाल मौके पर पुलिस बल ने घेराबंदी कर दी है ताकि हैंड ग्रेनेड मिलने की जगह पर कोई न पहुंच पाए।

प्रखर महाराज पर कारोबारी की बेटी संग रेप का आरोप, मां की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया केस

कानपुर। कानपुर के किदवई नगर निवासी कारोबारी की पत्नी ने बेटी संग दुष्कर्म के मामले में महामंडलेश्वर प्रखर महाराज के खिलाफ रेप और मानहानि समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 12 फरवरी 2020 को बैराज पर प्रखर महाराज के निर्वाणी अखाड़ा के विशेष कार्यक्रम में उन्हें बुलाया गया था जिसमें वह परिवार के साथ गई थीं। उनके साथ बेंगलुरु से पढ़ाई पूरी करने के बाद बेटी भी गई थी। आरोप है कि प्रखर ने बेटी को बुलाया, इस पर उन्होंने विरोध किया तो लोगों ने कहा कि महाराज उनकी बेटी की तकदीर बदलकर रख देंगे। एक घंटे बाद जब बेटी लौटी तो वे लोग घबरा गए। बेटी ने बिलखते हुए बताया कि प्रखर महाराज ने दीक्षा देने के नाम पर उसके साथ दुष्कर्म किया और किसी से इसके बारे में बताने पर परिवार को मरवाने की धमकी भी दी। महिला का कहना है कि बेटी ने कहा कि वह लोग चले जाएं नहीं तो वह उन्हें भी मरवा देंगे।

यूपी के ग्रामीणों को बड़ा तोहफा देने की तैयारी में योगी सरकार

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में दोबारा सत्ता में आई योगी सरकार ग्रामीणों को बड़ा तोहफा देने की तैयारी में है। इसको लेकर सरकार ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। योगी सरकार के इस फैसले से यूपी के चार लाख से ज्यादा ग्रामीणों को राहत मिलेगी। योगी सरकार की इस योजना के तहत सरकार ग्रामीणों को स्वामित्व योजना के तहत उनके आवास का मालिकाना हक प्रदान करने वाला दस्तावेज घरौनी प्रमाण पत्रमुहैया करवाएगी।

यूपी में चार लाख से अधिक ग्रामीणों को घरौनी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की तैयारी है। जल्द ही (इसी माह) एक भव्य समारोह आयोजित कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों ग्रामीणों को घरौनी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। बीते साल 23 दिसंबर तक प्रदेश में स्वामित्व योजना के तहत 27 लाख 47 हजार ग्रामीणों को घरौनी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जा चुका है। अब इसी क्रम में इस माह चार हजार गांवों के चार लाख से अधिक ग्रामीणों को घरौनी प्रमाण पत्र मुहैया कराए जाने की तैयारी राजस्व बोर्ड कर रहा है। ग्रामीणों को घरौनी दस्तावेज मुहैया कराने के मामले में यूपी देश में सबसे आगे है।

गौरतलब है कि प्रदेश के ग्रामीणों को उनकी आवासीय संपत्ति के दस्तावेज डिजिटल रूप में मिलें, इसके लिए प्रदेश सरकार ने सूबे के करीब एक लाख गांवों की 7.65 करोड़ संपत्तियों का कंप्यूटरीकरण कराने की स्वामित्व योजना तैयार की है। बीते साल 12 अक्टूबर को इस योजना की शुरुआत हुई थी। इसके तहत खेतों की खतौनी की तर्ज पर राजस्व बोर्ड ग्रामीणों की आवासीय संपत्ति के मालिकाना हक का दस्तावेज तैयार करा रहा है। डिजिटल मानचित्र के जरिए राज्य के करीब एक लाख गांवों में ग्रामीण आवासीय अधिकार अभिलेख (घरौनी प्रमाण पत्र) तैयार किया जाना है।

28 साल बाद दर्ज हुआ रेप का मुकदमा, डीएनए टेस्ट से हुई आरोपी की पहचान

घटना के समय पीड़िता 12 साल की थी

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में बलात्कार की एक घटना का 28 साल बाद मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना के समय पीड़िता 12 साल की थी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस द्वारा भेजे गए डीएनए नमूने की मंगलवार को आई रिपोर्ट में आरोपी की पहचान हो गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए टीम बना दी गयी है। पुलिस अधीक्षक (नगर) संजय कुमार ने बुधवार को बताया कि थाना सदर बाजार के एक क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता की घटना के समय उम्र 12 साल थी और मोहल्ले के ही आरोपी हसन तथा उसके छोटे भाई गुड्डू ने किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। पीड़िता का आरोप है कि

दोनों आरोपियों ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया था।

उन्होंने बताया, दुष्कर्म के बाद 13 साल की उम्र में पीड़िता गर्भवती हो गई और 1994 में उसने एक बच्चे को जन्म दिया था। बच्चे को शाहाबाद क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले एक व्यक्ति को दे दिया था और पीड़िता अपने बहनोई के साथ रामपुर चली गई।

कुमार ने बताया कि पीड़िता के बहनोई ने उसकी शादी गाजीपुर निवासी एक व्यक्ति से करा दी, मगर 10 वर्ष बाद जब उसके पति को दुष्कर्म की घटना का पता चला तो उसने अपनी पत्नी (पीड़िता) को तलाक दे दिया जिसके बाद पीड़िता अपने गांव उधमपुर में आकर रहने लगी।

उन्होंने बताया कि पीड़िता के बेटे ने करीब 27 साल बाद अपने माता-पिता के बारे में जानना चाहा तो पालन पोषण करने वाले व्यक्ति ने उसे उसकी मां का नाम बता दिया जिसके बाद बेटे ने अपनी मां से मुलाकात की। कुमार के मुताबिक, महिला ने उसे पूरी बात बतायी और उसके बाद महिला ने शिकायत दी और अदालत के आदेश पर सदर बाजार थाने में दो आरोपियों के विरुद्ध सामूहिक बलात्कार का मामला दर्ज किया गया और आरोपियों तथा महिला एवं उसके बेटे का डीएनए परीक्षण कराया गया।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को रिपोर्ट में आरोपी गुड्डू का डीएनए पीड़िता के बेटे से मिल गया।

उन्होंने बताया कि घटना के 27 वर्ष बाद अदालत के आदेश पर यह मुकदमा दर्ज किया गया है और मामले में साक्ष्य तथा गवाह नहीं थे, इसीलिए डीएनए परीक्षण कराना आवश्यक हो गया था।

कुमार ने बताया कि फिलहाल पुलिस ने आरोपी गुड्डू की गिरफ्तारी के लिए एक टीम का गठन किया है और उसकी तलाश की जा रही है।

अखिलेश की एक और कार्रवाई, भाजपा का समर्थन करने पर चार ब्लॉक प्रमुखों को पार्टी से निकाला

उन्नाव। एमएलसी चुनाव से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक कार्रवाई बड़ी कार्रवाई की है। अखिलेश यादव ने उन्नाव जिले के चार ब्लॉक प्रमुखा को पार्टी से बाहर निकाल दिया है। इससे पहले भी अखिलेश यादव चार लोगों को सपा से निष्कासित किया था, इनमें दो पूर्व विधायक भी शामिल थे। इन सभी लोगों पर लापरवाही का आरोप लगा था। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने बुधवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों के मद्देनजर दो ब्लॉक प्रमुख समेत चार लोगों को पार्टी से निष्कासित कर दिया। लखनऊ उन्नाव सीट से एमएलसी चुनाव को लेकर पार्टी विरोधी गतिविधियों में चारों नेता शामिल बताए जा रहे हैं। पंचायत चुनाव के दौरान ज्ञानेंद्र सिंह ब्लाक प्रमुख औरास और वितेद्र यादव ब्लॉक प्रमुख असोहा चुने गए थे। इसके अलावा गंज मुरादाबाद से विवेक पटेल और बांगरमऊ से अर्जुन दिवाकर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हैं। अभी कुछ दिन पहले यह सभी भाजपा के एमएलसी प्रत्याशी रामचंद्र प्रधान के समर्थन में दिखे थे। चारों पुराने सपा नेता है और लंबे अरसे से सपा में ही राजनीति कर रहे हैं। आपको बता दें कि सपा ने इस सीट पर सुनील सिंह साजन को प्रत्याशी बनाया है। वहीं भाजपा के लोग सपा के नेताओं को अपने खेमे में करने में जुटे हैं। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने चिट्ठी जारी करके बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर चारों के खिलाफ 6 साल तक के निष्कासन की कार्रवाई की गई है।

अयोध्या बनेगी विश्व की आध्यात्मिक राजधानी

उच्च गुणवत्ता के रोजगार सृजन के साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल

लखनऊ- प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि अयोध्या को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के साथ स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त, वॉटर सेक्योर, वॉटर प्लस, सोलर और सुरक्षित सिटी के रूप में विकसित करना है। नई अयोध्या का निर्माण व पुरानी अयोध्या का कायाकल्प कर रामायणकालीन पर्यावरण के अनुकूल ऐसा शहर बनाना है, जो विश्व के लिए मॉडल बने।

मुख्य सचिव ने यह बातें अयोध्या विजन 2047 की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहीं। उन्होंने कहा कि पानी की हर एक बूंद को बचाना प्राथमिकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए ऐसी कार्ययोजना बनायी जाये, जिससे कि पानी की एक-एक बूंद का उपयोग हो, एक बूंद भी व्यर्थ न जाए। अमृत योजना के लक्ष्य के अनुरूप अयोध्या ऐसी मॉडर्न सिटी की रूप में विकसित हो जहां पर वर्षा के जल का संरक्षण हो, सीवेज जल के पुनर्चक्रण की व्यवस्था हो। हर घर नल योजना के तहत सभी घरों में 24म7 नल से शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था हो। अयोध्या की पहचान वॉटर सेक्योर सिटी के रूप में बने।

उन्होंने कहा कि अगले पाँच सालों में अयोध्या को वॉटर सेक्योर सिटी के साथ भारत का सबसे स्वच्छ शहर

बनाना है। इसके लिये स्वच्छता, शुद्ध पेयजल व कूड़ा निस्तारण के लिये अन्य विकसित शहरों के मॉडल का अध्ययन कर प्रभावी प्लान तैयार किया जाये।

उन्होंने कहा कि भविष्य में पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए जल, भूमि के साथ वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए ट्रांसपोर्ट व्यवस्था में व्यापक सुधार की जरूरत है।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट, शेयर ट्रांसपोर्ट समेत प्रदूषण रहित इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाए, जिसके लिए बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएँ और उनके अनुरूप रोड का निर्माण किया जाए।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार अयोध्या को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में विकसित करना चाहती है। ऐसे में आध्यात्म, पर्यटन, कला-संस्कृति, हस्तशिल्प आदि के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कौशल विकास से रोजगार सृजन सरकार की पहली प्राथमिकता में शामिल है। पर्यटन उद्योगों को बढ़ने से स्थानीय स्तर पर उच्च गुणवत्ता के रोजगार सृजन के साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। इसके अतिरिक्त अयोध्या को सेफ सिटी के रूप में भी विकसित करना है।

अयोध्या के निवासियों और वहाँ आने वाले देश एवं विदेश के पर्यटकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाये। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह श्री अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव नगर विकास डॉ0 रजनीश दुबे, प्रमुख सचिव आवास श्री दीपक कुमार, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य श्री आलोक कुमार, प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति श्री मुकेश मेश्राम, प्रमुख सचिव खेलकूद श्रीमती कल्पना अवस्थी सहित सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

छात्रा के एक ट्विट के बाद कार्रवाई, एएमयू में हिंदू देवी-देवताओं के अपमान पर असिस्टेंट प्रोफेसर सस्पेंड

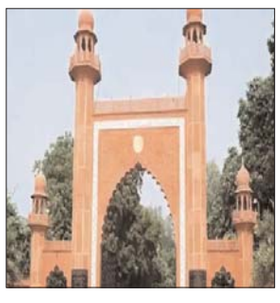

एजेंसी

अलीगढ़। एएमयू के जेएन मेडिकल कॉलेज में फोरेंसिक साइस विभाग में अध्यापन के दौरान हिंदू देवी-देवताओं के बारे में अपमान और आपत्तिजनक स्लाइड के प्रयोग पर हंगामा मच गया। एएमयू इंतजामिया ने बुधवार को जांच समिति की रिपोर्ट के बाद आरोपी असिस्टेंट प्रोफसर को निलंबित कर प्रतिकूल प्रविष्टि भी दी है। उधर, मामले के राजनीतिक रंग लेने पर भाजपा नेता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया गया है।

मामला मेडिकल कॉलेज के फोरेंसिक साइंस डिपार्टमेंट से जुड़ा है। मंगलवार की रात विभाग की एक छात्रा नेअसिस्टेंट प्रोफेसर जितेंद्र कुमार के पढ़ाते समय इस्तेमाल की गई स्लाइड का फोटो ट्विटर पर पोस्ट किया। स्लाइड पर हिंदू देवी देवताओं के बारे में अपमान और आपत्तिजनक बातें लिखी हुईं थी। ट्ववीट में छात्रा ने कहा कि ,दो माह पहले उसने एएमयू से स्नातक किया है। वह एक करदाता भी है। उसका पैसा हिंदुओं के भगवान को अपमानित करने के लिए इस्तेमाल हो रहा है, । छात्रा ने ट्ववीट में एएमयू, पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी समेत कई लोगों को भी टैग किया था।

छात्रा के ट्वीट करने के कुछ समय बाद ही एएमयू और पुलिस महकमे ने इसका संज्ञान लिया। पुलिस ने एएमयू अधिकारियों से संपर्क साधकर छात्रा के ट्वीट का स्क्रीनशॉट भेजा गया। विश्वविद्यालय ने आनन-फानन में दो सदस्यीय जांच टीम गठित कर प्रोफेसर को कारण बताओ नोटिस भेजा गया। नोटिस मिलने के चंद मिनट बाद ही प्रोफेसर ने अपना माफीनामा भेज दिया। बुधवार दोपहर बाद जांच पूरी होने पर कुलसचिव अब्दुल हमीद (आइपीएस) ने आरोपी प्रोफेसर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह मामला विश्वविद्यालय से लेकर सोशल मीडिया पर दिन भर चर्चा का विषय बना रहा।

जांच पूरी होने तक आरोपी रहेगा निलंबित : एएमयू

एएमयू के प्रवक्ता प्रोफेसर शाफे किदवई ने बताया कि सहायक प्रोफेसर जितेंद्र कुमार को मामले की गंभीरता देखते हुए जांच पूरी होने तक सेवा से निलंबित कर दिया है। डॉ. कुमार को जारी कारण बताओ नोटिस के जवाब के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा नेता की तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा

भाजपा नेता डॉक्टर निशित शर्मा की तहरीर पर आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। धार्मिक भावनाओं को भड़काने और किसी धर्म पर टिप्पणी करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। तहरीर में विभागाध्यक्ष को भी दोषी ठहराते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है। मुकदमें में अज्ञात को भी शामिल किया गया है।

आरोपी प्रोफेसर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है: एसपी सिटी

एसपी सिटी कुलदीप गुनावत का कहना है कि, एएमयू के प्रोफेसर मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है। एएमयू की ओर से भी आरोपी को निलंबित कर दिया गया है। जांच उपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शार्ट न्यूज

खाद्य तेलों में टिकाव, गुड़ और मूंग दाल महंगी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में जबरदस्त तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार सोया रिफाइंड की 293 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर शेष अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं गुड़ और मूंग दाल महंगी हो गई। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 118 रिंगिट चढ़कर 6699 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। साथ ही अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.42 सेंट की तेजी लेकर 72.83 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय स्तर पर सोया रिफाइंड 293 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई भाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान गुड़ 50 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि चीनी में टिकाव रहा। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में भी लगभग स्थिरता रही। मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई वहीं चना दाल, चना, अरहर दाल, मसूर दाल और उड़द दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चावल 50 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया वहीं गेहूं के भाव स्थिर रहे।

विश्वबैंक, एआईआईबी गुजरात में स्कूलों के लिए देंगे 7,500 करोड़ रुपये का कर्ज

अहमदाबाद। विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) गुजरात सरकार की उत्कृष्ट स्कूल मिशन परियोजना के लिये 7,500 करोड़ रुपये का कर्ज देंगे। इसका मकसद राज्य में शिक्षा गुणवत्ता में सुधार लाना है। एक अधिकारी ने मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार उत्कृष्ट स्कूल मिशन परियोजना के तहत अगले पांच साल में 10,000 करोड़ रुपये व्यय करेगी। इस परियोजना के दायरे में 35,133 सरकारी और 5,847 सहायता प्राप्त स्कूल आएंगे। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार विश्व बैंक और एआईआईबी ने इस महत्वकांक्षी परियोजना के लिये 7,500 करोड़ रुपये कर्ज को मंजूरी दे दी है। इस कोष का उपयोग 41 हजार सरकारी और अनुदान सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षाओं के लिये 50,000 कमरे, 1.5 लाख स्मार्ट कक्षा, 20,000 नये कम्प्यूटर लैब और 5,000 'टिंकरिंग' लैब के विकास में किया जाएगा।

आधे से ज्यादा नियोक्ता अप्रैल-जून तिमाही में भर्तियां करने के इच्छुक : रिपोर्ट

मुंबई। कोविड-19 महामारी का प्रभाव कम होने और कार्यालयों के दोबारा खुलने से प्रतिभाओं की मांग बढ़ने के बीच 54 प्रतिशत नियोक्ताओं ने मौजूदा तिमाही में भर्तियां करने की मंशा जताई है। वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही के लिए टीमलीज सर्विसेज की तरफ से तैयार 'रोजगार दृष्टिकोण रिपोर्ट' के अनुसार इस तिमाही में नियुक्ति संबंधी गतिविधियों में वृद्धि हो रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही में 54 प्रतिशत नियोक्ताओं ने नियुक्ति करने की इच्छा जताई है जो जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में चार प्रतिशत अधिक है। टीमलीज की सह-संस्थापक एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष ऋतुपर्णा चक्रवर्ती ने कहा, ''कर्मचारियों के फिर से कार्यालयों में लौटने और सकारात्मक आर्थिक वृद्धि अनुमान के साथ सभी क्षेत्रों में प्रतिभाशाली लोगों की मांग बढ़ रही है।'' उन्होंने कहा कि नियुक्ति की मंशा में कुल वृद्धि नरम रह सकती है लेकिन 14 से अधिक क्षेत्रों में दस प्रतिशत से अधिक वृद्धि की उम्मीद है। यह दर्शाता है कि सुस्त या नरम दृष्टिकोण जल्द ही कम हो जाएगा और कार्यबल बढ़ाने की जरुरत बढ़ेगी। यह रिपोर्ट देश के 21 क्षेत्रों में सक्रिय 796 छोटी, मध्यम और बड़ी आकार की कंपनियों के बीच कराए गए सर्वेक्षण पर आधारित है।

कृषि निर्यात 2021-22 में 50 अरब डालर से ऊपर : वाणिज्य विभाग

एजेंसी

नयी दिल्ली। समुद्री और बागवानी उत्पादों सहित देश से कृषि उत्पादों का निर्यात वर्ष 2021-22 में 50 अरब डालर को पार कर गया है जो एक नया कीर्तिमान है।

वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, कृषि निर्यात 2021-22 के दौरान 19.92 प्रतिशत बढ़कर 50.21 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। वर्ष 2020-21 में इस क्षेत्र में 17.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कृषि निर्यात 41.87 अरब डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में भाड़ा ऊंचा होने, कंटेनर की कमी तथा लाजिस्टिक्स के क्षेत्र में अभूतपूर्व चनौतियों के बावजूद निर्यात में यह वृद्धि उल्लेखनीय है। बयान में कहा गया है कि पिछले दो वर्ष से कृषि निर्यात अच्छा चल रहा है और इससे किसानों की आय दो गुना करने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य की ओर बढ़ने में बड़ी मदद मिलेगी।

सरकारी बयान के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष में चावल (9.65 अरब डॉलर), गेहूं (2.19 अरब डॉलर), चीनी (4.6 अरब डॉलर) और अन्य अनाज (1.08 अरब डॉलर) का निर्यात नयी ऊंचाइयों पर रहा। गेहूं के निर्यात में सालाना आधार पर 273 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। 2020-21 में गेहूं का निर्यात 56.8 करोड़ डॉलर के बराबर था।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि इन उत्पादों के निर्यात में वृद्धि से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के किसानों को लाभ हुआ है। मध्य प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र आदि। भारत ने चावल के लिए विश्व बाजार के लगभग 50 प्रतिशत पर कब्जा कर लिया है।

वर्ष के दौरान समुद्री उत्पादों का निर्यात भी रिकार्ड 7.71 अरब डॉलर के बराबर रहा। इससे तटीय राज्यों पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात के किसानों को लाभ हुआ है।

डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के अनुसार मसालों का निर्यात लगातार दूसरे साल बढ़ा और 2021-22 में चार अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारी आपूर्ति पक्ष की चुनौतियों के बावजूद भारत से कॉफी का निर्यात पहली बार एक अरब अमरीकी डालर को पार कर गया है, जिससे कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में कॉफी उत्पादकों की आमदनी में सुधार हुआ है।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि उसके अंतर्गत काम कर रही निर्यात प्रोत्साहन एजेंसियों जैसे एपीडा, एमपीईडीए और विभिन्न कमोडिटी बोर्डों देश से कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। विभाग ने कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों और जिला प्रशासन को शामिल करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं।

वाणिज्य विभाग ने किसानों और एफपीओ को सीधे निर्यात बाजार लिंकेज प्रदान करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं और निर्यातकों तथा उत्पादकों के बीच सम्पर्क बढ़ाने के लिए किसान कनेक्ट पोर्टल स्थापित किया गया है। मंत्रालय का कहना है कि इन प्रयासों के चलते ऐसी जगहों से कृषि उपजों का निर्यात होने लगा है जहां से पहले निर्यात नहीं हो पा रहा था। आज वाराणसी (ताजी सब्जियां, आम), अनंतपुर (केला), नागपुर (नारंगी), लखनऊ (आम), थेनी (केला), सोलापुर (अनार), कृष्णा और चित्तूर (आम) से कृषि और बागवानी उत्पाद दूसरे देशों में पहुंच रहे हैं। अपरंपरागत क्षेत्रों से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अनंतपुर से जेएनपीटी, मुंबई तक केले के परिवहन के लिए रीफर कंटेनरों वाली एक विशेष ट्रेन हैप्पी बनाना%ट्रेन शुरू की गई है।

शेयर बाजार का गिरना जारी, सेंसेक्स 60 हजार अंक से नीचे

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आसमान छूती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए अगले महीने ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी करने की संभावना से हताश निवेशकों की बिकवाली से वैश्विक बाजार में आई गिरावट के दबाव में आज घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरकर बंद हुआ और सेंसेक्स 60 हजार अंक से नीचे उतर गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 566.09 अंक लुढ़ककर 60 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 59610.41 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 149.75 अंक गिरकर 17807.65 अंक पर आ गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत छोटी और मझोली कंपनियों में हुई लिवाली से बाजार का समर्थन मिला। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.41 प्रतिशत चढ़कर 25,175.79 अंक और स्मॉलकैप 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 29,695.94 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई के 10 समूह लाल निशान जबकि शेष नौ समूह के शेयर हरे निशान पर रहे। हेल्थकेयर 0.44, आईटी 1.40, ऑटो 0.33, बैंकिंग 1.04, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.04, रियल्टी 0.28 और टेक समूह के शेयर 1.22 प्रतिशत टूटे। वहीं, यूटिलिटीज समूह सबसे अधिक 1.91 प्रतिशत की तेजी पर रहा।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की गवर्नर लेल ब्रेनार्ड ने कहा कि उन्हें इस साल के अंत में अमेरिकी मौद्रिक नीति को 'अधिक तटस्थ स्थिति' में ले जाने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि करने की उम्मीद है।

इससे हताश निवेशकों की बिकवाली से वैश्विक बाजार में गिरावट आई। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.44, जर्मनी का डैक्स 1.30, जापान का निक्केई 1.58 और हांगकांग का हैंगसैंग 1.87 प्रतिशत उतर गया। हालांकि चीन का शंघाई कंपोजिट 0.02 की मामूली बढ़त बनाने में सफल रहा।

शुरुआती कारोबार में 361 अंक की गिरावट के साथ 59,815.71 पर खुला सेंसेक्स कुछ देर बाद ही लिवाली के बल पर 59,941.57 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

इसके बाद उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए यह कारोबार के अंतिम चरण में 59,509.84 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 60,176.50 अंक के मुकाबले 0.94 प्रतिशत टूटकर 59,610.41 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3512 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2163 में लिवाली जबकि 1250 में बिकवाली हुई वहीं 99 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इसी तरह निफ्टी की शुरुआत भी कमजोर रही और यह 115 अंक गिरकर 17,842.75 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 17,901.00 अंक के उच्चतम जबकि 17,779.85 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 17,957.40 अंक की तुलना में 0.83 प्रतिशत गिरकर 17,807.65 अंक पर रहा। इस दौरान एनएसई में 30 कंपनियों के शेयर लाल जबकि 20 हरे निशान पर रहे।

सेंसेक्स की 20 कंपनियों ने गोता लगाया वहीं 10 में तेजी रही। इस दौरान एचडीएफसी बैंक ने सबसे अधिक 3.51 और एचडीएफसी ने 3.26 प्रतिशत का नुकसान उठाया वहीं एनटीपीसी ने सर्वाधिक 2.61 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

तुलसी की खेती में 15,000 लगाकर तीन महीने में कमा सकते हैं तीन लाख रुपये, जानिए कैसे

झंडु, डाबर, पतंजलि, वैद्यनाथ व हमदर्द जैसी औषधि कंपनियां तुलसी की पत्तियां 7000 रुपये क्विंटल के हिसाब से खरीद लेती हैं. एक एकड़ तुलसी की फसल पैदा करने में 5000 रुपये का खर्च आता है. एक एकड़ तुलसी की फसल से 36,000 रुपये की बचत एक फसल में हो जाती है, जबकि साल में तुलसी की तीन फसल पैदा की जा सकती है.

तुलसी की खेती.

बहुत से किसान आजकल परंपरागत खेती से अलग हटकर औषधीय पौधे की खेती कर रहे हैं. अगर आप भी औषधीय पौधे की खेती कर कम पूंजी से अच्छी कमाई करना चाहते हैं तो आपको तुलसी की खेती करने पर ध्यान देना चाहिए. तुलसी की खेती शुरु करने के लिए आपको बहुत अधिक पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है.

केंद्र सरकार अपने कई स्कीम के जरिए देश में औषधीय पौधे की खेती को बढ़ावा देना चाहती है, आप भी उसका लाभ उठा सकते हैं. आप कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के जरिए भी Tulsi की खेती की शुरुआत कर सकते हैं. आपको Tulsi की खेती के लिए महज 15,000 रुपये खर्च करने की जरूरत है. बुआई के 3 महीने बाद ही तुलसी की फसल औसतन 3 लाख रुपये में बिक जाती है. आयुर्वेदिक दवा मार्केट में मौजूद झंडु, डाबर, वैद्यनाथ, पतंजलि आदि तुलसी की कॉन्ट्रैक्ट पर भी खेती करा रही हैं.

केंद्र सरकार देती है बढ़ावा

केंद्र सरकार इस समय देशभर में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा दे रही है. भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने अगले साल तक 75 लाख घरों में औषधीय पौधों को पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, तुलसी भी उन्हीं पौधों में से एक है.

तुलसी की खेती कैसे करें?

एक एकड़ खेत में तुलसी की खेती करने के लिए अलग से 600 ग्राम बीज डालकर पौध तैयार की जाती है. तुलसी की पौध तैयार करने का सही समय अप्रैल का पहला सप्ताह है. करीब 15-20 दिन में तुलसी की पौध तैयार हो जाती है. मानसूनी तुलसी की पौध जून-जुलाई में तैयार की जाती है. तुलसी की पौध तैयार होने के बाद नर्सरी से निकालकर खेत में लाइन में रोप दी जाती है.

ग्रोहे-हुरुन इंडिया रियल एस्टेट के अमीरों में डीएलएफ के राजीव सिंह शीर्ष पर

नयी दिल्ली। हुरुन रिपोर्ट इंडिया और ग्रोहे द्वारा बुधवार को जारी भारत के अचल संपत्ति बाजार में काम करने वाले शीर्ष 100 व्यक्तियों की सूची में डीएलएफ के राजीव सिंह शीर्ष पर हैं। इस सूची में मंगल प्रभात लोढा (मैक्रोटेक डेवलपर्स) को दूसरे और राहेजा परिवार को तीसरे स्थान पर रखा गया है। इस सूची में शामिल उद्यमियों की कुल बाजार हैसियत करीब 4.54 लाख करोड़ रुपये है, जो एक साल पहले से 30 प्रतिशत ज्यादा है। 'ग्रोहे-हुरुन इंडिया रियल एस्टेट रिच लिस्ट 2021' के अनुसार डीएलएफ के राजीव सिंह 61,220 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ रियल एस्टेट कारोबार की दुनिया में भारत के सबसे अमीर उद्यमी हैं। वर्ष के दौरान इनकी संपत्ति में 68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। दूसरे स्थान पर मैक्रोटेक डेवलपर्स के मंगल प्रभात लोढा और उनका परिवार की संपत्ति 20 प्रतिशत बढ़कर 52,970 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी है।

चंद्र राहेजा और उनका परिवार 26,290 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सूची में तीसरे स्थान पर है। रियल एस्टेट रिच लिस्ट 2021 में इन शीर्ष 100 उद्यमियों की कुल संपत्ति 4,53,700 करोड़ रुपये बतायी गयी है जोकि वर्ष 2020 की सूची के उद्यमियों की कुल संपत्ति के मुकाबले 30 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2021 की सूची के शीर्ष 10 उद्यमियों की संपत्ति सूची के सभी 100 उद्यमियों की संपत्ति के 59 प्रतिशत के बराबर है। ग्रोहे-हुरुन की इस सूची का यह पांचवां संस्करण है। इस सूची में चौथी सूची के मुकाबले 13 प्रतिशत बदलाव किए गए हैं।इसमें आठ नए उद्यमी शामिल हुए हैं और पांच ऐसे उद्यमी हैं जो पहले इस सूची से बाहर हो गए थे। लेकिन इस बार फिर उन्होंने सूची में स्थान बना लिया है। हैदराबाद के जी अमरेंद्र रेड्डी घराने को नौंवें स्थान पर रखा गया है, वह सूची में शामिल नए धनी उद्यमियों में सबसे अमीर हैं। इस बार की सूची में 12 ऐसे नाम है जिनकी संपत्ति एक अरब अमेरिकी डालर से ऊपर है जबकि पहले संस्करण में एक अरब डालर या उससे ऊपर की हैसियत वाले केवल पांच नाम थे। सूची में मुंबई से सबसे अधिक 30 नए उद्यमी है, नयी दिल्ली और बेंगलुरू ने 23 और 20 नए उद्यमियों के शामिल हैं। सूची में शामिल उद्यमियों की औसत आयु 61 वर्ष है, जिसमें सबसे छोटे उद्यमी की आयु 38 वर्ष और सबसे बड़े उद्यमी 93 वर्ष के हैं। सूची में शीर्ष 10 उद्यमी राजीव सिंह (62) की संपत्ति एक साल में 68 प्रतिशत और पांच साल में 164 प्रतिशत बढ़ी है। मुंबई के लोढा परिवार की संपत्ति में इस दौरान क्रमश: 20 प्रतिशत और 188 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। मुंबई के ही राहेजा परिवार की संपत्ति में पिछले साल शून्य प्रतिशत का बदलाव दिखाया गया है। चौथे स्थान पर बेंगलुरु के वीरवानी का नाम है जिनकी संपत्ति 23,620 करोड़ रुपए है, एक साल में उनकी संपत्ति दो प्रतिशत और पांच साल में 41 प्रतिशत बढ़ी है। पांचवें स्थान पर मुंबई की ओबरॉय रियल्टी के विकास ओबरॉय है जिनकी संपत्ति सालाना आधार पर 44 प्रतिशत बढ़कर 22,780 करोड़ रुपये के बराबर है। पांच साल में ओबरॉय की संपत्ति 112 प्रतिशत बढ़ी है। मुंबई के ही हिरानंदानी कम्यूनिटीज के निरंजन हिरानंदानी(72) 22,250 करोड़ की संपत्ति के साथ छठे स्थान पर हैं। उनकी संपत्ति में वर्ष के दौरान आठ प्रतिशत की वृद्धि हुयी जबकि पांच साल में उनकी संपत्ति 564 प्रतिशत बढ़ी है। गुरुग्राम के एम3एम इंडिया समूह के बसंत बंसल और उनके परिवार की संपत्ति एक साल में 75 प्रतिशत बढ़कर 17,250 करोड़ रुपये हो गयी है और उन्हें सातवें स्थान पर रखा गया है। आठवें स्थान पर बेंगलुरु के राजा बागमाने की संपत्ति सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 16,730 करोड़ रुपए दर्शायी गयी है। सूची में पहली बार शामिल हुए हैदराबाद के जीएआर कॉरपोरेशन के जी अमरेंद्र रेड्डी और उनका परिवार को नौवें स्थान पर रखा गया है और उनकी संपत्ति 15,000 करोड़ रुपये बतायी गयी है। दसवें स्थान पर मुंबई के रुनवाल डेवलपर्स के सुभाष रुनवाल परिवार की संपत्ति 11,400 करोड़ रुपए है।

70 प्रतिशत तक चढ़ गए शुगर कंपनियों के शेयर, एक्सपर्ट बोले- यह है वजह

नई दिल्ली। शुगर कंपनियों के शेयर इन दिनों अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दे रहे हैं। द्वारिकेश शुगर के शेयरों में आज (बुधवार) 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी है और कंपनी के शेयरों ने पिछले एक महीने में 45 फीसदी के करीब रिटर्न दिया है। वहीं, उगर शुगर वर्क्स के शेयरों में बुधवार को करीब 4 फीसदी की तेजी आई है और पिछले 1 महीने में शुगर कंपनी के शेयर करीब 70 फीसदी चढ़े हैं। धामपुर शुगर मिल्स के शेयरों में पिछले एक महीने में करीब 39 फीसदी का उछाल आया है। वहीं, त्रिवेणी इंजीनियरिंग और डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले 1 महीने में क्रमश: 23 फीसदी और 27 फीसदी की तेजी आई है।

इन 2 वजहों से शुगर स्टॉक्स में आ रही तेजी

स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कमोडिटी की बढ़ती कीमतों और सरकार की एथनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसी के कारण शुगर स्टॉक्स में तेज उछाल आ रहा है। उनका कहना है कि क्रूड ऑयल और दूसरी कमोडिटी की बढ़ती कीमतों के कारण सरकार डीजल और पेट्रोल में एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाने पर फोकस कर रही है। डीजल और पेट्रोल में मौजूदा एथनॉल ब्लेंडिंग 7-8 फीसदी है, जिसे बढ़ाकर करीब 20 फीसदी करने का विचार है। हालांकि, एथनॉल की घरेलू सप्लाई इस मांग को पूरा नहीं कर पाएगी। ऐसे में इन दिनों शुगर मिलों का एथनॉल ब्लेंडिंग बिजनेस बढ़ रहा है।

इसके अलावा, कमोडिटी की बढ़ती कीमतों से शुगर प्राइसेज में भी उछाल आया है। ऐसे में शुगर कंपनियों को मौजूदा मार्केट स्ट्रक्चर का दोहरा फायदा हो रहा है। स्क्रू ग्लोबल सिक्योरिटीज में वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च) सौरभ जैन का कहना है, क्रूड ऑयल की बढ़ती हुई कीमतों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने एथनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसी की घोषणा की है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में हुयी वृद्धि

नयी दिल्ली। देश में पिछले 16 दिन में 14वीं बार पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि हुयी है। इस दौरान पेट्रोल-डीजल के दामों में तकरीबन 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है। तेल विपणन करने वाली कंपनियों ने बुधवार को इन दोनों ईंधन के दामों में फिर से बढ़ोतरी की।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल-डीजल के दामों में 80-80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की गयी। इस वृद्धि के बाद दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल के 96.67 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

वहीं, मुंबई में आज हुयी 84 पैसे की वृद्धि के बाद पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 85 पैसे से बढ़कर 104.77 रुपये प्रति लीटर पर है।

रूस के यूक्रेन पर हमला करने के कारण वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने की आशंका में इनकी कीमतों में उछाल आया है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिनों की स्थिरता के बाद 22 मार्च 2022 से बढ़नी शुरू हुई हैं। कंपनियों ने 24 मार्च और 01 अप्रैल को छोड़कर हर दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढाव देखने को मिल रहा है। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.23 प्रतिशत से बढ़कर 106.88 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.01 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 101.97 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम

महानगर.....पेट्रोल.....डीजल (रुपये प्रति लीटर)

दिल्ली.....105.41.....96.67
कोलकाता.....115.12.....99.83
मुंबई.....120.51.....104.77
चेन्नई.....110.85.....100.94

मुकेश अंबानी की कंपनी में फ्यूचर रिटेल के विलय डील पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर के समक्ष मध्यस्थता की कार्यवाही फिर से शुरू करने का आदेश दिया। फ्यूचर रिटेल के रिलायंस रिटेल लिमिटेड में अधिग्रहण को लेकर 24,500 करोड़ रुपये की डील पर सहमति दी गई थी। हालांकि, बाद में बीच में फ्यूचर समूह के साझेदार अमेजन ने अनुबंधों के उल्लंघन का हवाला देकर अदालत का दरवाजा खटखटाया जिसके चलते डील पूरी नहीं हो पाई और मामला पेचीदा होते चला गया।

मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने एसआईएसी के समक्ष मध्यस्थता की कार्यवाही फिर से शुरू करने पर अमेरिकी ई-कॉमर्स प्रमुख अमेजन और फ्यूचर समूह की सहमति पर ध्यान दिया।

क्या कहा गया

पीठ ने कहा कि सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर ट्रिब्यूनल मध्यस्थता

और सुलह अधिनियम के प्रावधान के तहत दायर स्नक्रूकी याचिका पर एक उचित आदेश पारित करेगा। बता दें कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ड ने फ्यूचर ग्रुप और अमेजन को संयुक्त रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय से अनुरोध करने के लिए कहा था कि वह पहले अमेजन की प्रवर्तन याचिकाओं पर सुनवाई करे, जो एफआरएल की संपत्ति के संरक्षण से भी संबंधित है।

अमेजन ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 5 जनवरी के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसने रिलायंस रिटेल के साथ फ्यूचर रिटेल के विलय सौदे पर मध्यस्थ न्यायाधिकरण के समक्ष कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

अनिल अंबानी की दिवालिया कंपनी ने खरीदारों की लिस्ट का किया खुलासा, इन नामों के आते ही शेयर बने रॉकेट

नई दिल्ली। अनिल अंबानी की दिवालिया कंपनी रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के खरीदारों की लिस्ट जारी हो गई है। रिलायंस कैपिटल ने शेयर बाजार को आवेदकों की लिस्ट सौंपी है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के लिए कुल 55 कंपनियों ने बोली लगाई है। वहीं, 22 कंपनियों ने रिलायंस कैपिटल के साथ-साथ बिजनेस क्लस्टर के लिए भी बोली लगाई है।

बता दें कि स्टॉक एक्सचेंज ने 4 अप्रैल देर शाम को इसकी जानकारी दी है, जिसके बाद 5 और 6 अप्रैल को कंपनी के शेयर अपर सर्किट में फंसा रहा। आज बुधवार को रिलायंस कैपिटल के शेयर 4.95 प्रतिशत की तेजी के साथ 20.15 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले पांच ट्रेडिंग सेशंस में रिलायंस कैपिटल के शेयरों में 25.16 प्रतिशत की तेजी देखी गई है।

ये हैं संभावित आवेदक

नागेश्वर राव वाई द्वारा जारी सूची के अनुसार, पिरामल ग्रुप, यस बैंक, ज्यूरिख इंश्योरेंस कंपनी, इंडसइंड

इंटरनेशनल होल्डिंग्स, जिंदल पावर, डार्विन प्लेटफॉर्म ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन अजय हरिनाथ सिंह के नेतृत्व में एक कंसोर्टियम कुछ संभावित समाधान आवेदन हैं। बता दें कि आरबीआई ने निदेशक मंडल भंग करने के बाद नागेश्वर राव वाई को रिलायंस कैपिटल का प्रशासक नियुक्त किया था।

पीईएल फिनहोल्ड के साथ पिरामल कंसोर्टियम प्रमुख भागीदार है और इंडिया रिसर्जेंस फंड ने रिलायंस कैपिटल के लिए समग्र रूप से और साथ ही साथ व्यावसायिक क्लस्टर के लिए बोली लगाई है।

पिरामल ग्रुप ने पहले भी दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के लिए बोली लगाई थी और उसका अधिग्रहण भी किया था।

क्लस्टर 1 और 2 के लिए 22 कंपनियों ने बोली लगाई

सभी 22 कंपनियों ने दोनों विकल्पों के लिए बोली लगाई है जबकि अन्य ने केवल चुनिंदा कारोबार समूहों के लिए बोली लगाई है। अन्य संभावित समाधान आवेदकों में अडानी फिनसर्व, ऑथम इन्वेस्टमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर, बंधन फाइनेंशियल होल्डिंग्स, ब्रुकफील्ड, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस, टोरेंट इन्वेस्टमेंट, टीपीजी एशिया और ट्रूनॉर्थ फंड शामिल हैं।

पांच कंपनियों कॉस्मी फाइनेंशियल होल्डिंग्स, हॉवेन इंटरनेशनल फंड, लिबॉर्ड फाइनेंस, श्री कृष्णा ग्रुप और यश शेयर्स एंड स्टॉक्स की बोलियों को दस्तावेजों के वेरिफिकेशन के बाद आई समस्याओं के चलते संभावित समाधान आवेदकों की सूची में शामिल नहीं किया गया है। ये आगे डाक्युमेंट्स और क्लियरीफिकेशन प्रशासक के आधार पर इन बोलियों का मूल्यांकन करने का विकल्प भी चुन सकता है।

25 मार्च थी बोली लगाने की अंतिम तारीख

एडमिनिस्ट्रेटर ने 18 फरवरी को कंपनी के लिए बोलियां मांगने के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किया था।

ईओआई जमा करने का अंतिम दिन 25 मार्च था। पहले, समय सीमा 11 मार्च तय की गई थी, लेकिन इसे दो सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया था क्योंकि कुछ संभावित बोलीदाताओं ने ईओआई जमा करने के लिए और समय मांगा था।

शार्ट न्यूज

महिला एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैचों के लिए भुवनेश्वर पहुंची नीदरलैंड की टीम

भुवनेश्वर। नीदरलैंड महिला हॉकी टीम भारत के खिलाफ 2021-22 महिला एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैचों के लिए बुधवार को ओडिशा के भुवनेश्वर पहुंच गई, जो आठ और नौ अप्रैल को प्रतिष्ठित कलिंग हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। यिब्बी जानसेन की अगुवाई वाली नीदरलैंड की टीम ने कलिंग स्टेडियम में भारत के खिलाफ खेलने पर खुशी जाहिर की है। जानसेन ने एक बयान में कहा, हम यहां भारत में आने के लिए बहुत उत्साहित हैं। हम इस खास अनुभव के लिए तैयार हैं। हमारा प्यार भरे तरीके से स्वागत किया गया। नीदरलैंड के कोच जोस्ट बिटरलिंग ने इस बारे में कहा, हम सच में यहां खेलने के लिए उत्सुक हैं, खासकर इस टीम के साथ। उम्मीद है कि हम प्रशंसकों और इसमें शामिल सभी लोगों के लिए दो अच्छे मैच खेलेंगे। दुनिया की नंबर एक महिला हॉकी टीम नीदरलेंड फिलहाल 2021-22 महिला एफआईएच हॉकी प्रो लीग के पूल टेबल छह मैचों में 17 अंकों के साथ शीर्ष पर है। उसने अब तक पांच सीधी जीत और एक मैच पेनल्टी शूटआउट में जीता है। कसान जानसेन ने प्रो लीग में टीम के अब तक प्रदर्शन के बारे में कहा, हम सभी विभिन्न देशों के खिलाफ इन सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों को खेलकर बहुत खुश हैं। हमारा प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। हम अपने खेल से खुश हैं। ओलंपिक में खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

आशीष सहित चार भारतीय मुक्केबाज 2022 थाईलैंड ओपन के फाइनल में

फुकेत (थाईलैंड)। भारतीय मुक्केबाज आशीष कुमार ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए बुधवार को यहां तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ 2022 थाईलैंड ओपन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया। मोनिका, गोविंद साहनी और वरिंदर सिंह ने भी अपने-अपने मुकाबले जीत कर फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में 75 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले आशीष ने बुधवार को 81 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में इंडोनेशिश के माइखेल रोबर्ड मुस्तिका पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के पिछले दौर में दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता फिलिपिंस की जोसी गैबुको को हराने वाली 26 वर्षीय मोनिका भी महिला 48 किग्रा के सेमीफाइनल में वियतनाम की अपनी प्रतिद्वंद्वी ट्रान थि डिएम की के खिलाफ मजबूत दिखीं और 5-0 से जीत हासिल की। दूसरी ओर गोविंद को वियतनाम के गुयेन लिन्ह फुंग के खिलाफ जीत के लिए मशक्कत करनी पड़ी। दोनों तरफ से खतरनाक पंचों की बौछार हुई, लेकिन अंत में गोविंद ने 4-1 से मुकाबला जीता। पुरुष 60 किग्रा के सेमीफाइनल में वरिंदर को फिलिस्तान अब्देल रहमान अबुनब के खिलाफ वॉकओवर मिला।

महिलाओं की प्रो पंजा स्टार चेतना शर्मा ने आईआईटी मुम्बई में किया शानदार प्रदर्शन

मुम्बई। प्रो पंजा लीग में 65 किलोग्राम महिला चैम्पियन चेतना शर्मा स्टार ऑफ द नाईट बन गईं, जब पिछले सप्ताह भारत की प्रमुख आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता आईआईटी बॉम्बे के स्पोर्ट्स फेस्ट 'आह्वान' पहुंची। इंजीनियरिंग संस्थान के साथ साझेदारी में, प्रो पंजा लीग, जो भारतीय आर्म रेसलिंग फेडरेशन से सम्बद्ध है, ने फेस्ट में एक अनूठी प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें छात्रों को छह बार नेशनल चैम्पियन रह चुकी चेतना शर्मा के साथ खेलने का मौका मिला। 100 से अधिक छात्रों ने इस प्रतियोगिता में अपना भाग्य आज़माया, जिनमें सचिन सोनागे, लवकुश, आर्यन और मनीष टॉप चार पुरूष प्रतिभागी रही, जिन्हें रु 10,000 का नकद पुरस्कार जीतने के लिए चेतना शर्मा को चैलेंज देने का अवसर मिला। चारों प्रतियोगी मुश्किल से चेतना के सामने टिक पाए और असम की आर्म रेसलर से आसानी से मैच जीत लिया। बाद में उन्हें अल्मास उन्नु सलना ने चुनौती दी, जो महिला प्रतिभागियों में फाइनलिस्ट रहीं, लेकिन उन्हें भी अपने पुरूष साथियों की तरह हार का सामना करना पड़ा।

आईपीएल से चोट के कारण बाहर हुए नाथन कॉल्टर-नाइल

मुम्बई। राजस्थान रॉयल्स के तेज़ गेंदबाज़ी ऑलराउंडर नाथन कॉल्टर-नाइल ऑस्ट्रेलिया वापस लौट गए हैं। उन्हें 29 मार्च को सनराइज़र्स हैदराबाद के ख़िलाफ़ पहले मुक़ाबले में साइड स्ट्रेन की समस्या हुई थी और अब वह स्वदेश लौटकर रिहैब करेंगे। फ्रैंचाइज़ी के ट्विटर अकाउंट से जारी वीडियो में फ़िज़ियो जॉन ग्लॉस्टर ने कहा, दुर्भायवश, मुझे उनको विदाई देने का मुश्किल कार्य मिला है। किसी को खोना हमेशा कठिन होता है, ख़ासकर जब कोई चोटिल हुआ हो। और आपको (कॉल्टर-नाइल) पता है हमने सोचा था इस टूर्नामेंट के ज़रिए आपके साथ बहुत समय बिताने का मौक़ा मिलेगा।दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं होने जा रहा है। हालांकि, आप हमारा बड़ा हिस्सा हो। अगर आपको कुछ भी ज़रूरत पड़े तो हम हमेशा खड़े हैं। हम उम्मीद करते हैं कि जब भी मौक़ा मिलेगा आप हमारे साथ वापस लौटोगे। कॉल्टर-नाइल सनराइज़र्स के ख़िलाफ़ अंतिम ओवर में चोटिल हो गए थे जब फ़ॉलो थ्रू के दौरान उन्हें समस्या हुई। इसके बाद वह गेंदबाज़ी नहीं कर सके थे और मैदान छोड़कर चले गए थे, जिसके बाद उन्हें रॉयल्स के बाक़ी मैचों में बेंच पर बैठना पड़ा था।

लिंडसे वॉन लॉरियस पुरस्कार समारोह की करेंगी मेजबानी

सेविले (स्पेन)। अमेरिका की पूर्व विश्व कप अल्पाइन स्की रेसर लिंडसे वॉन 24 अप्रैल को स्पेन के मनमोहक शहर सेविले में 2022 लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार समारोह की मेजबानी करेंगी। 2000 में पहली बार आयोजित लॉरियस सभी खेलों में व्यक्तियों और टीमों की उपलब्धियों का जश्न मनाता है। विजेताओं का चयन लॉरियस विश्व खेल अकादमी के 71 सदस्यों के वोट द्वारा किया जाता है। कोरोना वायरस महामारी से बने अस्थिर माहौल के कारण विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं की घोषणा वर्चुअल तरीके से की जाएगी। दुनिया के प्रमुख खेल पत्रकारों और प्रसारकों के 1200 से अधिक के पैनल द्वारा चुने गए नामांकित खिलाड़ियों में नीरज चोपड़ा, टॉम ब्रैडी, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की, मैक्स वेरस्टैपेन, एलेन थॉम्पसन-हेरा, एम्मा मैककेन, एम्मा राडुकानु, पेड्रि, सिमो बाइल्स, स्काई ब्राउन, मार्क कैवेंडिश, टॉम डेली, मार्क मार्केज़, डाइडे डी ग्रोट, मार्सेल हग, कैरिसा मूर और मोमीजी निशिया शामिल हैं। इसके अलावा लॉरियस टीम ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए तीन फुटबॉल टीमों को नामांकित किया गया है। इसमें यूरोपीय चैंपियनशिप विजेता इटली, कोपा अमेरिका विजेता अर्जेंटीना और चैंपियंस लीग विजेता बार्सिलोना महिला फुटबॉल टीम शामिल है।

फ़िंच ने एलिस और इंग्लिस के योगदान को सराहा

लाहौर। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ इकलौते टी20 मुक़ाबले में युवा खिलाड़ी नेथन एलिस और जॉश इंग्लिस के योगदान को देखते हुए उनके कप्तान आरोन फ़िंच ने उनकी जमकर तारीफ़ की है। विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अपने टी20 विश्व कप टीम से डेविड वॉर्नर, मिचेल मार्श, स्टीवन स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू वेड, पैट कमिंस, जॉश हेज़लवुड और मिचेल स्टार्क के बिना खेल रहे थे। साथ ही श्रीलंका के विरुद्ध पिछली सीरीज़ में टीम के सदस्य रह चुके केन रिचर्डसन और जाय रिचर्डसन भी दल का हिस्सा नहीं थे। इसके बावजूद टीम ने मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन और बेन ड्वारश्वीस के रूप में तीन डेब्यू देते हुए मेज़बान को तीन विकेट से हराया। बाबर आज़म और मोहम्मद रिज़वान ने मैच के शुरुआती सात ओवर में 63 रन मारे थे और इसके बाद ग्रीन और एलिस ने आपस में 44 रन देकर छह विकेट लेते हुए मैच में ऑस्ट्रेलिया की वापसी कराई थी। एलिस के लिए 28 रन देकर चार विकेट उनके तीन मैच पुराने करियर में सर्वश्रेष्ठ विश्लेषण थे और फ़िंच ने उनके एक बढ़िया भविष्य की उम्मीद जताते हुए कहा, अभ्यास और मैचों के प्रति दृष्टिकोण और कार्य नीति अविश्वसनीय है। उनकी ऊर्जा और उनकी तीव्रता भी अच्छी है और वह नई चीज़ें सीखने को उत्सुक रहते हैं।

बाबर, कमिंस आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामांकित

एजेंसी

दुबई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस और वेस्ट इंडीज के टेस्ट कप्तान क्रेग ब्रेथवेट को मार्च माह के लिए पुरुष श्रेणी में 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

वहीं महिला श्रेणी में इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन, ऑस्ट्रेलिया की राचेल हेन्स और दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट को चुना गया है। दोनों श्रेणियों में खिलाड़ियों को पिछले महीने उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर चयनित किया गया है। विजेताओं की घोषणा अगले हफ्ते की जाएगी।

बाबर की बात करें तो उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में टीम की 2-1 से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने सीरीज में एक शतक और दो शानदार अर्धशतक जड़े थे। वहीं इससे पहले हुई टेस्ट सीरीज में उन्होंने कुल 390 रन बनाए थे। उन्होंने दूसरे टेस्ट में

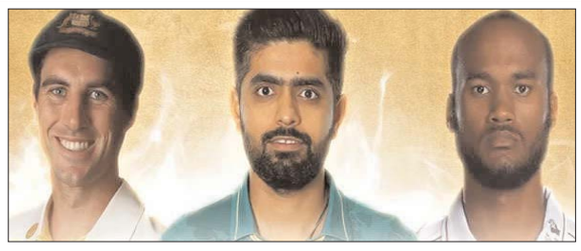

196 रन की रिकॉर्ड पारी खेली थी, जिसकी बदौलत पाकिस्तान मैच ड्रा कराने में कामयाब हुआ था। यह दूसरी बार है, जब बाबर को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए चुना गया है। उन्होंने अप्रैल 2021 में यह पुरस्कार जीता था।

कमिंस को पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। उन्होंने तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच में घातक गेंदबाजी करते हुए पहली पारी में 56 रन पर पांच और दूसरी पारी में 23 रन पर तीन विकेट लेकर टीम को सीरीज जिताई थी।

ब्रेथवेट ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 85.25 के औसत से 341 रन बनाए थे। उन्होंने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के पहली पारी में मजबूत स्कोर के खिलाफ 160 रन की शानदार पारी खेली थी, जिसने मैच को ड्रा कराया।

इंग्लैंड की लेफ्ट आर्म स्पिनर एक्लेस्टोन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2022 महिला विश्व कप सेमीफाइनल में घातक गेंदबाजी करते हुए 36 रन पर छह विकेट लिए थे। वहीं हेन्स विश्व कप में 497 रन बना दूसरी सर्वाधिक रन स्कोरर रहीं थीं। फाइनल में उन्होंने 68 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी। इसके अलावा वोल्वार्ड्ट ने दक्षिण अफ्रीका के सेमीफाइनल तक के सफर में शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल मैचों के अंत तक वह 433 रनों के साथ शीर्ष रन स्कोरर थीं।

फ़िनिशर के रोल में बेहतर से और बेहतर होने लगे दिनेश कार्तिक

मुम्बई। जनवरी 2019 में रविचंद्रन अश्विन ने ट्वीट किया था, बस ऐसे ही दिनेश कार्तिक के पिछले 18 महीनों के आंकड़ों पर नज़र डाल रहा था और इसे देखते हुए मुझे ज़रा सा भी आश्चर्य नहीं हुआ कि वह इस वक़्त दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फ़िनिशर बन गए हैं। डीके का यह वर्ज़न वह है जो वह हमेशा से बनना चाहते थे, सच में मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।

कार्तिक ने तब भारत की वनडे विश्व कप टीम में जगह बनाई थी, उनका चयन तब उनके छोटे प्रारूप के फ़िनिशिंग कौशल को देखकर हुआ था। हालांकि, तब वह दो पारियों में केवल 14 रन बना सके, जहां पर उनके न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ 25 गेंद में छह रन की पारी भी शामिल है, जहां भारत हार गया था और इसके बाद वह टीम से बाहर हो गए।

हालांकि, इसने उनके नए वर्ज़न द फ़िनिशर के रास्ते बंद नहीं किए। 2019-20 विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी में उन्होंने तमिलनाडु को फ़ाइनल तक पहुंचाया।

उन्होंने तब कहा था कि वह एमएस धोनी की तरह फ़िनिशर का रोल अदा करना चाहते हैं। पिछले कुछ सत्रों में तमिलनाडु के लिए कई सफ़ेद गेंद मैचों में ऐसा करने के बाद कार्तिक ने याद दिलाया कि वह शीर्ष स्तर पर भी ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल 2022 में पंजाब किंग्स के ख़िलाफ़ पहले मुक़ाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए ऐसा करके दिखाया था। ऐसा उन्होंने दूसरी बार भी किया, जब कोलकाता नाइट राइडर्स के ख़िलाफ़ उन्होंने अंत में आकर अहम रन बनाए। मंगलवार को उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के ख़िलाफ़ एक और बार फ़िनिशर की झलक दिखाई और उनके करियर को क़रीब से देखने वाले अश्विन दूसरी टीम का हिस्सा थे। जब कार्तिक बल्लेबाज़ी के लिए आए थे, तब आरसीबी का स्कोर नौ ओवर में पांच विकेट पर 87 रन था और वह वानखेड़े की मुश्किल पिच पर 171 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी। युज़वेंद्र चहल अपनी पिछली फ़्रैंचाइज़ी के ख़िलाफ़ बदला ले रहे थे तो अश्विन ने मैच पर राजस्थान की पूरी पकड़ बनवा रखी थी, लेकिन तब 14वें ओवर में कार्तिक आए।

अगर इन दोनों को देखें तो, तमिलनाडु ने जब 2007 में सैयद मुश्ताक़ अली का ख़िताब जीता था तो कार्तिक तब अश्विन के कप्तान थे।

अब 15 साल बाद वे दोनों एक फंसे हुए आईपीएल मैच में एक दूसरे के सामने थे।

इस सीज़न एक भरोसेमंद बल्लेबाज़ बनकर उभरे हैं शाहबाज़

मुंबई। 2020 के रणजी ट्रॉफ़ी सीज़न में राजस्थान के ख़िलाफ़ बंगाल को जीत के लिए 127 रन चाहिए थे जब शाहबाज़ अहमद क्रीज़ पर आए। टीम ने पांच विकेट गंवा दिए थे और मैच उनके हाथ से फिसलता जा रहा था। ठीक उसी समय अपना नौवां प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे शाहबाज़ ने निचले क्रम के साथ मिलकर टीम की नैय्या पार लगाई थी। यूं कहें कि उन्होंने बेन स्टोक्स वाली पारी खेली थी और इस पारी के बाद उन्होंने कहा था कि वह अपनी टीम के स्टोक्स बनना चाहते हैं। शाहबाज़ की बात में आत्मविश्वास था

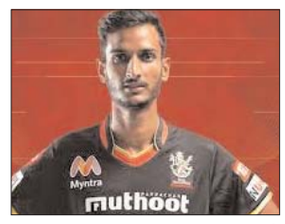

कि वह ऐसे खिलाड़ी बनना चाहते हैं जो किसी भी परिस्थिति में टीम को मैच जिता सकें और शानदार शाहबाज़ अपने इन शब्दों पर एक बार नहीं बल्कि लगातार दो बार खरे उतरें। 30 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के ख़िलाफ़ अपने शीर्ष क्रम को सस्ते में गंवाने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की गाड़ी बीच मझधार में थी। तब शाहबाज़ ने आंद्रे रसल के एक ओवर में दो छक्के लगाकर मैच का रुख़ पलट दिया। मंगलवार को एक क़दम आगे बढ़ाते हुए उन्होंने ऐसी पारी खेली जिसने आरसीबी को हार के मुंह से बाहर निकाला। राजस्थान रॉयल्स के ख़िलाफ़ लगातार गेंदों पर दो विकेट गंवाने के बाद शाहबाज़ मैदान पर उतरे थे। सामने फिरकी के जादूगर युज़वेंद्र चहल थे जो डेविड विली को क्लीन बोल्ड कर चुके थे। शाहबाज़ ने चहल की पहली लेग ब्रेक गेंद को आसानी से डिफ़ेंड कर दिया। बंगाल के इस हरफ़नमौला खिलाड़ी ने केवल 26 गेंदों का सामना किया और चार चौके और तीन छक्कों की मदद से महत्वपूर्ण 45 रन बनाए। यह लगातार दूसरा मौक़ा था जब निचले मध्य क्रम में आकर उन्होंने अपना जलवा बिखेरा था। पिछले सीज़न तक इस बल्लेबाज़ी क्रम में शाहबाज़ का कोई निश्चित स्थान नहीं था। कभी उन्हें तीसरे नंबर पर उतारा जाता था या फिर वह सातवें नंबर पर बल्लेबाज़ी करने आते हैं। हालांकि इस सीज़न में ऐसा लग रहा है कि आख़िरकार आरसीबी ने उन्हें एक स्पष्ट भूमिका दी है।

लोको ने भारत के पहले आधिकारिक तौर पर समर्थित पोकेमॉन यूनाइट टूर्नामेंट की घोषणा की

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के अग्रणी ई-स्पोर्ट्स और गेम स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म लोको, पोकेमॉन यूनाइट सिटी टूर्नामेंट इंडिया 2022 का पहला आधिकारिक साझेदार और एक विशेष प्रसारक बना है। भारत में पोकेमॉन यूनाइट के लिए एक सक्रिय समुदाय मौजूद है और गेमिंग में प्रतिस्पर्धी तथा मनोरंजन दोनों क्षेत्रों में इसके विकास की अपार संभावनाएं हैं। लोको भारत में लाइव गेम स्ट्रीमिंग और ई-स्पोर्ट्स क्षेत्र में अग्रणी है और ई-स्पोर्ट्स इकोसिस्टम के विकास के लिए खासतौर पर पोकेमॉन यूनाइट के साझा दृष्टिकोण के साथ-साथ इसे इस क्षेत्र के लिए एकदम उपयुक्त सहयोगी बनाता है।

पोकेमॉन यूनाइट एक लोकप्रिय स्मार्टफोन गेम टाइटल है जिसे जुलाई 2021 में जारी किया गया था और इसने दुनिया भर में 70 मिलियन से अधिक डाउनलोड दर्ज किए हैं; 14 मार्च, 2022 को अपने हालिया अपडेट के साथ हिंदी को समर्थित भाषाओं में जोड़े जाने से सभी खेल सुविधाएं हिंदी में खेलने योग्य बन गई हैं। हिंदी भाषा समर्थन का जश्न मनाने के लिए, %पोकेमॉन यूनाइट सिटी टूर्नामेंट 2022% अप्रैल में आयोजित किया जाएगा, जो विशेष रूप से लोको द्वारा संचालित और स्ट्रीम किया जाएगा। सिटी टूर्नामेंट के लिए भारत भर के प्रमुख शहरों से खिलाड़ियों की खोज की जाएगी और स्टार स्ट्रीमर कप्तान एक नीलामी के माध्यम से अपनी-अपनी टीम के खिलाड़ियों का चयन करेंगे, यह एक जांचा-परखा हुआ फॉर्मेट है जिसने लोको पर शानदार काम किया है तथा अब इसे और बढ़ाया जा रहा है।

चीन के शंघाई शहर में कोरोना से हाहाकार, खाने के लिए तरस रही 2.5 करोड़ की आबादी

शंघाई। भारत में कोरोना महामारी से हालात सुधरने लगे हैं लेकिन पड़ोसी देश चीन में कोरोना का हाहाकार अभी तक थमा नहीं है। स्वास्थ्य सुविधाओं का डंका बजाने वाला चीन इस वक्त कोरोना की नई लहर से जूझ रहा है। चीन के सर्वाधिक आबादी वाले शहरों में एक शंघाई शहर में कोरोना से हालात बेकाबू हो रहे हैं। प्रशासन ने कोरोना लॉकडाउन घोषित किया है, जिसके बाद दो करोड़ 60 की आबादी घरों में कैद हो गई। शहर के सभी सुपर मार्केट भी बंद कर दिए गए हैं। जरूरी सामानों पर पाबंदी लगा दी गई है। जिसके बाद लोग खाने-पीने के लिए तरस रहे हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, चीन के वित्तीय केंद्र शंघाई के लोग

बुधवार के दिन खाने-पीने के सामान के लिए संघर्ष करते दिखाई दिए। कोरोना लॉकडाउन के चलते दो करोड़ 60 लाख की आबादी अपने घरों में कैद हो गई है। कोरोना जांच के लिए शहर के सभी सुपर मार्केट्स को बंद कर दिया गया है और जरूरी सामानों पर पाबंदी लगा दी गई है।

शंघाई शहर में हालांकि यह पहली बार नहीं है जब बढ़ते कोरोना केसों के कारण शहर पर पाबंदी लगाई गई हो लेकिन पिछले कुछ दिनों में कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं। प्रशासन ने सख्त निर्देश दिए हैं कि जब तक शहर भर से सभी नमूने नहीं लिए जाते, पाबंदियों को हटाने पर विचार नहीं किया जाएगा।

बच्चों की कस्टडी घरवालों को मिली

हाल ही के दिनों में शंघाई शहर में कोरोना संक्रमित बच्चे को मां-बाप से अलग क्वारंटाइन सेंटरों में रखा जा रहा था, यहां तक कि उस सेंटर की जानकारी भी मां-बाप को नहीं दी जा रही थी। लेकिन अभी प्रशासन ने इस मामले में थोड़ी ढील देते हुए बच्चों को मां-बाप के साथ रहने की परमिशन दे दी है। गौरतलब है कि शंघाई शहर में 5 अप्रेल को 16,766 नए कोरोना केस सामने आए थे। इससे पहले 4 अप्रैल को 13086 कोरोना के केस सामने आए थे।

पाकिस्तान में चुनाव के लिए तारीखों का प्रस्ताव देने का राष्ट्रपति ने किया आग्रह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति डॉ आरिफ अल्वी ने बुधवार को चुनाव आयोग से संविधान के अनुच्छेद 224(2) के तहत देश में आम चुनाव कराने के लिए तारीखों का प्रस्ताव देने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने आयोग को लिखे पत्र में कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 48 (5) (ए) और अनुच्छेद 224(2) के अनुसार आम चुनाव कराने के लिए नेशनल असेंबली भंग किये जाने की तिथि से 90 दिनों के बाद की तारीख तय की जानी है। इससे पहले मंगलवार को आयोग ने कहा था कि विभिन्न कानूनी अड़चनों और प्रक्रियाजन्य चुनौतियों के मद्देनजर देश में तीन महीने के भीतर आम चुनाव कराना संभव नहीं है। आयोग ने हालांकि बाद में स्पष्ट किया कि उसने चुनाव कराने के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया था, लेकिन यह नहीं बताया कि वह तीन महीने में चुनाव कराने के लिए तैयार है या नहीं। सूत्रों के मुताबिक इस बीच चुनाव आयोग ने कम से कम समय में निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करने के विकल्पों पर विचार करना शुरू कर दिया है।

सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बावजूद राजपक्षे नहीं देंगे इस्तीफा : श्रीलंका सरकार

कोलंबो। श्रीलंका में चल रहे आर्थिक संकट के बीच लोगों में राष्ट्रपति गोतबया राजपक्षे के खिलाफ बढ़ रहे आक्रोश और उनके इस्तीफे की लगातार बढ़ रही मांग के बावजूद सरकार ने बुधवार को स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रपति किसी भी परिस्थिति में इस्तीफा नहीं देंगे। देश में जारी संकट पर चर्चा के लिए बुधवार को संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था। चर्चा के दौरान सरकार के मुख्य सचेतक जॉनसन फर्नेंडो और समागी जन बालवेगया (एसजेबी) पार्टी के सांसद नलिन बांद्रा के बीच हुई तीखी बहस के 10 मिनट बाद ही संसद की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी। श्री फर्नेंडो ने कहा, एक जिम्मेदार सरकार की तरह हम घोषणा करते हैं कि राष्ट्रपति गोतबया राजपक्षे किसी भी स्थिति में अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। न्यूज वायर की रिपोर्ट के अनुसार संसद में विपक्षी दल एसजेबी के सदस्यों ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया और 'गोतबया वापस जाओ' के नारे लगाये।

देश में राष्ट्रपति और उनकी सरकार के खिलाफ जारी आक्रोश और उनके इस्तीफे की बढ़ रही मांग के बीच श्री राजपक्षे ने राजनीतिक बैठकें कर सभी पार्टियों को सोमवार को साफ कर दिया कि वह राष्ट्रपति पद से इस्तीफा नहीं देंगे। श्रीलंका 1948 में आजादी के बाद से सबसे खराब आर्थिक संकट के कारण जन विद्रोह से जूझ रहा है। राजपक्षे मंत्रिमंडल ने पहले ही इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति ने एक राष्ट्रीय सरकार बनाने के लिए विपक्षी दलों के सांसदों से सहायता मांगी है और बदले में मंत्रिमंडल में जगह दिये जाने का आश्वासन भी दिया है लेकिन विपक्षी सांसदों ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया है और उन्हें इस्तीफा देने को कहा है। राष्ट्रपति ने दो अप्रैल को लगाये गये आपातकाल के फैसले को मंगलवार को वापस ले लिया।

रूसी सेना पकड़ी गयी यूक्रेनी महिला सैनिकों को कर रही है प्रताड़ित

कीव। यूक्रेन ने कहा है कि रूसी सेना से मोर्चा लेने के दौरान पकड़ी गयी यूक्रेनी महिला सैनिकों को प्रताड़ित किया जा रहा है।

एक यूक्रेनी मानवाधिकार अधिकारी ने दावा किया कि 12 से अधिक यूक्रेनी महिला सैनिक रूसी सेना के कब्जे में है और रूसी सेना उन्हें प्रताड़ित कर रही है तथा उनके साथ दुव्यर्वहार किया जा रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार रूसी सेना ने शुक्रवार को बंदी बनाये गये 86 यूक्रेनी सैनिकों को रिहा किया जिसमें 15 महिला सैनिक भीशामिल थीं।

यूक्रेनियन पार्लियामेंट कमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स लयुडमेला डेनिसोवा ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम पेज पर मंगलवार को कहा जिन यूक्रेनी महिला सैनिकों को अपने कब्जे में लिया उन्हें पहले बेलारूस और बाद में रूस के ब्रियांस्क में प्री ट्रायल डिटेंशन सेंटर पर ले जाया गया जहां उन्हें धमकाया गया और कई तरह की यातनाएं भी दी गयीं।

यूक्रेनी पशु आश्रय केंद्र में 300 कुत्तों की मृत्यु

कीव। यूक्रेन के बोरोड्यांका से रूसी सेना के लौटने के बाद क्षेत्र के एक पशु आश्रय केंद्र में 300 कुत्ते मृत पाए गए हैं। डेली मेल ने कीव के उत्तर में स्थित बोरोड्यांका के यूएनिमल्स आश्रय के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा कि रूसी सेना ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर आक्रमण के कुछ समय बाद ही 485 कुत्तों को पिंजरे में बंद कर दिया था। जब यूक्रेनी कर्मचारी एक अप्रैल को वापस लौटे तो इनमें से सिर्फ 150 ही जिंदा बचे थे। वहीं 27 कुत्ते गंभीर हालत में थे जिन्हें जानवरों के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पशु आश्रय केंद्र ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो डाली है, जिसमें एक महीने तक भूखे रहने के कारण मरे कुत्तों के शवों का ढेर देखा जा सकता है। डेली मेल ने बताया कि तस्वीरों से पता चलता है कि कुछ कुत्तों ने खाने के अभाव में अपने मृत साथियों के शव खाना शुरू कर दिये थे।

पाकिस्तानी लोकतंत्र को सूरी ने दिया भारी झटका : द डॉन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक प्रमुख अखबार ने बुधवार को नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी पर आरोप लगाया कि उन्होंने प्रधानमंत्री इमरान खान के विरुद्ध अविश्वास मत को रद्द कर देश के लोकतंत्र को बड़ा झटका दिया है। 'द डॉन' अखबार ने अपने संपादकीय में लिखा कि जब श्री सूरी ने रविवार को मनमाने ढंग से यह फैसला किया कि जनता द्वारा चुने गये 197 विपक्षी सांसद सरकार के खिलाफ विदेशी साजिश में शामिल हैं, तो उन्होंने संविधान का 'दुरुपयोग' किया। इस प्रक्रिया में श्री सूरी ने 'संसद में पेश प्रस्ताव पर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान कराने की अपनी जिम्मेदारी' का उल्लंघन किया। संपादकीय में कहा गया, अगर उन्होंने इतिहास देखा होता तो उन्हें कानूनी तरीके से अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के महान उदाहरण मिल जाते। द डॉन ने कहा, अगर कासिम सूरी ने अपने आका इमरान खान के डर से, या अपने राजनीतिक हित में यह कदम उठाया है, तो उन्हें पाकिस्तान की पहले से कमजोर लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है।

अफगानिस्तान को 3.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मानवीय मदद मिली

काबुल। अफगानिस्तान को नए पैकेज के रूप में मानवीय नकद सहायता के तहत 3.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मदद दी गयी है। अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने बुधवार को यह सहायता मिलने की पुष्टि की। सरकार ने देश के राष्ट्रीय बैंक, दा अफगानिस्तान बैंक के अधिकारियों के हवाला से कहा कि 3.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मानवीय सहायता का 20वां पैकेज मंगलवार को अफगानिस्तान पहुंच गया और उसे अफगानिस्तान इंटरनेशनल बैंक में जमा करा दिया गया है। अफगानिस्तानी सरकार ने मानवीय सहायता के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का आभार व्यक्त किया और ऐसे और भी सहयोग का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि रिपोर्टों के अनुसार, 3.5 करोड़ आबादी वाले देश में 2.2 करोड़ से अधिक लोगों को भोजन नहीं मिल पा रहा है और अगर इस युद्धग्रस्त देश को मानवीय सहायता नहीं मिली तो उसे भारी मानवीय तबाही का सामना करना पड़ेगा।

पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने बुधवार को पंजाब विधानसभा के सत्र को 16 अप्रैल तक स्थगित करने के आदेश को वापस लेने के लिए डिप्टी स्पीकर सरदार दोस्त मुहम्मद मजारी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद (पीएमएल-क्यू) ने दावा किया कि डिप्टी स्पीकर मजारी के खिलाफ प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद अब वह सदन को नहीं बुला सकते हैं, जबकि श्री मजारी ने कहा कि कानून के अनुसार वह अविश्वास प्रस्ताव के बाद भी सदन को चला सकते हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रांतीय विधानसभा सदस्यों ने अविश्वास के आधार पर डिप्टी स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

विजय के साथ काम करेंगी रश्मिका मंदाना

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री रश्मिका मंदाना सुपरस्टार विजय के साथ फिल्म ' थलापति 66 ' में नजर आयेंगी। दक्षिण भारतीय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को सुपरस्टार विजय ने अपनी फिल्म में हीरोइन बनाया है।विजय जल्द ही फिल्म थलापति 66 में नजर आएंगे। इस फिल्म में बतौर अभिनेत्री उन्होंने रश्मिका मंदाना को लिया है। यह विजय की 66वी फिल्म होगी, जिसमें लीड रोल में रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। चेन्नई में इस फिल्म की ओपनिंग के लिए पूजा सेरेमनी रखी गई, जिसमें रश्मिका मंदाना थलापति विजय के साथ नजर आईं। रश्मिका मंदाना जल्द ही फिल्म मिशन मजनूं से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आएंगे। इसके अलावा वह अमिताभ बच्चन की फिल्म गुडबाय में भी नजर आएंगी।

रणबीर कपूर के साथ एनिमल में काम करने को लेकर रोमांचित है रश्मिका मंदाना

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना बॉलीवुड के रॉकस्टार रणबीर कपूर के साथ फिल्म एनिमल में काम करने को लेकर रोमांचित है।

अर्जुन रेड्डीऔर कबीर सिंह जैसी सुपरहिट फिल्म बना चुके निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा अब फिल्म एनिमल बना रहे हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर की मुख्य भूमिका है। इस फिल्म में रणबीर कपूर के अपोजिट रश्मिका मंदाना नजर आयेंगी। एनिमल में रश्मिका, रणबीर की पत्नी की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

रश्मिका ने बताया, मैं बहुत ही रोमांचित हूं कि आखिराकार एनिमल में मुझे लेकर घोषणा हो गई है। मैं इसके बारे में दुनिया को बताने के लिए इंतजार कर रही थी। क्योंकि न केवल कहानी इतनी अद्भुत है बल्कि एक शानदार टीम भी मुझे काम करने के लिए मिली है।यह एक सपने के सच होने जैसा है। मैं जल्द ही गर्मी का इंतजार कर रही हूं और ईमानदारी से फिल्म के जल्द ही फ्लोर पर आने का इंतजार नहीं कर सकती।

भारती सिंह के पति हर्ष ने कही बड़ा बात- सोनाक्षी सिन्हा के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर करना चाहता हूं

नई दिल्ली। भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया हाल ही में पैरेंट्स बने हैं। भारती ने रविवार को बेटे को जन्म दिया है। लेकिन इसी बीच हर्ष का एक ऐसा स्टेटमेंट सामने आया है जिसे सुनकर भारती तक हैरान हो जाएंगी। दरअसल, भारती और हर्ष का शो खतरा-खतरा काफी पॉपुलर है। शो में कई सेलेब्स आते हैं और दोनों के साथ गेम खेलते हुए खूब मस्ती करते हैं। अब इस शो में सोनाक्षी सिन्हा आईं और इस दौरान हर्ष ने एक्ट्रेस से कह दिया कि वह उनके साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर करना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सोनाक्षी के शो में आने के बाद हर्ष, निशांत भट्ट और विशाल आदित्य सिंह अपनी-अपनी क्वालिटी के बारे में बताते हैं जो हर लड़की को पसंद आती है। सोनाक्षी फिर कहती हैं कि मुझे एक इंसान में ये सारी क्वालिटीज चाहिए। इसके बाद जब वे तीनों सोनाक्षी के साथ फ्लर्ट करते हैं तो सोनाक्षी कहती हैं कि तुम लोग मेरी शादी के पीछे क्यों पड़े हो ? मुझे सिंगल देखकर खुशी नहीं मिलती ? तभी हर्ष फिर ऐसा जवाब देते हैं कि सभी हैरान हो जाते हैं। वह कहते हैं, मेरी शादी भारती से हुई है पर आपसे एक्सट्रा मैरिटल अफेयर के लिए पूछना था। अब हर्ष की इस बात पर सोनाक्षी उन्हें क्या जवाब देंगी ये तो आने वाले एपिसोड में पता चलेगा। साथ ही इस पर भारती सिंह, हर्ष के इस स्टेटमेंट को सुनने के बाद क्या करती हैं ये भी आगे पता चलेगा।

बेहद भावुक फिल्म है 'जयेशभाई जोरदार': रणवीर सिंह

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म बेहद भावुक फिल्म है, जो लोगों को रोने पर मजबूर कर देगी।

रणवीर सिंह ने अपनी आने वाली फिल्म जयेशभाई जोरदार को लेकर बताया, यह बेहद भावुक फिल्म है, जो लोगों को बेहद रूलाएगी।गौरतलब है कि फिल्म जयेशभाई जोरदार में रणवीर सिंह एक गुजराती व्यक्ति का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे, जो समाज की पितृसत्तात्मक सोच और कुरीतियों का पुरजोर विरोध करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ शालिनी पांडेय,बोमन ईरानी और रत्न पाठक शाह भी अहम किरदार में दिखाई देंगी। दिव्यांग ठक्कर के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 13 मई, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आलिया भट्ट के भी रह चुके हैं कई अफेयर्स

नई दिल्ली। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर पिछले काफी वक्त से रिलेशनशिप में हैं। दोनों की शादी को लेकर लगातार कयासों का दौर चल रहा है लेकिन अभी तक इस बारे में कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। जहां रणबीर कपूर पहले कई एक्ट्रेसेज के साथ रिलेशनशिप में रह चुके हैं वहीं आलिया भट्ट का नाम भी कई सेलेब्स के साथ जुड़ चुका है। साल 2019 में जब आलिया भट्ट से रणबीर कपूर के पास्ट को लेकर सवाल किया गया था तब उन्होंने हिंट दिया था कि उनके भी कई रिलेशनशिप रह चुके हैं।

जमकर की थी रणबीर की तारीफ

इसी इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने अपनी शादी और रणबीर कपूर के नेचर को लेकर बात की थी। आलिया भट्ट ने रणबीर कपूर को एक नगीना बताया था और कहा था कि उन्हें संभालना मुश्किल नहीं है। आलिया ने कहा, मैं आपको बताऊं कि वह जटिल आदमी नहीं हैं। वह बहुत ज्यादा सिंपल है। वो इतना अच्छा इंसान है कि मैं दुआ करती हूं कि काश मैं उसके जैसी होती। आलिया भट्ट ने कहा, एक एक्टर के तौर पर, एक इंसान के तौर पर, हर तरह से... वह मुझसे कहीं बेहतर इंसान है। जहां तक शादी की बात है तो ये इकलौती चीज है जो मुझे अभी बहुत इरिटेट कर रही है। हर सुबह मैं इसी खबर के साथ जागती हूं कि मैं शादी कर रही हूं। मैं उससे कहती हूं कि ये सब क्या है ? मुझे लगता है कि अब वह भी इस सब का अभ्यस्त हो चुका है। जब आलिया से रणबीर कपूर के पास्ट को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, इससे क्या फर्क पड़ता है ? ये किसी की भी जिंदगी का हिस्सा है और इससे किसे फर्क पड़ता है। और मैं थोड़ी ना कम हूं। बता दें कि पिछले एक हफ्ते से लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं अप्रैल में ही रणबीर कपूर और आलिया भट्ट शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं।

औषधीय गुणों से भरपूर हैं अरबी के पत्ते, इसके सेवन से सेहत को मिलते हैं कई गजब के फायदे

प्रिया मिश्रा

क्या आप जानते हैं कि अरबी की सब्जी के साथ-साथ इसके पत्तों को भी खाया जाता है ? जी हाँ, आप अरबी के पत्तों की सब्जी या पकौड़े बनाकर खा सकते हैं।

ये पत्ते खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनमें विटामिन ए, बी, सी, कैल्शियम, पोटैशियम और एंटी-ऑक्सिडेंट की भरपूर मात्रा में पाई जाती है, जो शरीर के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। नियमित रूप से अरबी के पत्तों का सेवन करने से आप हाई बीपी, कोलेस्ट्रॉल समेत कई अन्य बीमारियों से छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको अरबी के पत्तों के कुछ फायदे बताने जा रहें हैं, जिन्हें पढ़ कर आप भी इसे अपनी डाइट में ज़रूर शामिल करेंगे।

ब्लड प्रेशर करे कंट्रोल

अरबी के पत्ते का सेवन हाई बीपी की समस्या से राहत दिलाने में बहुत फायदेमंद है। अरबी के पत्ते में सोडियम, पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे तत्व पाए जाते हैं जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

वजन कम करने में सहायक

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो अरबी के पत्तों का सेवन करिए। इसके पत्ते में डाइटरी फाइबर की प्रचुर मात्रा होती है जो शरीर के मेटाबोलिज्म को बढाकर वेट लॉस में मदद करता है।

पेट संबंधी रोगों से मुक्ति

अगर आपको अपच, गैस और एसिडिटी जैसी पेट संबंधी समस्याएं हैं तो अपनी डाइट में अरबी के पत्ते ज़रूर शामिल करें। अरबी के पत्तों की सब्जी या इसके पत्तों को पानी में उबाल कर पीने से पेट से जुड़ी परेशानियों में लाभ मिलता है।

जोड़ों के दर्द से राहत

अगर आपको जोड़ों में दर्द रहता है तो आपको नियमित रूप से अरबी के पत्तों का सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही तवे पर गाय का घी लगा कर इन पत्तों को सेंक कर ज्वाइंट्स की सिकाई करने से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है।

आँखों की रोशनी करे तेज़

अरबी के पत्ते विटामिन ए से भरपूर होते हैं जो आँखों के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

अरबी के पत्तों का सेवन करने से आँखों की रोशनी तेज़ होती है और साथ ही मायोपिया और मोतियाबिंद जैसी बीमारियों की रोकथाम में भी मदद मिलती है।

कैंसर से करे बचाव

अरबी के पत्तों में विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है जो साधारण सर्दी-जुकाम से लेकर कुछ तरह के कैंसर तक में बचाव करता है।

कोलेस्ट्रॉल करे नियंत्रित

अरबी के पत्ते शरीर में बढ़ी हुई कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करने में काफी असरदार हैं।

इसमें मौजूद मेथियोनिन और फाइबर, शरीर में ट्राइग्लिसराइड को तोड़कर हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। अरबी के पत्ते आयरन और फोलेट जैसे तत्वों से भरपूर होते हैं जिनसे शरीर में एनीमिया यानी खून की कमी की समस्या दूर होती है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

अरबी के पत्ते स्वास्थ्य के साथ-साथ त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। अगर आप चेहरे पर दानों से परेशान हैं तो इन पत्तों को जलाकर इसकी राख को नारियल के तेल में मिक्स करके चेहरे पर लगाने से दानों की समस्या में फायदा होगा।

बड़ी आसानी से किचन में मिल जाती हैं यह चीजें, पीसीओएस और पीसीओडी से दिलाती हैं छुटकारा

पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं को अनियमित पीरियड्स, इनफर्टिलिटी जैसी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाएं दवाइयां लेती हैं और अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव करती हैं। पर क्या आपको पता है कि हमारे किचन में बहुत सारी ऐसी चीजें मौजूद है जिनका इस्तेमाल करके महिलाएं इस बीमारी से छुटकारा पा सकती हैं।

महिलाओं के शरीर में जब हॉर्मोन का संतुलन बिगड़ने जाता है तो उन्हें कई अन्य तरह की बीमारियां भी हो जाती हैं। इन्हीं में से एक है पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) की बीमारी। ज्यादातर महिलाएं इस बीमारी से पीड़ित हैं। पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं को अनियमित पीरियड्स, इनफर्टिलिटी जैसी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाएं दवाइयां लेती हैं और अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव करती हैं। पर क्या आपको पता है कि हमारे किचन में बहुत सारी ऐसी चीजें मौजूद है जिनका इस्तेमाल करके महिलाएं इस बीमारी से छुटकारा पा सकती हैं। आईये जानते हैं पीसीओएस से छुटकारा पाने के कुछ घरेलू नुस्खे-

मेथी

पीसीओएस की वजह से महिलाओं के शरीर में मोटापा और टेस्टोस्टेरोन का उत्पादन बढ़ने लगता है। ऐसे में मेथी के पत्तों या मेथी के बीज का सेवन करने से शरीर में इंसुलिन का स्तर सामान्य बना रहता है जिससे वज़न घटाने में मदद मिलती है। मेथी का इस्तेमाल करने के लिए इसके बीज को रातभर भिगोकर रख दें और सुबह खाली पेट इसका सेवन करें। इसके अलावा आप भीगे हुए मेथी के बीज का सेवन दोपहर और रात के खाने से पहले भी कर सकते हैं।

तुलसी

तुलसी एक बेहतरीन एंटीऑक्सीडेंट मानी जाती है। पीसीओएस से पीड़ित महिलाएं अगर इसका सेवन करती है तो उनके शरीर में एण्ड्रोजन और इंसुलिन का स्तर नियंत्रित रहता है। महिलाएं रोज सुबह खाली पेट तुलसी के पत्ते चबाकर खा सकती हैं। इसके अलावा पानी में उबाल कर या फिर चाय में भी मिलाकर तुलसी का सेवन किया जा सकता है।

शहद

पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं के शरीर में हार्मोन का संतुलन बिगड़ जाता है जिसकी वजह से उनके शरीर में मोटापा तेजी से बढ़ने लगता है। ऐसे में शहद का सेवन करने से काफी फायदे मिल सकते हैं। शहद भूख को शांत करता है और इसके सेवन से आपका पेट काफी देर तक भरा रहता है। इस तरह से शहद वजन कम करने में मदद करता है। महिलाएं सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में शहद और नींबू मिलाकर पी सकती हैं।

दालचीनी

दालचीनी कई तरह से महिलाओं के शरीर को फायदे पहुँचाती है। यह पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं के ब्लड शुगर लेवल को स्थिर करने और इंसुलिन प्रतिरोध को कम करने में मदद करती है। इसके अलावा यह महिलाओं की गर्भ धारण करने की क्षमता को भी बढ़ाने में मदद करती है। महिलाएं दालचीनी को दही या शेक में मिलाकर इसका सेवन कर सकती हैं या फिर चाय में भी मिलाकर इसे पी सकती हैं।

अलसी के बीज

अलसी के बीज में फाइबर, ओमेगा -3 और ओमेगा -6 फैटी एसिड और लिग्नान बहुत अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। लिग्नान एक तरह का प्रोटीन होता है जो शरीर में टेस्टोस्टेरोन की मात्रा को कम करता है और पीसीओएस के अधिकांश दुष्प्रभावों को दूर करता है। असली के बीज को पानी में या फिर जूस में मिलाकर पीया जा सकता है।

आंवला

एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन सी से भरपूर आंवला शरीर में ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करता है और महिलाओं की फर्टिलिटी में भी सुधार करता है। महिलाएं आंवला रस निकालकर उसे पानी में मिलाकर पी सकती हैं। इसके अलावा इसे कच्चा भी खाया जा सकता है।

सरसों के फेस पैक से स्किन को मिलते हैं यह जबरदस्त फायदे

मिताली जैन

गर्मी का मौसम ऑयली स्किन के लिए काफी परेशानी भरा होता है, क्योंकि इस मौसम में आवश्यकता से अधिक तेल का स्त्राव होता है। जिससे ना केवल स्किन चिपचिपी नजर आती है, बल्कि स्किन के पोर्स क्लॉग होने के कारण एक्ने व ब्रेकआउट्स की समस्या हो जाती है।

अमूमन लोग अपनी स्किन की केयर करने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं, लेकिन अपनी ही किचन में मौजूद मामूली समझी जाने वाली चीजों पर उनका ध्यान ही नहीं जाता है। इन्हीं में से एक है सरसों। जिसका तेल व दानों दोनों को ही महिलाएं अपनी कुकिंग में इस्तेमाल करती हैं। लेकिन वास्तव में यह आपकी स्किन के लिए भी उतनी ही लाभदायक है। आप इसके दानों को पीसकर इसका फेस पैक स्किन पर लगाया जा सकता है। यह आपकी स्किन को एक नहीं, बल्कि कई तरह से लाभ पहुंचाता है। स्किन को एक्सफोलिएट करने से लेकर एंटी-एजिंग के रूप में सरसों काम करती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको सरसों के फेस पैक से स्किन को होने वाले कुछ फायदों के बारे में बता रहे हैं-

ऑयली स्किन के लिए लाभदायक

गर्मी का मौसम ऑयली स्किन के लिए काफी परेशानी भरा होता है, क्योंकि इस मौसम में आवश्यकता से अधिक तेल का स्त्राव होता है। जिससे ना केवल स्किन चिपचिपी नजर आती है, बल्कि स्किन के पोर्स क्लॉग होने के कारण एक्ने व ब्रेकआउट्स की समस्या हो जाती है। लेकिन सरसों का फेस पैक स्किन पर अप्लाई करने से अतिरिक्त सीबम उत्पादन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बेहतरीन स्क्रब की तरह करता है काम

अगर सरसों को हल्का दरदरा पीसा जाए तो यह एक बेहतरीन स्क्रब के रूप में काम करता है। आप इसे शहद और चावल का आटा के साथ मिक्स करके एक फेस स्क्रब बना सकती हैं और इसे अपनी स्किन को एक्सफोलिएट कर सकती हैं।

एंटी-एजिंग की तरह करता है काम

सरसों के फेस पैक के इस्तेमाल का एक लाभ यह भी है कि यह आपकी एजिंग प्रोसेस का स्लो डाउन करता है और आपकी स्किन को अधिक फर्म बनाता है। जिसके कारण आपकी स्किन अधिक यंगर नजर आती है। दरसअल, सरसों के बीज कैरोटीन और ल्यूटिन का एक बेहतरीन स्रोत माने जाते हैं, जो आपकी स्किन को फाइन लाइन्स और झुर्रियों से बचाने में मदद करते हैं।

स्किन को बनाए अधिक ग्लोइंग

अगर आप अपनी स्किन को नेचुरली अधिक ग्लोइंग बनाना चाहती हैं तो आपको सरसों के फेस पैक को अपनी स्किन पर अप्लाई कर सकती हैं। दरअसल, सरसों आपकी स्किन से टैनिंग और पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है। जिससे ना केवल आपकी स्किन अधिक ग्लोइंग बनती है, बल्कि इससे आपकी स्किन टोन इवन होती है।